डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹72500 10 ग्राम

₹95000 01 किलो

सेंसेक्स 81,289.96 -236.18

डॉलर 84.867 +0.047

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 14, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), शनिवार, 14 दिसंबर 2024, वर्ष-31, अंक- 60, पृष्ठ-12 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-10 निर्मला सीतारमण और दो भारतीय...

हाथियों की संख्या में बढ़ोतरी, जेनेटिक्स पर भी होगा अध्ययन

जल्द ही जारी होगा अध्ययन रिपोर्ट

राणा अरुण सिंह

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व में हाथियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले जहां इस क्षेत्र में लगभग 180 हाथी थे, वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 200 से अधिक हो गई है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट की देख-रेख में चार महीने तक चली गिनती और रिसर्च के बाद यह आंकड़े सामने आए हैं। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट जल्द ही हाथियों की संख्या और उनके जेनेटिक्स से जुड़े विस्तृत आंकड़े जारी करेगा। पलामू टाइगर रिजर्व के निदेशक कुमार आशुतोष ने बताया कि हाथियों की संख्या बढ़ी है। इस पर एक गहन अध्ययन हुआ है, जिसकी रिपोर्ट वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट द्वारा जल्द प्रकाशित की जाएगी। सूत्रों के अनुसार हाथियों की संख्या डेढ़ सौ से बढ़कर 200 के आसपास हो गई है। वहीं टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या भी बढ़ी है। फिलहाल 6 भाग टाइगर रिजर्व में देखे जा रहे हैं। अभी हाल में ही सीमावर्ती इलाकों में एक भाग दिखा है। जो वहां कैमरा में ट्रैप हुआ है। टाइगर रिजर्व एरिया में इसके निशान मिले हैं।

पलामू टाइगर रिजर्व के निदेशक **कुमार आशुतोष**

झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व में हाथियों की संख्या 200 के पार

पीटीआर में रहने वाले हाथी कम हिंसक होते हैं

सर्वे टीम के अध्ययन में यह भी पता चला है कि पलामू टाइगर रिजर्व के हाथियों का जेनेटिक्स अलग है। पीटीआर में रहने वाले हाथी अपेक्षाकृत कम हिंसक होते हैं और उनमें एक ही दांत पाया जाता है। इतिहास में यह उल्लेख किया गया है कि सरगुजा के महाराज ने पलामू टाइगर रिजर्व क्षेत्र में हाथियों को छोड़ा था और वे धीरे-धीरे अपने दायरे को बढ़ाते गए। हालांकि, पीटीआर के हाथियों का जेनेटिक्स अब भी एक रहस्य बना है, जिसे रिपोर्ट जारी होने के बाद स्पष्ट किया जाएगा। इसके अलावा, झारखंड में हाथियों की मौजूदगी मुख्य रूप से पलामू, गढ़वा, लातेहार, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी, और चाईबासा के क्षेत्रों में है। पलामू टाइगर रिजर्व छत्तीसगढ़ कॉरिडोर से जुड़ा हुआ है, जिससे छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में हाथी इस क्षेत्र में प्रवेश करते हैं।

मौसम केंद्र ने जारी की चेतावनी

झारखंड के तीन जिलों में 15 तक चलेगी शीतलहर

मेदिनीनगर में 13 दिसंबर का तापमान

न्यूनतम 07.9⁰ | अधिकतम 25.9⁰

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य में दिन-प्रतिदिन ठंड में बढ़ोतरी हो रही है। लगातार चल रही हवा से ठंड काफी बढ़ गई है। राजधानी रांची में शुक्रवार को सुबह कोहरा छाया रहा। ठंडी हवाओं की वजह से कनकनी बढ़ी हुई थी। दिन चढ़ने के बाद आसमान साफ हो गया, लेकिन ठंड के असर में कोई कमी नहीं हुई। मौसम विभाग ने तापमान में अभी और गिरावट की उम्मीद जताई है। मेदिनीनगर में न्यूनतम तापमान 07.9 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम केंद्र ने शुक्रवार को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि 15 दिसंबर तक तीन जिलों के लोगों को शीतलहर का सामना करना पड़ेगा। रांची से सटे रामगढ़ के साथ बोकारो और धनबाद जिले में भी कहीं-कहीं शीतलहर चलेगी। मौसम केंद्र के अनुसार, न्यूनतम तापमान में अभी कोई बड़ा बदलाव होता नहीं दिख रहा है।

नगर विकास के प्रधान सचिव ने की बैठक

रांची का विकास गरिमा के अनुरूप हो : कुमार

नवीन मेल डेस्क

सरकार की प्राथमिकता है रांची का सौंदर्यीकरण | बैठक में जुडको के वरीय अधिकारी रहे मौजूद

रांची। राजधानी रांची के सौंदर्यीकरण और विकास को लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग ने व्यापक योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन में इसे लेकर एक बैठक की। इसमें उन्होंने कहा कि रांची को उसकी गरिमा के अनुरूप विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है और उसी के अनुरूप कार्य हो।

बैठक में झारखंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी (जुडको) के जरिये कचहरी चौक और उपायुक्त कार्यालय क्षेत्र के पुनर्विकास की योजना का प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रधान सचिव ने कहा कि शहर के इस हृदयस्थल को बेहतर यातायात सुविधा, चौड़ी सड़कों, फुटपाथ निर्माण, ड्रेनेज प्रणाली और आधुनिक लाइटिंग के माध्यम से आकर्षक बनाया जाएगा। उपायुक्त कार्यालय से शारदा बाबू लेन, लाइन टैंक तालाब और अन्य संपर्क पथों को भी समेकित विकास योजना में शामिल किया गया है।

बैठक में जुडको के परियोजना निदेशक (तकनीकी) गोपाल जी, महाप्रबंधक विनय कुमार, परियोजना प्रबंधक शितांशु वैभव, उप परियोजना प्रबंधक प्रत्युष आनंद और सुशांत सिन्हा मौजूद थे।

जनसुविधाओं पर दिया जाए ध्यान

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने निर्देश दिया कि कचहरी क्षेत्र में जनसुविधाओं जैसे वॉकिंग मार्केट, पार्क, पौधरोपण और आधुनिक लाइटिंग का प्रावधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, बेतरतीब फैले विद्युत तारों को सुव्यवस्थित करने के लिए ऊर्जा विभाग से समन्वय स्थापित करने की भी बात उन्होंने कही।

खाली सरकारी जमीन की विस्तृत रिपोर्ट तैयार हो

प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा कि खाली सरकारी जमीन और पुराने भवनों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उनकी उपयोगिता का अध्ययन किया जाए। इन इलाकों में 24/7 उपलब्ध जनसुविधाएं सुनिश्चित करने का प्रावधान किया जाएगा।

जोन में बांटकर होगा काम

बैठक में अलबर्ट एक्का चौक, लालपुर चौक, डंगराटोली चौक, बरियातू चौक, रिम्स चौक, सुजाता चौक, शहीद चौक और करमटोली जैसे प्रमुख चौक-चौराहों के विकास और सौंदर्यीकरण की योजना भी तैयार करने के निर्देश दिए गए। बताया गया कि इन्हें जोन में बांटकर प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाएगा।

विनय कुमार होंगे बिहार के नए डीजीपी

पटना। बिहार पुलिस महकमें में बड़े बदलाव की खबर सामने आ रही है। 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी विनय कुमार को प्रदेश का नया डीजीपी बनाया गया है। वह आलोक राज की जगह जिम्मेदारी संभालेंगे। विनय कुमार की नियुक्ति दो साल के लिए की गई है। आईपीएस विनय कुमार वर्तमान में बिहार भवन पुलिस निर्माण विभाग के डीजी पद पर तैनात हैं। 30 दिसंबर 2021 से वह इस पद पर कार्यरत हैं। वह एडीजी लॉ एंड ऑर्डर और एडीजी सीआईडी जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

सैटेलाइट इमेज से पुलिस अफीम की खेत तक पहुंच रही

पुलिस ने नष्ट की अफीम की खेती

नवीन मेल संवाददाता

कुंदा (चतरा)। पुलिस कप्तान विकास पांडेय के निर्देश पर कुंदा थाना क्षेत्र के सिकीदाग पंचायत के विभिन्न स्थानों में लगेअफीम खेती को अभियान चलाकर नष्ट किया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रदीप कुमार के नेतृत्व में कुन्दा पुलिस व वन विभाग ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर कर लगभग 15 एकड़ में दो ट्रेक्टर की मदद से पोस्ता खेती को नष्ट किया। चतरा पुलिस सैटेलाइट इमेज के माध्यम से अफीम की खेतों तक पहुंच रही है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) से उपलब्ध कराए गए मैप्स ड्रग्स एप एक कारगर हथियार बना है। सेटेलाइट इमेज अफीम के फूलों को चिह्नित करता है और अक्षांश व देशांतर के साथ पुलिस को अफीम की खेती का लोकेशन बताता है। इसके आधार पर पुलिस मौके पर पहुंचती है और वहां फल-फूल रहे अफीम की खेती को नष्ट कर रही है। थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि इस बार पुलिस किसी भी हालत में अफीम की खेती नहीं होने देगी। खेती करने वाले सावधान हो जाएं नहीं तो होगा सीधा जेल जाना होगा। खेती करने वालो को चिन्हित किया जा रहा है।

अल्लू अर्जुन 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए थे जेल

संध्या थिएटर में भगदड़ का मामला

'पुष्पा' की सुबह हुई गिरफ्तारी, दोपहर बाद हाईकोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

एजेंसी । हैदराबाद

हैदराबाद के संध्या थिएटर भगदड़ मामले को लेकर तेलंगाना हाई कोर्ट ने 'पुष्पा' स्टार अल्लू अर्जुन को शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी। इससे पहले आज सुबह ही उन्हें गिरफ्तार किया गया था और एक स्थानीय अदालत ने अभिनेता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। हैदराबाद के संध्या थिएटर में 'पुष्पा-2' की स्क्रीनिंग के दौरान हुई भगदड़ में एक 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई थी। इस मामले में सुबह अभिनेता को गिरफ्तार कर पुलिस ने एक स्थानीय अदालत में पेश किया था। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। उन्हें चंचलगुडा जेल ले जाया गया था। लेकिन, कुछ ही देर बाद तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। इस खबर से अल्लू अर्जुन के प्रशंसकों ने राहत की सांस ली और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी खुशी जाहिर की। 'पुष्पा-2' की जबरदस्त सफलता का लुत्फ उठा रहे सुपरस्टार को सुबह गिरफ्तारी के बाद नामपल्ली क्रिमिनल कोर्ट परिसर में नवें एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया था। अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था।

ज्ञात हो कि 'पुष्पा-2' गत 5 दिसंबर को रिलीज हुई थी। इससे ठीक एक दिन पहले 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई थी। अभिनेता पर आरोप है कि बिना कोई जानकारी दिए वह सिनेमाघर पहुंच गए थे। उन्हें देखकर भारी संख्या में पहुंची भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ मच गई थी। भगदड़ में 35 साल की एक महिला की मौत हो गई थी। महिला का बेटा भी गंभीर रूप से घायल हो गया था।

पुलिस ने अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ बीएनएस की धारा 3(5) के साथ 105 (गैर इरादतन हत्या), 118(1) (जानबूझकर चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया है। अभिनेता को धारा 105 के तहत तीन साल और 118 के तहत 10 साल तक के कैद की सजा हो सकती है। इस शिकायत को रद्द कराने के इरादे से अल्लू अर्जुन हाई कोर्ट पहुंचे थे। गत 11 दिसंबर को उन्होंने चिक्कड़पल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर खारिज करने की याचिका दायर की थी, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली इस मामले को लेकर अल्लू अर्जुन का बयान भी सामने आया था। उन्होंने कहा था कि महिला की मौत दुखद है।

इंडिया

बहुमूल्य जीवन के लिए ऑर्गेनिक खेती ही है विकल्प

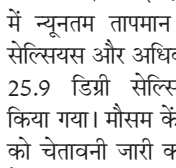

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

खेती में बढ़ती लागत और घटते मुनाफे से परेशान किसानों की कमर घटिया बीज और कीट पतंगे तोड़ देते हैं जिस कारण झारखंड में भी कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग बढ़ा है । एक बार रांची में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक ने कहा था कि झारखंड सहित अनेक राज्यों में विशेष रूप से हरी सब्जियों में खतरनाक स्तर तक रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग हो रहा है जो चिंता जनक है । खेतों में बेरोकटोक कीटनाशकों के प्रयोग का दुष्परिणाम पंजाब का कैंसर एक्सप्रेस ट्रेन है । विदेशों में तेजी से लोकप्रिय हुए ओर्गेनिक फ़ार्मिंग की तरह देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे समाचार आ रहे हैं कि अनेक किसान बिना रासायनिक दवाओं या खादों का उपयोग किए प्राकृतिक खेती को अपनाकर पहले जितना ही उत्पादन कर रहे हैं या कहीं कहीं इसे बढ़ा भी रहे हैं। अच्छा यह है कि उनका उत्पादन स्वास्थ्य की दृष्टि से कहीं अधिक बेहतर है और समुचित प्रयास करने पर इसके लिए सामान्य से अधिक कीमत भी मिल रही है। स्वास्थ्य के प्रति सजग और व्यय क्षमता वाले अनेक परिवारों में स्वास्थ्य के अनुकूल खाद्यों के लिए रुझान भी बढ़ रहा है और वे इसके लिए एक सीमा तक बेहतर कीमत भी देने के लिए तैयार हैं।बड़े शहरों के कुछ मेलों और फूड फेस्टिवल में दोगुनी से भी अधिक कीमत पर ऑर्गेनिक उत्पाद आसानी से बिक जाते हैं। यदि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों का संबंध ऐसे उपभोक्ताओं से हो जाए, तो निश्चय ही उनकी आय में अच्छी वृद्धि हो सकती है। विश्व के खाद्य बाजार में भी अपेक्षाकृत धनी देशों में प्राकृतिक खेती के उत्पादों के लिए अधिक मांग है और वहां से इसके लिए अच्छी कीमत प्राप्त हो सकती है। वहां स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम खाद्य की परिभाषा एक ओर तो यह है कि इसमें रासायनिक खाद, कीटनाशक व खरपतवारनाशक आदि का उपयोग न हो, लेकिन साथ में यह भी है कि फसलें जीएम फसलों से मुक्त कृषि व्यवस्था में उगाई जाएं।यदि कोई भी देश इस तरह के खाद्यों के उत्पादन में आगे बढ़ता है, तो भविष्य में निश्चय ही उसके उत्पादों के लिए बेहतर कीमत विश्व स्तर पर मिल सकती है। यह अलग बात है कि अनेक शक्तिशाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां यह नहीं चाहती हैं और उनकी नीतियां व दबाव इससे विपरीत दिशा में हैं जो चाहती हैं कि बीज बाजार पर उनका एकाधिकार रहे । संभवतः यही कारण है कि अनेक विकासशील देशों में प्राकृतिक खेती को उतना महत्व व समर्थन नहीं मिल पा रहा है, जितनी जरूरत है। इसके बावजूद अनेक किसान व विशेषकर महिला किसान इसे अपने स्तर पर अपनाते जा रहे हैं और इससे प्रसन्न व संतुष्ट हैं।देश के अनेक दूर-दूराज के गांवों के अनेक पढे-लिखे युवा इसे बढ़ावा दे रहे हैं इसमें झारखंड थोड़ा पीछे है जबकि व्यक्तिगत स्तर पर खेती करने वाले बहुत हैं और उन्हें इस उपलब्धि से बहुत संतुष्टि है कि उनके परिवार का स्वास्थ्य सुधर गया है व जो खर्च इलाज और दवा पर होता था, वह तो कम हो ही गया है। महंगे रासायनिक दवाओं के बजाय पारंपरिक या नीम आधारित खेती भी पहले से बहुत सस्ती हो गई है। उन्होंने कहा कि जब खर्च कम हो जाए, स्वास्थ्य अच्छा हो जाए, तो यह भी तो प्रगति ही है और बहुत टिकाऊ प्रगति है।अनेक वैज्ञानिक अपनी ओर से इस सरल तर्क में यह जोड़ते हैं कि जो प्राकृतिक खेती विशेष तौर पर भारत के अनेक किसान अपना रहे हैं, वह जलवायु बदलाव के समय में विशेष तौर पर उपयुक्त है। जलवायु बदलाव का सामना करने के प्रायः दो पक्ष बताए जाते हैं, ग्रीनहाउस गैसों को कम करना व जलवायु बदलाव को सहने की क्षमता में वृद्धि करना। प्राकृतिक खेती में अधिक पेड़ों की उपस्थिति के माध्यम से और मिट्टी-संरक्षण कर उसकी कार्बन सोखने की क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। रासायनिक खाद, कीटनाशक, खरपतवारनाशक आदि कम होने से जीवाश्म ईंधन का दबाव कम होता है। खेती सस्ती होने और नकदी खर्च कम होने से जलवायु बदलाव के मौसमी उतार-चढ़ाव सहने की क्षमता बढ़ती है। अतः जलवायु बदलाव कम करने व अनुकूलन के लिए देश और वैश्विक स्तर पर जो बजट उपलब्ध है, वह यदि प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों की सहायता के रूप में व्यय किया जाए, तो उन्हें बहुत मदद मिलेगी।प्राकृतिक खेती के प्रसार से गोवंश रक्षा की संभावनाएं और बढ़ जाती हैं, विशेषकर गोबर और गोमूत्र के बेहतर तथा वैज्ञानिक आधार के उपयोग की संभावनाएं भी बहुत बढ़ जाती हैं। अतः गोशालाओं को अधिक सफलतापूर्वक चलाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि उनके संचालन में कोई भ्रष्टाचार न हो। साथ में यह भी जरूरी है कि सरकार उस तकनीक पर रोक लगाए, जिसके अंतर्गत केवल बछिया का जन्म होता है और बछड़े के जन्म की संभावना न्यूनतम हो जाती है।झारखंड का सदान और जनजातीय समुदाय उपेक्षा के कारण अनेक पारंपरिक खेती से विमुख हो गया है जिन्हें संरक्षण की आवश्यकता है।

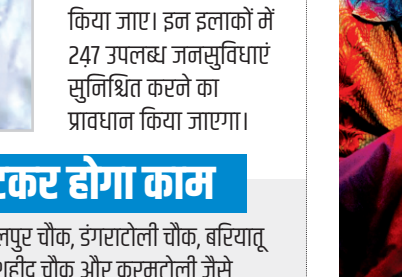

चंद्र प्रकाश ने लोस में पूछा सवाल

कुड़मी को एसटी की सूची में क्यों नहीं किया गया शामिल

- छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट 1908 में कुड़मी को बताया गया है आदिवासी रैयत

नवीन मेल डेस्क

रांची/नई दिल्ली। गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने

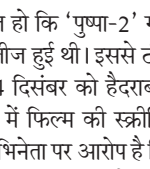

नियम 377 के तहत शुक्रवार को लोकसभा में केंद्रीय जनजातीय मंत्री जुएल ओराम से यह जानना चाहाकि किन कारणों से कुड़मी समुदाय को 1931 के ट्राइब्स में शामिल होने के बावजूद 1950 में शेड्यूल ट्राइब्स नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि अखंड भारत में हुई पहली जनगणना में ही कुड़मियों/कुरमी को झाड़ी ट्राइब्स और वुड ट्राइब्स के रूप में चिह्नित किया गया था। उन्होंने कहा कि इस जनगणना के बाद ही वृहद छोटानागपुर शेड्यूल डिस्ट्रिक्ट घोषित कर शेड्यूल डिस्ट्रिक्ट एक्ट 1874 पारित किया गया था, जो 25 नवंबर 1949 तक लागू था। इस वृहद छोटानागपुर में कुड़मी जनजाति की आबादी सभी जनजाति से अधिक थी। बिहार और उड़ीसा (अब ओडिशा) प्रांत बनने के पूर्व ही छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट 1908 पारित किया गया, जिसमें कुड़मी को आदिवासी रैयत कहा गया था। वर्ष 1911 की जनगणना में कुड़मी को आदिवासी लिखा गया और वर्ष 1913 में कुड़मी आदिवासी रैयत होने के कारण अन्य 12 जनजाति के साथ इन्हें भी भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1965 से अलग रखा गया। क्योंकि, सभी जनजाति का अपना-अपना कस्टम है और उसी से ये लोग गाइड होते हैं। ट्राइब्स लोगों का वही एकमात्र पहला और अंतिम कस्टम नोटिफिकेशन है।

एक नजर

यूनियन के चुनाव में ईसीआरइयू को शीर्ष स्थान

मोहम्मदगंज। पूर्व मध्य रेल में यूनियन की मान्यता को लेकर हुए चुनाव के बाद गुरुवार को हुई मतगणना में ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन सर्वाधिक 21265 वोट पाकर मान्यता प्राप्त यूनियन के शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। दूसरे स्थान पर ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस रही। जिसने 20549 वोट हासिल किया है। तीसरे स्थान पर ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन रही। जिसे 17630 वोट मिला। इस संबंध में हाजीपुर जोन के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी दी है। बता दें कि इस चुनाव में गढ़वा रोड-डेहरी ऑन-सोन के रेल कर्मियों ने भी मतदान में हिस्सा लिया था।

पंचायत समिति की बैठक 16 को

मोहम्मदगंज। प्रखंड सभागार में आगामी 16 दिसंबर को पंचायत समिति की बैठक आहूत की गई है। इससे संबंधित पत्र प्रखंड विकास पदाधिकारी रणवीर कुमार ने जारी कर दिया है। इसमें उन्होंने बताया है कि पंचायत समिति अध्यक्ष सह प्रमुख के आदेशानुसार चल रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षात्मक यह बैठक पूर्वाह्न 11.30 बजे से होगी। उन्होंने इसमें सांसद, विधायक प्रतिनिधियों और उपप्रमुख सहित सभी विभागीय अधिकारियों और समिति के सदस्यों से ससमय भाग लेने का आग्रह किया है।

दिन भर साफ मौसम और खिली धूप में भी ठंड का एहसास

सर्द हवाओं का बढ़ा प्रभाव

चौक-चौराहों पर अलाव की व्यस्था हो : महेंद्र

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में बदलाव के संकेत के बाद भी बीते दिनों बारिश हल्की हुई। इसके बावजूद हाल के दिनों में मौसम के साफ रहने के और खिली धूप में भी सर्द हवाओं से ठंड का प्रभाव दिन भर महसूस किया जाने लगा है। जबकि रात में कनकनी कुछ ज्यादा प्रभावित कर रही है। ऐसे में बुढे, बच्चे और मवेशियों को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत बताई जाती है। देर सुबह तक वातावरण कोहरे की झिनीं चादर में रोज ही लिपटी नजर आती है। इसका इफेक्ट भौंराहा पर्वत पर कुछ ज्यादा ही गहरा नजर आती है। वैसे, भी भौंराहा पर्वत पर बरसात में बादलों और जाड़े के मौसम में कोहरे का घिरना ज्यादा बारिश और ठंड बढने का संकेत माना जाता है। लोगों की मानें, तो इसी वजह से खिली धूप में भी दक्षिणी दिशा से चल रही सर्द हवाओं से कनकनी सताने लगी है। किसानों का कहना है कि अच्छी बारिश होती, तो गेहूं की फसल को पहली पटवन की जरूरत नहीं पड़ती। ऐसा तो नहीं हुआ। मगर दक्षिणी दिशा की हवा के लगातार बहने से तापमान में गिरावट आई है। इससे ठंड भी बढ़ा है। आगे भी इसके बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए चौक-चौराहों पर अलाव की व्यस्था जरूरी महसूस होने लगी है। सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह ने ठंड के बढते प्रभाव को देखते हुए शहरी के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी चौक-चौराहों पर अलाव की व्यस्था करने के प्रति अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी रणवीर कुमार का ध्यान आकृष्ट किया है।

अलावा की व्यवस्था नहीं राहगीरों को हो रही दिक्कत

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। कड़ाके की ठंड तीन-चार दिनों से काफी बढ़ गई है, जिससे रात का पारा काफी नीचे गिर गया है। साथ ही दिन में भी शीतलहरी चलने लगी है, लेकिन अभी तक प्रशासन द्वारा इस कड़ाके की ठंड में किसी भी चौक-चौराहे पर अलाव की व्यवस्था नहीं किया गया है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, थाना चौक, हॉस्पीटल आदि स्थानों पर रात में लोग ठंड से ठिठुर रहे हैं। कड़ाके की ठंड में अलाव की व्यवस्था नहीं होने से रात में आने-जाने वाले राहगीर भी ठंड से परेशान है। अस्पताल में आने वाले मरीज भी ठंड से परेशान हैं। कई जगहों पर लोगों ने कूड़ा करकट जलाकर ठंड को बचने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि प्रतिदिन पारा गिरने से ठंड बढ़ते जा रही है। प्रशासन व सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा अलाव की व्यवस्था अभी तक कहीं नहीं किया गया है।

सांई वॉटसन ने गुरुकुल को 117 रन से हराया

गिद्धौर(चतरा)। प्रखंड मुख्यालय के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे लीग मैच में शुक्रवार को सांई वॉटसन बनाम गुरुकुल के बीच मैच खेला गया। सांई वॉटसन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवर में सात विकेट खो कर 236 रन बनाया। दीपक कुमार ने 92 रन व रोहित ने 42 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। जवाबी पारी खेलने उतरी गुरुकुल की टीम ने 27 ओवर में सभी विकेट खोकर मात्र 119 रन ही बना पाया। गुरुकुल की ओर से अंकित कुमार 18 व अमीश ने 25 रन का योगदान दिया। इस तरह से सांई वॉटसन ने गुरुकुल को 117 रन से हरा दिया। मैच का मैन ऑफ द मैच दीपक को दिया गया। अम्पायरिंग रिशु कुमार व सोनू सिंह तथा स्कोरर की भूमिका मनोज कुमार ने निभाया। मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष सरोज सिन्हा, सदस्य मिथिलेश कुमार राय, जिला क्रिकेट लीग अध्यक्ष प्रेम कुमार राणा, हरिओम केसरी, संतोष कुमार निराला सहित अन्य शामिल थे।

दो नाबालिक तीन दिनों से लापता

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। रेहला थाना क्षेत्र के मुरमा कला गांव के दो नाबालिक पिछले तीन दिनों से लापता हैं। परिजनों ने अपने स्तर से काफी खोजबीन की, लेकिन दोनों का कोई पता नहीं चला। परिजनों ने शुक्रवार को रेहला थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज करायी है। मिली जानकारी के अनुसार मुरमा कला गांव निवासी अजय राम का पुत्र रजनीकांत कुमार (12) व धर्मेंद्र राम का पुत्र नीरज कुमार (15) 11 दिसंबर से ही गायब हैं। परिजनों ने हर संभावित जगह उसका तलाश की, लेकिन कहीं भी कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद दोनों लोगो ने अपने-अपने बेटों की गुमसुदगी का मामला रेहला थाना में दर्ज करायी।अजय राम व धर्मेंद्र राम ने बताया कि 11 दिसंबर की सुबह नौ बजे दोनों बच्चे घर से बाहर निकले थे। इसके बाद से दोनों वापस घर नहीं आए। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

बंशी बिगहा रोड पर बह रहे नाली के कारण आवागमन में परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। क्षेत्र के नागरिकों ने शुक्रवार को हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर हुसैनाबाद के संपूर्ण बंशी बिगहा (जपला-पथरा रोड) में जैसे आदर्श हॉस्पिटल एवं नवजीवन हॉस्पिटल के साथ-साथ अन्य घरों का दोनों ओर सड़क के उपर मिट्टी भरकर नाली बहाया जा रहा है, जिससे आम लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने आवेदन में कहा है कि सड़क की चौड़ाई अतिक्रमण के कारण दिन पर दिन सड़क संकीर्ण हो रही है। आवेदन में कहा गया है कि जपला पथरा सड़क हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के पिपरा व हरिहरगंज को जोड़ती है। लोकहित में यह सड़क काफी महत्वपूर्ण है, जो तीन प्रखंडों की घनी आबादी को लाभान्वित करती है। किन्तु इस सड़क के किनारे जानवर बांधना, नाली बहाना, ओटा बनाना एवं अन्य व्यवधान डालना आम हो गया है। स्थल निरीक्षण से स्पष्ट हो जाएगा। यह क्षेत्र नगर पंचायत अन्तर्गत है। मकान मालिकों के द्वारा नंगर पंचायत के गाइडलाइन के अनुसार ही मकान निर्माण किया होगा। साथ ही, सरकार द्वारा निर्धारित होल्डिंग टैक्स भी नियमित रूप से जमा किया जा रहा होगा। एक तरफ सरकार स्वच्छता जागरूकता अभियान रथ हमेशा चलाया जाता है, दूसरे तरफ खुलेआम गंदगी फैलाये जाने की गवाही नगर पंचायत हुसैनाबाद दे रहा है। आवेदन में कहा गया हैं कि यदि नगर पंचायत नाली नहीं बनवा सकती है, तो कम से कम मकान मालिकों को नोटिस भेज कर सोख्ता तो बनवा दिया जाये, जिससे आवागमन स्वच्छता पूर्वक किया जा सकें। ध्यान देने योग्य बात यह है कि इस संबंध में कई बार नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी, हुसैनाबाद को भी आवेदन समर्पित किया गया था, मगर कोई कार्रवाई नहीं की गई।नागरिकों ने कहा है कि पूरे बंशी बिगहा में सड़क के किनारे नाद, दोनों ओर से भरे गये मिट्टी हटाने एवं नाली संबंधी समस्या का निराकरण करते हुए अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है।

पलामू पुलिस की जनहित में जारी की चार अनूठी पहल

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। संपूर्ण हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के नागरिकों के शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निवारण के लिए लिए पलामू पुलिस ने चार अनूठी पहल जारी की है। हैदरनगर के थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया कि झारखंड पुलिस के वरीय अधिकारियों के दिशा निर्देश पर 18 दिसंबर को दिन के 11 बजे से जन शिकायत व निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें अनुमंडल के सभी थाना और ओपी क्षेत्र के लोगों की समस्या सुनी जायेगी। पुलिस की अनुठी पहल के तहत जन शिकायत और समाधान कार्यक्रम के संबंध में जागरुकता अभियान का आयोजन किया जायेगा। हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के नागरिकों के लिए हुसैनाबाद थाना परिसर में 18 दिसंबर को आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों को इसके अलावे फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सएप नंबर, एक्स पोस्ट और ईमेल पर भी जान शिकायत करने की जानकारी दी जायेगी। उन्होंने इस कार्यक्रम अधिक से अधिक पीड़ित, शोषितों को भाग लेकर शिकायत को खुलकर रखने और तत्काल समाधान कराने की दिशा में प्रयास करने की अपील की है।

अभाविप ने डीईओ को सौंपा चार सूत्री मांग पत्र

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को चार सूत्री मांग पत्र सौंपकर विद्यालयों में परीक्षा शुल्क से अधिक वसूली और शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया। मांग पत्र में अभाविप ने झारखंड अधिविद्य परिषद द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूलने वाले विद्यालयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही, यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि परीक्षा फॉर्म भरने के बाद विद्यार्थियों को रसीद देना अनिवार्य हो। कांडी प्लस टू उच्च विद्यालय में गणित, इतिहास और हिंदी जैसे विषयों के शिक्षकों की नियुक्ति और जिले के अन्य विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने की मांग की गई। विभाग सह संयोजक शशांक ने कहा कि विद्यालयों द्वारा परीक्षा फॉर्म शुल्क से ज्यादा राशि वसूलना अनुचित है। उन्होंने दोषी विद्यालयों के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। जिला संयोजक शुभम तिवारी ने कहा कि जिले के विद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी है, जिसे तत्काल दूर करना आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि परीक्षा फॉर्म भरने में हो रही अवैध वसूली पर कार्रवाई नहीं हुई, तो अभाविप आंदोलन करने को मजबूर होगी। मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजा यादव, प्रिंस सिंह, सचिन चौबे, सुगंध बघेल और कमलेश कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अयोग्य लाभर्थियों को 20 तक करना होगा राशन कार्ड सरेंडर

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी पलामू के जारी आदेश के आलोक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अयोग्य आच्छादित लाभुकों को स्वतः अपने राशन कार्ड सरेंडर करने का आदेश प्रखंड कार्यालय हैदरनगर से पत्र जारी किया गया है। बीडीओ विश्व प्रताप मालवा ने कहा है कि कई कार्डधारी राशन कार्ड निर्गत कराने के बावजूद कई माह से राशन का उठाव नहीं कर सके हैं। उक्त शिकायत आहार पोर्टल पर राशन का उठाव कम होने से संबधित प्रदर्शित भी हो रहा है। आयुष्मान कार्ड निर्गत कराने से लेकर अन्य लाभ लेने मात्र के लिये ही उन्होंने राशन कार्ड जारी कराया है। साथ ही छूटे पारिवारिक सदस्यों के नाम भी जोड़वाने का काम भी उन्होंने किया। उन्होंने अयोग्य व राशन का लाभ नहीं उठाने वाले कार्डधारी से 20 दिसंबर तक हर हाल में निकटतम जिला आपूर्ति पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के कार्यालय में अनिवार्य रुप में जमा करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि उक्त अवधि तक राशन कार्ड सरेंडर नहीं करने वाले अयोग्य लाभुकों पर जांचोपरांत झारखंड लक्षित जन वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2024 के कंडिका 7 के तहत लाभार्थियों द्वारा घोखाधड़ी किये जाने की स्थिति में दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। इस आदेश की प्रति सभी पंचायत सचिव को देते हुए पंचायत सचिवालयों, सार्वजनिक स्थलों व भीड़भाड़ वाले चौक - चौराहों पर सूचना चस्पा करने को कहा गया है।

एमओ ने डीलर संग की बैठक, दिए निर्देश

हुसैनाबाद। प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को एमओ ने जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मनोज कुमार ने जविप्र दुकानदारों को सरकार द्वारा जारी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग के आदेश के तहत 20 दिसंबर तक अयोग्य कार्ड सरेंडर करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि यदि अयोग्य लाभुक स्वतः 20 दिसंबर तक अपना राशन कार्ड सरेंडर नही करते है तो विभागीय निर्देशानुसार उनके विरुद्ध जनवितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश के तहत कानूनी कारवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी जविप्र दुकानदार निगरानी सतर्कता समिति के सहयोग से वैसे अपात्र लाभुक जो अपना राशन कार्ड स्वतः सरेंडर नही करते है तो उनकी सूची तैयार कर 25 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से प्रखंड आपूर्ति कार्यालय में जमा करें।प्रभारी एमओ ने सभी डीलर को ससमय लाभुक को राशन वितरण करने का भी निर्देश दिया।मौके पर डीलर जमील अहमद, प्रवीण कुमार,बिजय मेहता, मिथिलेश राम,बिमलेश कश्यप,अजित कुमार,गणेश राम,बृजनंदन पासवान, अजित चौधरी ,सूर्यनाथ राम समेत कई डीलर मौजूद थे।

लापरवाही | वनों की रखवाली का बड़ा जिम्मा, कार्यालय व आवासीय परिसर बाउंड्री विहीन

20 वर्षों से प्रभार में रेंजर का पद

11 स्वीकृत पद के विरूद्ध मात्र 4 ही वनरक्षक

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। अविभाजित बिहार में वनों के क्षेत्र का गठन के प्रारंभिक काल में यहां स्थापित इसका कार्यालय और आवासीय परिसर आज तक बाउंड्री विहीन बना हुआ है, जबकि बिहार से लेकर अब गढ़वा जिला और पलामू जिले के छतरपुर व विश्रामपुर प्रखंडों की सीमाओं के बीच के बड़े वन व निजी क्षेत्र के पेड़-पौधों की रखवाली को नियंत्रित करने व विभागीय कार्यों का जिम्मा इसी वनों के क्षेत्र कार्यालय में पदस्थापित रेंजर, वनपाल और वनरक्षक को है। आश्चर्यजनक बात तो यह है कि रेंजर का पद 20 वर्षों से प्रभार में है। फिलहाल गढ़वा जिला कम नगर ऊंटारी रेंज के स्थाई पदभार संभालने के साथ ही इसी जिले के भवनाथपुर और पलामू जिले में स्थानीय के साथ ही छतरपुर रेंज का भी प्रभार इन्हीं के जिम्मे है। वनरक्षकों के 11 स्वीकृत पदों के विरूद्ध मात्र 4 ही पदस्थापित हैं। इन्हीं में से एक को वनपाल का भी प्रभारी बना दिया गया है। जहां तक कार्यालय और आवासीय परिसर की स्थिति की बात है, तो पुराने भवनों की हालत तो जर्जर हो गई है। मगर जो नए बने हैं, उनके साथ ही वन विभाग का बड़ा भूभाग पूरी तरह से खुला हुआ है। जिसमें काफी नए व पुराने दर्जनों इमारती लकड़ियों के वृक्ष पूरी तरह से असुरक्षित हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि ऐसा लगता मानों यहां से वनों की रखवाली और विभागीय कार्यों की महज औपचारिकता पूरी की जा रही है। वैसे, आवासीय भवनों की बांस की ठटरी से घेराबंदी कर वनरक्षकों ने लक्ष्मण रेखा बना रखा है। बाकी सब भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है।

पिकअप के धक्के से मजदूर घायल

हरिहरगंज। थाना क्षेत्र अंतर्गत अररूआ खुर्द मिडिल स्कूल स्थित मैदान में पिकअप के धक्के से एक मजदूर घायल हो गया। घटना गुरुवार देर रात की बताई जाती है। घायल की पहचान हरिहरगंज से सटे बिहार के महाराजगंज निवासी 61 वर्षीय नरेश पासवान के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल नरेश पासवान लघुशंका कर रहे थे। तभी पिकअप वाहन के चपेट में आ गए, जिससे उनका पैर बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए उन्हें सीएचसी पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए औरंगाबाद रेफर कर दिया। सूचना के बाद थाना के एसआई नंदलाल साहिनी मौके पर सदलबल पहुंच कर घटना का जायजा लिया। इस संबंध में उन्होंने बताया कि मैदान में पिकअप वाहन ड्राइविंग सीखने वाले नौसिखुआ से यह घटना हुई है। पुलिस ने पिकअप को जब्त कर अग्रेत्तर कार्रवाई कर रही है।

भजनिया पैक्स में धान खरीदी कराने के लिए बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड क्षेत्र के किसानों ने भाजपा किसान मोर्चा के नेता रुपेश कुमार सिंह के नेतृत्व में धान खरीदी भजनियां पैक्स में कराने की मांग को लेकर शुक्रवार को ज्ञापन सौंपा है। किसान नेता ने बताया कि बीडीओ सह अंचलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उनकी अनुपस्थिति में कार्यालय सहायक प्रणय कुमार को सौंपा गया है। इसमें कहा गया है कि प्रखंड मुख्यालय के पैक्स को गोदाम की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जबकि भजनियां पैक्स का गोदाम है। पहले भी वहां धान खरीदी होती रही है। खरीदी में देरी की वजह से किसान खुले बाजार में औने-पौने मूल्य पर धान बेचने को मजबूर हैं। इसे देखते हुए यथाशीघ्र किसानों का पंजीकरण करते हुए उनके धान क्रय करने की व्यस्था सुविधाजनक भजनियां पैक्स में घोषित 15 दिसंबर से शुरू किया जाए। ज्ञापन सौंपने में इनके अलावा साधुचरण सिंह, शिवनारायण मेहता, फिरोज और अन्य कई किसान शामिल थे।

महिला लखपति किसान योजना पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

स्थायी आजीविका और वित्तीय समावेशन को लेकर बनी कार्ययोजना

मेदिनीनगर। महिला लखपति किसान योजना से संबंधित बैठक उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित हुई। बैठक में पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से योजना के उद्देश्यों और कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस योजना के तहत जिले के सभी विभागों और जेएसएलपीएस (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी) के साथ मिलकर सर्वेक्षण और कन्वर्जेंस के माध्यम से कार्य किया जाएगा। योजना के सफल संचालन के लिए जिला स्तर पर जेएसएलपीएस को नोडल विभाग नियुक्त किया गया है। इस विभाग को अन्य विभागों के लिए पूर्ण डाटा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। बैठक में एसएचजी (स्वयं सहायता समूह) परिवारों की स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। इसमें संस्थान निर्माण, वित्तीय समावेशन, माइक्रो क्रेडिट योजना, बैंक लिंकेज, महिला उद्यम त्वरण निधि, कृषि और गैर-कृषि आजीविका को प्राथमिकता दी गई। योजना के अंतर्गत मनरेगा के तहत दीदी बाड़ी योजना पर भी बल दिया गया, जिसके तहत लाभुकों को जॉब कार्ड से

संतृप्त कर सौ दिनों का रोजगार प्रदान करने की बात कही गई। इसके अलावा, ग्रामीण उद्यम केंद्रों, एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन), एनजीओ और स्टार्ट-अप्स के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी, पशुपालन पदाधिकारी, उद्यान पदाधिकारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, मत्स्य पदाधिकारी, जेएसएलपीएस के डीपीएम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्र लेखन कौशल को बढ़ावा देने के लिए आयोजित हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शुक्रवार, 13 दिसंबर 2024 को भारतीय डाक विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर की ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय ह्यलेखन का आनंदः डिजिटल युग में पत्र का महत्वह्न था। इसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पलामू प्रमंडल के डाक विभाग के मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव लव प्रताप सिंह ने प्रतियोगिता का परिचय देते हुए बताया कि इस पहल का उद्देश्य

डिजिटल युग में पत्र लेखन की विलुप्त हो रही कला को बढ़ावा देना है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. के. सिंह ने इस अवसर पर कहा कि पत्र लेखन हमारे विचारों और भावनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। यह न केवल व्यक्तिगत और सामाजिक रिश्तों को मजबूत करता है, बल्कि पेशेवर और शैक्षिक जीवन में भी उपयोगी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में यह कौशल विलुप्त होता जा रहा है, और इसे बचाए रखना हम सभी का कर्तव्य है। डाक विभाग की इस सकारात्मक पहल की सराहना करते हुए प्राचार्य ने इसे छात्रों के लिए एक अद्भुत अवसर बताया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्र न केवल अपने लेखन कौशल को सुधार रहे हैं, बल्कि पत्र लेखन की कला को भी पुनर्जीवित कर रहे हैं।

पेड़ गिरने से बिजली का पोल हुआ क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचे लोग

मेदिनीनगर। गायत्री नगर सुदना में एक हादसे के कारण बिजली का पोल टेढ़ा हो गया, जिससे राहगीरों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, गायत्री नगर सुदना में स्थित एक बाउंड्री के भीतर शीशम का पेड़ उसके पड़ोसी द्वारा कटवाया जा रहा था। इस दौरान पेड़ की टहनी बिजली के तारों पर गिर गई, और फिर पेड़ का एक बड़ा हिस्सा बिजली के पोल पर गिरते हुए उसे टेढ़ा कर दिया। इस घटना के समय सड़कों पर राहगीर गुजर रहे थे, और संयोग से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन लोग बड़ी मुश्किल से घटना स्थल से गुजर पाए। घटनास्थल पर बिजली के तार नीचे गिर गए थे, जिससे आसपास के क्षेत्र में बिजली सप्लाई में भी व्यवधान आ गया था। बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पोल को ठीक करने का काम जल्द शुरू किया जाएगा। विभाग ने इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने का आश्वासन दिया और तारों को सुरक्षित किया। इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों ने बिजली विभाग से पेड़ की टहनियों को काटने से पहले उचित सावधानी बरतने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

बेलवाटिका में हुई जलापूर्ति पाइप लीक की मरम्मत

मेदिनीनगर। बेलवाटिका चौक पर हो रही पानी की बबार्दी को देखते हुए शुक्रवार को जलापूर्ति पाइप की मरम्मत की गई। स्टेशन रोड जलमीनार से बेलवाटिका क्षेत्र में जलापूर्ति के दौरान सूरज कम्प्लेक्स के सामने हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा था। नगर निगम ने इस समस्या का संज्ञान लिया और मरम्मत कार्य शुरू किया। ताकि लोगों को असुविधा न हो, यह कार्य सुबह 11 बजे से शुरू किया गया।

पलामू जिले में 67 पंचायतों में लीगल एड क्लिनिक की स्थापना

पीएलवी की नियुक्ति से लोगों को मिलेगा न्याय पाने में सहूलियत

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद के द्वारा शनिवार को राज्य के 1030 पंचायतों में लीगल एड क्लिनिक का ऑनलाइन उद्घाटन किया जाएगा। पलामू जिले के 67 पंचायतों में भी यह क्लिनिक स्थापित होंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने बताया कि लीगल एड क्लिनिक से अब लोगों को न्याय पाने में आसानी होगी। प्रत्येक पंचायत में एक-एक पीएलवी (पारालीगल वालंटियर) की नियुक्ति की गई है, जो गरीब, लाचार, वृद्ध, महिला, दिव्यांग, बच्चों और अन्य जरूरतमंदों को कानूनी मदद प्रदान करेंगे। पीएलवी पंचायत में सप्ताह में दो दिन उपलब्ध रहेंगे और लोगों को सभी प्रकार की कानूनी सहायता देंगे।

22 पारिवारिक विवादों का समाधान मध्यस्थता केंद्र में

स्पेशल ड्राइव में मध्यस्थों की पहल से अधिकतम सुलह

मेदिनीनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा संचालित मध्यस्थता केंद्र में 9 से 13 दिसंबर तक आयोजित स्पेशल ड्राइव में 22 पारिवारिक विवादों का समाधान किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने बताया कि इस दौरान मध्यस्थों ने सराहनीय प्रयासों से 22 मामलों में सुलह कराई, जो अब तक का सबसे अधिक था। इस विशेष ड्राइव के दौरान पारिवारिक विवादों का शीघ्र निस्तारण किया गया, जिससे प्रभावित परिवारों को राहत मिली।

धान अधिप्राप्ति की तैयारियों को लेकर उपायुक्त की समीक्षा बैठक

किसानों को जागरूक करने के साथ निबंधन के लिए विशेष कैंप लगाने के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले में 15 दिसंबर से शुरू होने वाली धान अधिप्राप्ति के लिए उपायुक्त शशि रंजन ने सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के तहत धान की खरीदारी की तैयारी की समीक्षा की। इस बार 41 निबंधित पैक्सों के माध्यम से 2 लाख क्विंटल धान की खरीदारी की जाएगी।

उपायुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सहकारिता पदाधिकारी और अन्य अधिकारियों को आदेश दिया कि धान की

खरीदारी निष्पक्ष और सही तरीके से की जाए, और इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोताही न हो। उन्होंने किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाने की भी आवश्यकता जताई ताकि वे धान की बिक्री के लिए सही प्रक्रिया का पालन कर सकें।

इसके अलावा, उपायुक्त ने 16, 17 और 18 दिसंबर को सभी प्रखंडों में किसानों के निबंधन के लिए विशेष कैंप लगाने का निर्देश दिया। इन कैंपों में किसान सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना निबंधन करा सकेंगे। बैठक में यह भी तय किया गया कि बिचौलियों और फर्जी किसानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मोर्चा की बैठक में स्थापना दिवस मनाने का निर्णय

मेदिनीनगर । झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की पलामू समिति की बैठक की तैयारी को लेकर एक समीक्षा बैठक केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को सम्मानित कर उन्हें ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके साथ ही 3 जनवरी को मोर्चा का स्थापना दिवस मनाने की योजना बनाई गई। स्थापना दिवस की तैयारी के लिए एक और बैठक 18 दिसंबर को सूर्यांश होटल, स्टेशन रोड, मेदिनीनगर में दोपहर 12 बजे आयोजित की जाएगी। बैठक में मोर्चा के विभिन्न सदस्य जैसे सतीश कुमार, बिकेश शुक्ला, प्रमोद सोनी, प्रदीप सिन्हा, तुलसी शुक्ला, दिनानाथ टोप्पो, जयपाल सिंह, गणेश रवि, विकास चंद्रवंशी और धर्मेंद्र कुमार सहित दर्जनों आंदोलनकारी उपस्थित थे।

श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन श्री कृष्ण और रुक्मिणी के विवाह की दिव्य झांकी का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के रेडमा स्थित ठाकुरबाड़ी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन कथा व्यास, वृंदावन से पधारी स्तुति दीदी जी ने श्री कृष्ण और रुकमणी के विवाह की दिव्य झांकी प्रस्तुत की और श्रद्धालुओं को भगवान श्री कृष्ण की रास लीला का रसपान कराया। इस दौरान कई सुंदर झांकियां भी प्रदर्शित की गईं।

कथा की शुरूआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद कथा वाचक ने भगवान श्री कृष्ण की दिव्य रास लीला का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण की महारास लीला इतनी दिव्य है कि स्वयं भोलेनाथ उनके बाल रूप के दर्शन के लिए गोकुल पहुंचे थे। मथुरा जाने के दौरान भगवान श्री कृष्ण और गोपियों के बीच संवाद को भी जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया। जब भगवान श्री कृष्ण मथुरा जाने लगे, तो समस्त ब्रज की गोपियां भगवान के रथ के आगे खड़ी हो गईं और उनसे प्रेम का सवाल किया। साथ ही, श्री कृष्ण और रुकमणी के विवाह उत्सव पर भी एक सुंदर झांकी प्रस्तुत की गई। कथा के दौरान कमिटी के अध्यक्ष अजय तिवारी उर्फ प्रधान जी ने इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से हमारी धरती धन्य होती है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी संस्कृति से जुड़ें और अध्यात्म से दूर न हों। उन्होंने यह भी कहा कि सतयुग में भगवान के दर्शन के लिए लंबा तप करना पड़ता था, लेकिन कलयुग में नाम जप से ही भगवान मिल जाते हैं।

पलामू में बढ़ी कड़ाके की ठंड, अलाव की व्यवस्था की मांग

मेदिनीनगर में तापमान 8 डिग्री से नीचे

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिले में हाड़ कंपाने वाली ठंड का असर दिखने लगा है। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर सहित पूरे जिले में ठंड की शुरूआत हो चुकी है। सुबह 8 बजे तक सड़कों पर बमुश्किल से आवागमन हो पाता है। ठंड के कारण बाइक चालक भी सुबह के समय निकलने में हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं। दो दिनों में तापमान में अचानक भारी गिरावट आई है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, वहीं न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस रहा। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

शाम होते ही सड़कों पर पसर जाता है सन्नाटा

दिसंबर के दूसरे सप्ताह में जिले में सबसे तेज ठंड पड़ने की उम्मीद रहती है। इस समय शहर में सुबह का समय कोहरे से ढका रहता है, और लोग ठंड के कारण केवल जरूरी कामों के लिए ही घरों से बाहर निकलते हैं। पाला पड़ने के कारण शाम होते ही सड़कों

पर सन्नाटा पसरा रहता है।

ठंड से बचने के लिए लोग ले रहे अलाव का सहारा

ठंड के बढ़ने पर नगर निगम द्वारा पूर्व में अलाव की व्यवस्था की जाती थी, लेकिन अब तक रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कोई व्यवस्था नहीं की गई है। इस कारण शाम और रात के समय राहगीरों और यात्रियों को ठंड का सामना करना पड़ रहा है। मौसम में बदलाव के बाद कड़ाके की ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है, और लोग रात तथा सुबह शाम के समय गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। सुबह के समय धूप से राहत मिल जाती है, लेकिन शाम होते ही ठंड बढ़ने लगती है।

संत मरियम स्कूल ने बस चालकों और सह चालकों को बांटे कंबल

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

संत मरियम स्कूल प्रबंधन अपने संस्थान में कार्यरत सदस्यों की सुरक्षा को लेकर सदैव प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में स्कूल बस के सभी चालकों और सह चालकों के बीच कंबल का वितरण किया गया। मौके पर संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि संस्थान में काम करने वाले सभी सदस्य हमारे परिवार के अभिन्न सदस्य हैं। उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। हम चाहते हैं कि ठिठुरती ठंड में भी विद्यालय के सभी सदस्य आराम से जीवन यापन कर सकें और उन्हें ठंड की विभीषिका में भी गर्मी का अहसास हो, ताकि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन बेहतर रूप से कर सकें। उनका मानना है कि वे स्वस्थ रहकर ही बच्चों को अच्छे से स्कूल और स्कूल से घर पहुंचा पाएंगे।

पीएम श्री मध्य विद्यालय में सुविधाओं की कमी, शिक्षा में सुधार की राह लंबी

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइज़िंग इंडिया (पीएम श्री) योजना के तहत देशभर के स्कूलों में शिक्षा सुधार के उद्देश्य से कई बदलाव किए जा रहे हैं, लेकिन मेदिनीनगर के कुम्हार टोली स्थित पीएम श्री मध्य विद्यालय में इन बदलावों की तस्वीर अभी तक पूरी तरह से नहीं उभर पाई है। इस विद्यालय का स्थापना 1940 में हुई थी, लेकिन आजादी के बाद भी यहां शिक्षा के स्तर में कोई विशेष सुधार नहीं हो पाया है। विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक 175 छात्रों का नामांकन है, लेकिन यहां की बुनियादी सुविधाएं बेहद सीमित हैं। वर्तमान में केवल 6 शिक्षक हैं और 6 कक्षाएं हैं, जिसके कारण कक्षा तीसरी और चौथी के छात्रों को एक साथ बैठाया जाता है, वहीं कक्षा छठी और सातवीं के छात्र भी एक ही कक्षा में होते हैं।

विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्याम देव महतो ने बताया कि पीएम श्री योजना के तहत स्कूल के लिए कोई नियमित फंड नहीं आया है। उन्होंने यह भी बताया कि कंप्यूटर लैब के लिए केवल वायरिंग की गई है, लेकिन लैब अभी तक स्थापित नहीं हो पाई है। स्मार्ट क्लास के निर्माण पर भी उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया अभी चल रही है। स्कूल में खेल सुविधाओं का अभाव है, हालांकि बच्चों को बैडमिंटन और वॉलीबॉल जैसे खेल खिलाए जाते हैं, लेकिन विद्यालय में इन खेलों के लिए कोई निर्धारित कोर्ट या नेट नहीं है।

पलामू में बढ़ी ठंड, मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में मरीजों को बरामदे में ठंडी हवाओं का करना पड़ रहा है सामना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में ठंड का असर बढ़ने के साथ कनकनी और ठंडी हवाएं भी चलने लगी हैं। जिले का तापमान दिन-ब-दिन गिरता जा रहा है, और रात्रि में तापमान 6 से 7 डिग्री तक पहुँच गया है। इस ठंडी के बीच, मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के कुछ मरीज बरामदों में ठंड हवा के बीच रहने को मजबूर हैं, जबकि अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

मरीजों का कहना है कि रात के समय ठंड और हवा बढ़ने के कारण खुले स्थान में उनकी हालत

और खराब हो जाती है। वे यह भी बताते हैं कि 3 से 4 कंबल लेकर भी सोने में कठिनाई होती है, लेकिन फिर भी उन्हें अस्पताल के रूम में शिफ्ट नहीं किया जा रहा है। बरामदों में हवा और ठंड का प्रभाव सीधे शरीर पर पड़ता है, जिससे दर्द और तकलीफ बढ़ जाती है। मरीजों का आरोप है कि खिड़कियों में जाली लगी होने के कारण उन्हें बंद नहीं किया जा सकता, जिससे ठंडी हवा सीधे अंदर आती है और स्थिति और बदतर हो जाती है। कई मरीजों को बरामदों में कई दिन से भर्ती किया गया है, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने अब तक इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकाला है।

पूर्व सैनिक ब्रजेश शुक्ला ने तनीषा सिंह राजपूत के चयन पर दी बधाई

मेदिनीनगर। पलामू की होनहार बेटी तनीषा सिंह राजपूत का 44 बटालियन एनसीसी झारखंड के तहत दिल्ली में 26 जनवरी को आयोजित होने वाली प्रधानमंत्री रैली के लिए चयन हुआ है। इस पर जिले के पूर्व सैनिक ब्रजेश शुक्ला ने तनीषा को बधाई दी और उनके इस अद्वितीय सफलता की सराहना की। ब्रजेश शुक्ला ने कहा कि तनीषा का चयन जिले के लिए गर्व का विषय है और यह उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन का परिणाम है।

वार्ड नंबर आठ में शहरी और ग्रामीण परिवेश का संगम

संकीर्ण गलियां, सड़कें और बुनियादी सुविधाओं का अभाव, नगर निगम से अपेक्षाएं बढ़ीं

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

नगर निगम के वार्ड नंबर आठ में शहर के दो रंग साफ नजर आते हैं। बायपास रोड के एक किनारे पर बायपास रोड के दाहिने हिस्से में आज भी गांव जैसा परिवेश है, जबकि बाएं हिस्से में शहरी विकास की छाप स्पष्ट दिखाई देती है। यह हिस्सा पहले सुदना पूर्वी पंचायत का अंग था और 2017 के परिसीमन में नगर निगम में शामिल किया गया।

इस वार्ड की सबसे बड़ी समस्या संकीर्ण गलियां और टूटी-फूटी सड़कें हैं। उत्तर में एनएच-75 बैरिया से पीसीसी पथ होते हुए नहर तक, दक्षिण में एफसीआई चौक से बांध होते हुए नहर से जनकपुरी तक, पूर्व में नहर और पश्चिम में गायत्री मंदिर रोड से एनएच-75 के राजेंद्र नगर मोड़ तक यह क्षेत्र फैला हुआ है। वार्ड में रहने वाले

अधिकांश लोग विभिन्न क्षेत्रों से आकर बसे हैं। बारालोटा इलाके में सड़क, नाली और बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। हालांकि निगम और पूर्व पार्षद के प्रयासों से यहां के कई जरूरतमंद लोगों को पीएम आवास का लाभ मिला है, लेकिन कई गलियों में बिजली के खंभे तक नहीं हैं, जिसके कारण लोग दूसरी गली से तार जोड़कर बिजली का इंतजाम करते हैं। स्थानीय लोग यह भी आरोप लगाते हैं कि निगम के सफाई कर्मी शायद ही कभी इस इलाके की सफाई करते हैं।

सूधना क्षेत्र में फेवर ब्लॉक और पीसीसी का निर्माण हुआ है, लेकिन तंग गलियों के कारण स्थानीय लोग भी जिम्मेदार हैं। सड़क पर अतिक्रमण के कारण रास्ते कई जगह संकीर्ण हो गए हैं। पूर्व में लगाए गए स्ट्रीट लाइट्स अब खराब हो चुके हैं।

वार्ड में रहने वाली प्यारी भुइयां ने बताया, हमें पीएम आवास का लाभ मिला है, लेकिन बाकी सुविधाओं की कमी महसूस हो रही है। विनीता देवी ने कहा, हमारे वार्ड में कोई आंगनबाड़ी केंद्र नहीं है। दुकानदार लक्ष्मी साव ने बताया, हमारे वार्ड में लगे स्ट्रीट लाइट्स लंबे समय से खराब हैं, और निगम को सूचित करने के बावजूद पांच महीने से इन्हें ठीक नहीं किया गया। वार्ड के निवासी खुखुन तिवारी ने नगर निगम की आलोचना करते हुए कहा, नगर निगम सिर्फ होल्डिंग टैक्स के नोटिस भेजने में लगी रहती है, जबकि उसे वार्ड में सुविधाओं के सुधार पर ध्यान देना चाहिए।

ऑटो चालक महासंघ का अनिश्चितकालीन धरना जारी

चक्का जाम की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य ऑटो चालक महासंघ का अनिश्चितकालीन धरना कचहरी परिसर में दूसरे दिन भी जारी रहा। महासंघ के बैनर तले प्रदर्शन कर रहे ऑटो चालक बस स्टैंड को शहर से बाहर भेजने और ऑटो चालकों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर रोक लगाने की मांग पर अड़े हुए हैं। संघ के जिला अध्यक्ष रामा दुबे ने कहा, हम अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना जारी रखेंगे। अगर बस स्टैंड को शहर से बाहर नहीं किया जाता, तो ऑटो परिचालन को रोकने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि शनिवार से मेदिनीनगर समेत पूरे जिले में ऑटो चालक चक्का जाम करेंगे। इस दौरान पाटन मोड़, पांकी रोड के महावीर चौक सहित सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर आवागमन अवरुद्ध किया जाएगा। हड़ताल के दौरान सत्यम दुबे, अनुज मिश्रा, अरविंद कुमार, संतोष शुक्ला, रंजीत पासवान, गोल्डेन, रिंकू पांडेय, नागेंद्र प्रसाद गुप्ता सहित सैकड़ों ऑटो और ई-रिक्शा चालक तथा छोटे वाहन चालक मौजूद थे।

18 दिसंबर को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

झारखंड के महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के आदेश के तहत 18 दिसंबर 2024 (बुधवार) को राज्यभर में जन शिकायत समाधान कार्यक्रमर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों का त्वरित निष्पादन करना है। पलामू जिले में इस कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों से प्राप्त लिखित और मौखिक शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। पलामू जिले के प्रखंड कार्यालय, थाना/ओपी और शाखा के अधिकारी इस कार्यक्रम में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान करेंगे। पलामू एसपी रीशमा रमेशन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने आसपास, गांव, मुहल्ले और अन्य स्थानों पर किसी भी प्रकार की समस्याओं या शिकायतों वाले नागरिकों को 18 दिसंबर को सुबह 11 बजे से इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जागरूक करें। लेस्लीगंज अनुमंडल का जन शिकायत समाधान पांकी थाना परिसर में, विश्रामपुर अनुमंडल का जन शिकायत समाधान नावाबाजार थाना परिसर में, छतरपुर अनुमंडल का जन शिकायत समाधान छतरपुर थाना परिसर में, और हुसैनाबाद अनुमंडल का जन शिकायत समाधान हुसैनाबाद थाना परिसर में आयोजित किया जाएगा।

एक नजर

अधेड़ का शव जंगल में मिला

धुरकी। थाना क्षेत्र के भंडार गांव में एक व्यक्ति का शव जंगल से बरामद किया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक 62 वर्षीय छोटू भुइंया अपने घर से दूर जंगल में पशु चराने गया था। इसकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों ने धुरकी थाना को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद धुरकी थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक परिजनों का आवेदन नहीं मिला है आवेदन मिलने पर पुलिस सभी पहलू पर जांच करेगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कई बातें स्पष्ट हो जाएगी। पुलिस पूरे मामले में सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

मैट्रिक व इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के केंद्रों का हुआ निर्धारण

जिले के 46 हाई स्कूल और 23 प्लस टू विद्यालय परीक्षा केंद्र के रूप में चुने गए

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर/ गढ़वा। झारखंड अधिविद्य परिषद, रांची द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित होने वाली माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों और मूल्यांकन केंद्रों के निर्धारण हेतु जिला केंद्र चयन समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला केंद्र चयन समिति, गढ़वा के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक राहुल देव बड़ाईक, जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर रजा, पलामू लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे, झारखंड +2 शिक्षक संघ, माध्यमिक शिक्षक संघ और झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ, गढ़वा के अध्यक्ष समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, जिले भर में कुल 46 हाई स्कूल और 23 प्लस टू विद्यालयों को परीक्षा केंद्र के रूप में चयनित किया गया। इसके अतिरिक्त, दो विद्यालयों को मूल्यांकन केंद्र के रूप में चयनित किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त मिश्रा ने परीक्षा केंद्रों की सूची की समीक्षा की और विभिन्न केंद्रों पर आवश्यक सुधार हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया। यह बैठक परीक्षा प्रक्रिया को सुचारू और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जनता दरबार में सुनी गई 11 मामलों की शिकायतें

▶ गरीबों की समस्याओं के समाधान के लिए दिए गए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त के निर्देश पर समाहरणालय सभागार में निदेशक डीआरडीए रविश राज सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। दरबार में आए फरियादियों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

समस्याएं और समाधान

जनता दरबार में राशन, पेंशन, अबुआ आवास, भूमि सीमांकन, म्युटेशन, मुआवजा, अतिक्रमण और अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित 11 मामलों को प्रस्तुत किया गया। सदर प्रखंड की दौलतिया कुंवर ने अपनी बेटी के कस्तूरबा विद्यालय में दाखिले का अनुरोध किया। रामवचन मिस्त्री ने सरकारी आवास की मांग की, जबकि मेराल प्रखंड के रविंद्र चौबे ने खतियान की प्रति उपलब्ध कराने का आग्रह किया।इसके अलावा, रमना और नगर ऊंटारी प्रखंडों से आए फरियादियों ने एनएच-75 चौड़ीकरण के तहत अधिगृहित भूमि का मुआवजा न मिलने की शिकायत दर्ज की। अन्य शिकायतों के समाधान के लिए भी संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनता दरबार का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का शीघ्र निवारण करना है।

कड़ाके की ठंड में प्रशासन ने नहीं की अलाव की व्यवस्था

नवीन मेल संवाददाता

धुरकी। प्रखंड में ठंड जोरों पर है। पिछले 5 दिनों से सर्दी के प्रभाव से जहां सुबह व रात का पारा काफी नीचे आ गया है, वहीं दिन का तापमान भी 15 डिग्री तक आ पहुंचा है। सर्द हवाओं व कंपकंपा देने वाली ठंड से बचाव के लिए अभी तक धुरकी में कहीं भी अलाव जलाने की व्यवस्था प्रशासनिक स्तर पर नहीं किया गया है। प्रशासन को ठंड शुरू होते ही अलाव की व्यवस्था करनी चाहिए।

कूड़ा-करकट जला रहे हैं लोग

प्रखंड में अलाव जलाने के लिए कहीं भी लकड़ियों का इंतजाम नहीं किया गया है। इस कारण लोग अपने स्तर पर कूड़ा-करकट बीनकर अलाव जलाकर सर्दी से बचने के प्रयास कर रहे हैं। इसमें लोग प्लास्टिक तक जला रहे हैं, जो पर्यावरण में जहरीला धुआं छोड़ रहा है। कुछ स्थानों पर बेकार पड़े टायरों को भी जलाकर ठंड भगाई जा रही है, जो बदबू के साथ पर्यावरण पर विपरीत असर डाल रहा हैं। प्रतिवर्ष जलाए जाते हैं सरकारी अलाव धुरकी प्रखंड द्वारा ठंड के जोर पकड़ते ही प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की जाती है। इसमें मुख्य चौराहा, गरीब बस्तियों, अस्पताल, बस स्टैंड आदि स्थानों पर प्रशासन अलाव जलाने का व्यवस्था करता हैं। इससे अधिक से अधिक लोग इसका फायदा उठा सके। इस बार तापमान में अधिक गिरावट होने के बाद भी यह व्यवस्था अभी तक शुरू नहीं हो सकी है।

उद्घाटन के पांच साल बाद भी अस्पताल में चिकित्सक की पदस्थापना नहीं, नई सरकार से उम्मीद

नवीन मेल संवाददाता

केतार (गढ़वा)। प्रखंड के पाचाडुमर गांव में 2.35 करोड़ रुपए की लागत से बने 10 बेड वाला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पांच वर्ष बाद भी चिकित्सकों की पदस्थापना का इंतजार कर रहा है। समुचित देखभाल के अभाव में भवन भी क्षतिग्रस्त होने लगा है। इससे स्वास्थ्य सुविधाओं की आस लागाये ग्रामीण अब नाउम्मीद होने लगे हैं। बता दें कि अस्पताल भवन का उद्घाटन 20 अक्टूबर 2019 को हुआ था। उद्घाटन के बाद से चिकित्सक की पदस्थापना नहीं होने के कारण यह अस्पताल भवन बंद पड़ा है। इस कारण असमाजिक तत्वों द्वारा खिड़की, दरवाजा, मार्बल, गेट, शौचालय को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। अस्पताल के बंद रहने से 70 हजार की आबादी को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। दूसरे प्रखंडों में इलाज कराने जाने पर दवा से अधिक भाड़े में खर्च हो जाता है। प्रखंड में गरीबी रेखा से नीचे गुजर-बसर करने वाले परिवारों को सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिलने के कारण मामूली बीमारी का इलाज भी निजी अस्पताल में कराने पर मोटी रकम खर्च करना पड़ता है। अस्पताल निर्माण के बाद लोगों को उम्मीद जगी थी कि स्थानीय स्तर पर उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा, लेकिन ग्रामीण अब उम्मीद छोड़ चुके हैं। केतार प्रखंड के सात पंचायतों के ग्रामीणों को अस्पताल शुरू कराने की अब एक अंतिम उम्मीद पूर्ण बहुमत के साथ दुबारा सत्ता में आई हेमंत सोरेन सरकार और नवनिर्वाचित विधायक अनंत प्रताप देव से है। इस अस्पताल में चिकित्सक की पदस्थापना कराने और गरीबों का इलाज शुरू कराने में भवनाथपुर विधायक कितना सफल हो पाते हैं, यह देखना दिलचस्प होगा।

अस्पताल भवन हाथी का दांत साबित हो रहा है: विमलेश

विमलेश कुमार पासवान, समाजसेवी, पाचाडुमर

समाज सेवी विमलेश कुमार पासवान ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज शुरू नहीं होने से आमजनों को काफी दिक्कत हो रही है। स्थानीय लोगों को इलाज कराने दूसरे प्रखंडों या जिला मुख्यालय जाना पड़ता है। अस्पताल भवन सिर्फ हाथी का दांत साबित हो रहा है।

चिकित्सकों का पदस्थापना नहीं होना दुभाग्यपूर्ण : विनोद गुप्ता

विमलेश कुमार पासवान, समाजसेवी,पाचाडुमर

मुकुन्दपुर के विनोद गुप्ता ने कहा कि केतार जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में अस्पताल भवन निर्माण के बाद चिकित्सकों की पदस्थापना नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। पुर्व के जनप्रतिनिधियों की उपेक्षित के कारण आज इसका लाभ प्रखंड के लोगों को नहीं मिल रहा है। नवनिर्वाचित विधायक अनंत प्रताप देव से अब ग्रामीणों को उम्मीद है।

अस्पताल रहने से गरीबों को सहूलियत होती: सुदेश्वर

सुदेश्वर चौधरी, ग्रामीण, परती कुश्वाही

परती कुश्वानी के सुदेश्वर चौधरी ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू होने से सर्दी, खांसी, बुखार मलेरिया, जैसे छोटी बीमारियों का इलाज संभव होता। गरीब परिवारों को इलाज कराने में सहूलियत होगी। आये दिन सड़क दुर्घटना में घायलों को भी भवनाथपुर ले जाना पड़ता है, तत्काल व्यवस्था नहीं मिलने से रास्ते में मरीज की मौत हो जाती है।

विधायक पहल करें: दीपक वर्मा

दीपक वर्मा, ग्रामीण, मुकुन्दपुर

मुकुन्दपुर के ग्रामीण दीपक वर्मा ने कहा कि केतार में अस्पताल शुरू होने से लोगो को बाहर इलाज कराने के लिए नही जाना पड़ता। समय पर समुचित इलाज के अभाव में लोग गंभीर बीमारी के चपेट में आ जा रहे। विधायक से उम्मीद है की पहल कर अस्पताल में इलाज शुरू करायें ताकि लोगों को राहत मिलें।

न्यूज बॉक्स

पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा

मेराल। थाना क्षेत्र के ओखरगाड़ा निवासी सत्यप्रकाश चंद्रवंशी उर्फ ओम प्रकाश चंद्रवंशी को हत्या के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि प्राथमिक अभियुक्त ओम चंद्रवंशी को गढ़वा के सोनपुरवा से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। मेराल पुलिस को इसकी काफी दिनों से तलाश थी।

थाना प्रभारी ने दिया योगदान

रमना। नए थाना प्रभारी के रूप में आकाश कुमार ने योगदान दिया। 2018 बैच के पुलिस निरीक्षक आकाश कुमार इसके पूर्व मझिआंव थाना में पदस्थापित थे। नवपदस्थापित थाना प्रभारी ने कहा कि थाना क्षेत्र में अमन,चैन व शांति बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। अपराधी और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर करवाई की जायेगी। आम जनता अपनी समस्याओं को लेकर बेहिचक उनसे मिल सकते है। उनकी परेशानियों को दूर कर न्याय दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मुखिया संघ के प्रतिनिधियों ने थाना प्रभारी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मौके पर मुखिया संघ के अध्यक्ष अजीत कुमार पांडेय,मुखिया पति शैलेन्द्र कुमार सिंह,दिलीप ठाकुर,विरंची पासवान,वीरेंद्र बैठा,बृजलाल विश्वकर्मा मौजूद थे।

पूर्व उपप्रमुख की चौथी पुण्यतिथि मनायी गयी

रमना। पूर्व उप प्रमुख भाजपा नेता व बहोयार खूर्द निवासी स्व. अखलेश पासवान की चौथी पुण्यतिथि गुरुवार को मनायी गयी। दीप प्रज्जवलित कर व तस्वीर पर पुष्प अर्पित श्रद्धांजलि दिया। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता मुन्ना सिंह ने कहा कि चार वर्ष पहले सड़क दुर्घटना में अखलेश का देहांत हुआ था। इनके निधन से पार्टी और समाज को अपूर्णीय क्षति हुई। क्षति की भरपाई संभव नही है। उनके सपनों को पूरा कर समाज को बेहतर दिशा दिया जा सकता है। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि प्रभात कुमार, मंदीप पासवान,सुरेन्द्र सिंह,नसरुद्दीन अंसारी,गनौरी प्रसाद,रामसकल पासवान,मंतोष पासवान,सुरेन्द्र सिंह, सकल पासवान,रणजीत मेहता सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विधायक के बयान पर झामुमो का विरोध

गढ़वा। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी के खिलाफ टॉउन हॉल मैदान से रंका मोड़ तक शव यात्रा निकाल कर पुतला दहन कर विरोध जताया। झामुमो नेताओं ने विधायक पर विधानसभा में झूठ फैलाने का आरोप लगाया। जिला अध्यक्ष तनवीर आलम खान ने कहा कि सत्येंद्रनाथ तिवारी ने पंचायत प्रतिनिधि के परिवार के प्रति असंवेदनशील बयान देकर पूरे समाज और गढ़वा की जनता का अपमान किया है। झामुमो ने चेतावनी दी कि इस तरह का भ्रामक बयान जारी रहा तो तिवारी का सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। साथ ही विधायक के खिलाफ मानहानी का मुकदमा दर्ज कराने और विधानसभा अध्यक्ष से उनकी सदस्यता रद करने की मांग की गई। विरोध प्रदर्शन में झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिला सचिव मनोज ठाकुर सहित अन्य प्रमुख नेता व सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

मझिगांवा पंचायत में साढ़े चार क्विंटल चना बीज गायब, किसानों ने किया हंगामा

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। खरौंधी प्रखंड के मझिगांवा पंचायत में किसानों ने पंचायत भवन में वितरण के लिए रखे गए साढ़े चार क्विंटल चना बीज के गायब होने पर हंगामा किया। किसानों का आरोप है कि मुखिया पति और छह वार्ड सदस्यों ने गुरुवार रात चना बीज की 15 बोरियां (करीब 450 किलोग्राम) बांटकर अपने घर ले गए। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी रवि कुमार केशरी ने मौके पर पहुंचकर हंगामा शांत कराया। इसके बाद किसानों ने बीडीओ रवींद्र कुमार और थाना प्रभारी को लिखित शिकायत की, जिसमें आरोपियों के खिलाफ जांच और कार्रवाई की मांग की गई।

बीज वितरण में गड़बड़ी का आरोप

बुधवार को बीटीएम संतोष पाल की उपस्थिति में किसानों को नियमों के खिलाफ 3-5 किलोग्राम प्रति किसान के हिसाब से बीज वितरित किया गया था, जबकि प्रति किसान 20 किलोग्राम का मैसेज छोड़ा गया था। कई किसानों को बीज कम मात्रा में दिया गया। गुरुवार को बीटीएम की अनुपस्थिति के कारण वितरण रोक दिया गया। शुक्रवार को जब किसान बीज लेने पहुंचे, तो पता चला कि गुरुवार रात बीज गायब हो गया है।

12.5 क्विंटल चना बीज आया था

किसानों ने बताया कि पंचायत के 60 किसानों के लिए 12.5 क्विंटल चना बीज आया था। इसमें से 8 क्विंटल बीज वितरित किया जा चुका था, जबकि शेष साढ़े चार क्विंटल बीज गायब हो गया। हंगामे के बाद मुखिया और वार्ड सदस्यों ने स्वीकार किया कि उन्होंने बीज अपने घर ले गए थे। हालांकि, मुखिया पति सतीश राम ने आरोपों को निराधार बताया। बीडीओ रवींद्र कुमार ने कहा कि शनिवार को बचे हुए बीज का वितरण किसानों के बीच कर दिया जाएगा। प्रशासन ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है और किसानों को जल्द समाधान का भरोसा दिलाया।

छात्रों के जीवन में गणित विषय का महत्व बताया

नवीन मेल संवाददाता

रमना। प्रखंड के सभी विद्यालयों में भारत के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन अयांगर का 22 दिसंबर के जयंती के उपलक्ष्य में न्यूमरेसी कैम्पेन का आयोजन 12 दिसंबर से 19 दिसंबर तक किया गया है। कैंपेन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में गणित के प्रति लगाव और गणितीय गणना के डर को दूर करना है, जिसमे बच्चों को सरल और मजेदार तरीके से गणित को सिखाया जाय। गणित विषय से बच्चे भयभीत रहते है। उन्हें लगता है कि इसको पढ़ना मुश्किल है, इस भय को दूर करने के उद्देश्य से सभी विद्यालयों में न्यूमरेसी कैंपेन का आयोजन किया जा रहा है। राज्यकीय मध्य विद्यालय सिलीदाग दो में सहायक अध्यापक मनोज कुमार सिंह और रेनू सिंह नें बालवाटिका और एक से पांच तक के बच्चों के बीच सामान का लेन-देन कैसे किया जाता है, गणित का इसमें कितना महत्व है, इसके जानकारी के बिना कितना समस्या होगा बच्चों को बताया गया और बच्चों द्वारा दुकान लगाकर प्रदर्शनी किया गया, जिसमे बच्चों को दुकानदार और ग्राहक बनाया गया।

गलत भुगतान का आरोप

खरौंधी। कांग्रेस पार्टी के जिला प्रवक्ता राहुल दुबे ने खरौंधी प्रखंड के राजी पंचायत में आम बागवानी योजना के तहत दिए जाने वाले 50 लाख रुपए की राशि को मनरेगा की अन्य योजनाओं के नाम पर भुगतान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे सरकारी गाइडलाइन और प्रावधानों का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि भेंडर के खाते में फर्जी तरीके से अवैध निकासी की गई है। उन्होंने गढ़वा उपायुक्त व मुख्यमंत्री से इसमें शामिल लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। मुखिया रिंकू देवी ने कहा कि जिला के निर्देश पर पुराने योजनाओं में भुगतान कर योजनाओं को बंद किया गया है। सारा आरोप बेबुनियाद हैं।

किसानों के बीच सरसो व मसूर का बीज वितरण

नवीन मेल संवाददाता

बरगड़। कृषि विभाग द्वारा बरगड़ प्रखंड के सभी पंचायत के किसानों के बीच सरसों एवं मसूर बीज का वितरण किया गया। सरसों एवं मसूर बीज का वितरण कृषि पदाधिकारी एरियल कच्छप बीटीएम जग्रनाथ कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रखंड के सभी पंचायत के किसानों के बीच दो-दो किलो सरसों बीज का वितरण हुआ एवं चार-चार किलो मसूर बीज सहित जिंक का वितरण किया गया। बीटीएम ने किसानों को सरसों एवं मसूर की खेती के बारे में जानकारी दी। मौके पर किसान मित्र देवनीस खलखो,

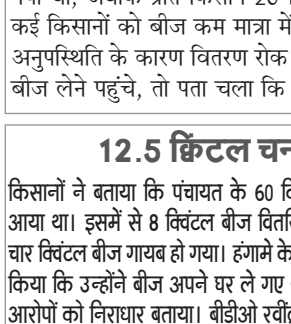

अशोक यादव, आलोइस कुजूर ,साबुलाल ,सत्यानंद कुजूर ,अमोस मिंस, रंजन खलखो, विनय तिग्गा, नारायण सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम धान अधिप्राप्ति कार्य 15 दिसंबर से प्रारंभ, किसानों को बिचौलियों से बचने की सलाह

धान की बिक्री केवल अधिप्राप्ति केंद्रों पर करें किसान : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। खरीफ विपणन मौसम 2024-25 में जिले के 52 धान अधिप्राप्ति केंद्रों पर 15 दिसंबर, 2024 से धान अधिप्राप्ति का कार्य प्रारंभ होगा। जिले में धान की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,300 प्रति क्विंटल और बोनस 100 प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। उपायुक्त शेखर जमुआर ने किसानों से अपील की है कि वे किसी भी बिचौलिये के माध्यम से या खुले बाजार में अपने धान की बिक्री न करें, क्योंकि इससे उन्हें कम मूल्य पर नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि जिले में स्थापित सभी धान अधिप्राप्ति केंद्रों पर ही धान की बिक्री करनी चाहिए, जहां सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर धान खरीदी जाएगी। उपायुक्त ने यह भी बताया कि कई किसानों से खबर मिली है कि वे बिचौलियों के माध्यम से धान बेच रहे हैं, जो कम मूल्य पर खरीदारी कर रहे हैं। इससे किसानों को कम लाभ हो रहा है। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि वे 15 दिसंबर से शुरू हो रहे धान अधिप्राप्ति कार्यक्रम का लाभ उठाएं और किसी भी तरह के धोखाधड़ी से बचें। इसके अलावा, उपायुक्त ने जिला आपूर्ति, कृषि, सहकारिता और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को किसानों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। इस साल, धान की खरीदारी के लिए सभी आवश्यक तैयारी पूरी की जा चुकी है, जिसमें अधिप्राप्ति केंद्रों का चयन, राइस मिलरों का चयन, उपकरणों की व्यवस्था, और मानव संसाधन की प्रतिनियुक्ति शामिल है। किसानों को जागरूक करने और उन्हें बिचौलियों से बचाने के उद्देश्य से प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को सक्रिय रूप से काम करने का निर्देश दिया है ताकि किसानों को इस योजना का पूरा लाभ मिल सके।

पूर्व मंत्री के बयान की निंदा

गढ़वा। भाजपा नेता विनोद चंद्रवंशी ने झामुमो नेता और पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर के बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में हार के बाद मिथिलेश ठाकुर विचलित हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन और बालू की कालाबाजारी से कमाए गए अवैध धन का चुनाव में जमकर दुरुपयोग हुआ। मिथिलेश ठाकुर अब उन भोले-भाले लोगों पर दबाव बना रहे हैं, जिन्हें उन्होंने वोट के लिए पैसे दिए थे। उन्होंने चेतावनी दी कि झामुमो गढ़वा-रंका विधानसभा के लोगों का मानसिक उत्पीड़न बंद करे, अन्यथा जनता उनके खिलाफ खड़ी होगी।

किसान का खेत में रखा 100 बोझाा धान जलकर नष्ट

बारियातू। थाना क्षेत्र के डाढा पंचायत अंतर्गत डाढा नवाटोला निवासी किसान पारस नाथ सिंह व प्रसिद्ध सिंह पिता स्व ब्रज बिहारी सिंह के बसैरिया बागी स्थित खलिहान में गुरुवार देर रात आग लगने से खलिहान में रखा 100 बोझा धान जलकर नष्ट हो गया। खलिहान में झाड़ाई कर रखा 10 क्विंटल धान जलकर नष्ट हो गया। पीड़ित किसान पारसनाथ सिंह का खेत को साझेदारी नावाटोला निवासी हरि राम पिता केतन राम ने बटाई किया था। हरी ने बताया की हम गरीब व्यक्ति है। उधार बीज धान लेकर बटाई खेती किए थे। गुरुवार शाम धान जलने से परिजनों को गुजर बसर के लिए काफी कठिनाई होगी। मुझे आसपास के लोग अचानक खलिहान में आग लगा देखकर फोन के माध्यम से सूचना दिए। हमलोग आनन-फानन में खलिहान पहुंचे तब तक धान लगभग जलकर राख चुका था। आस पास के ग्रामीण अशोक सिंह, सहित कई लोगों ने तत्काल सहयोग करते हुए आग बुझाने का प्रयास किया।

मध्याह्न भोजन के दाल में कीड़ा मिला, अभिभावकों ने किया हंगामा

रसोईया व शिक्षक को हटाने की मांग

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

जिले के बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के बसिया राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय नगड़ा में शुक्रवार को बच्चों को दिया जाने वाले मध्याह्न भोजन में कीड़ा पाया गया। जब बच्चों को खाना परोसा गया तो उसमें दाल में कीड़ा मिला। खाना में कीड़ा को देखने पर बच्चे डर गए और इसकी सूचना अभिभावकों को दिया। इसे लेकर ग्रामीणों ने विद्यालय पहुंचकर जमकर हंगामा किया। बसिया पंचायत की मुखिया विमला देवी के नेतृत्व में ग्रामीण विद्यालय पहुंची। वहां बच्चों ने बताया कि पिछले तीन दिनों से उन्हें मध्याह्न भोजन में कीड़ा मिला भोजन खिलाया जा रहा है।

खाना में कीड़ा को देखने पर बच्चे डर गए

बनने वाला दाल में पानी है या पानी में दाल पता ही नहीं चलता। इसकी शिकायत हम लोग करते हैं तो विद्यालय के शिक्षक इस पर कोई ध्यान नहीं देते। इसके अलावा बच्चों ने बताया कि विद्यालय में पीने का पानी का कोई व्यवस्था नहीं है। वे लोग आधा किलोमीटर दूर से पानी लाकर इस्तेमाल करते हैं। शौचालय में भी गंदगी का अंबार लगा है।

इस दौरान ग्रामीणों ने रसोईया व शिक्षकों को बदलने की मांग की। विद्यालय के मीनू के अनुसार शुक्रवार को दाल, चावल, सब्जी के अलावा अंडा दिया जाना था, लेकिन उन्हें अंडा नहीं दिया गया। बसिया पंचायत मुखिया विमला देवी ने कहा कि घुन युक्त दाल का प्रयोग किया जा रहा है। इस मामले को लेकर लातेहार उपायुक्त से दोषी शिक्षक व प्रधानाचार्य पर कार्रवाई की मांग की है। विद्यालय के प्रधानाचार्य राम प्रसाद राम ने बताया कि उन्हें जब सूचना प्राप्त हुई कि दाल में कीड़ा मिला है तो उन्होंने दूसरा दाल मंगाकर खाना बनवाया।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 6 रुपए प्रति अंडा का पैसा देती है, वर्तमान में बाजार में 8 रुपए में अंडा मिल रहा है। इस परिस्थिति में बच्चों को खाना में अंडा दे पाना संभव नहीं है। मौके पर वार्ड सदस्य राजेन्द्र साहू,विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष कृष्णकांत गंझू, गोविंद साव, जलेश्वर साव, गणेश पासवान, तिलकधारी साव, जयनाथ पासवान, बबलू साव, नंदलाल पासवान,रविन्द्र साव, धनराज पासवान, जगेश्वर भुइयां पदुम साव, प्रीतम साव समेत कई लोग मौजूद थे।

शिविर में शिकायतों का त्वरित निष्पादन कर दिया गया: बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता

गारू (लातेहार)। गारू प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को जन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी अभय कुमार, अंचल अधिकारी दिनेश मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि मनोज यादव और मायापुर पंचायत के मुखिया सुभाष कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि यह कार्यक्रम सरकार द्वारा चलाया जा रहा है, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि शिविर में जो भी शिकायतें आई हैं, उनका तत्काल निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जागेगा। कार्यक्रम के दौरान गारू प्रखंड और अंचल से कुल 14 आवेदन की शिकायत प्राप्त हुए। इनमें से 10 आवेदन प्रखंड से और 4 आवेदन अंचल कार्यालय से संबंधित थे। अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अंचल के 3 और प्रखंड के 7 आवेदनों का समाधान कर दिया। शेष 3-3 आवेदनों को विचाराधीन रखते हुए अधिकारियों ने अगले दो दिनों के भीतर समाधान का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकतर आवेदन जमीन संबंधित, आंगनबाड़ी सेविका चयन में गड़बड़ी, पेंशन व अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ा था।

जन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन

यात्री बस और ट्रक में टक्कर, यात्री घायल

चंदवा। थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 75 रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग पर हिंडालको नर्सरी के समीप शुक्रवार की सुबह रिलायंस यात्री बस व एक ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद ट्रक सड़क पर ही पलट गया। दुर्घटना में कई यात्री घायल हो गए। ट्रक ड्राइवर अमीन कुमार कानपुर (यूपी) व बस के केबिन में बैठी महिला यात्री पूनम देवी (मनिका) गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा में भर्ती कराया गया। वहां डाक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को रिम्स रेफर कर दिया गया। दुर्घटना में बस में सवार अन्य यात्रियों को मामूली चोट आई है। बताया जाता है कि बस डालटनगंज से रांची जा रही थी। इस दौरान रांची की ओर से आ रहा पाइप लदा ट्रक असंतुलित होकर बस से टकरा गया।

प्रखंड परिसर में नए आवास का उद्घाटन

बीडीओ व अंचल अधिकारी ने किया गृह प्रवेश

गारू (लातेहार)। बीडीओ व सीओ ने प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बने नए आवास का शुक्रवार को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ उद्घाटन किया। हिंदू रीति-रिवाज के तहत पंडित द्वारा पूजा संपन्न कराई गई। इसके बाद बीडीओ अभय कुमार और अंचल अधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा ने अपने-अपने नए आवास में प्रवेश किया। इस अवसर पर बीडीओ अभय कुमार ने कहा कि नए भवन का निर्माण अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बेहतर रहने की सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि प्रखंड परिसर में ही रहने से प्रशासनिक कार्यों को अधिक कुशलता से पूरा किया जा सकेगा। अंचल अधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा ने कहा कि नए आवास से काम करने में आसानी होगी और प्रखंड के विकास कार्यों में गति आएगी।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने विजेता प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

लातेहार। जिला खेल स्टेडियम मे शुक्रवार को दिव्यांग बच्चों के लिए जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सभी प्रखंडों से दिव्यांग बच्चे शामिल हुए। प्रतियोगिता में रिसोर्स शिक्षक के साथ अन्य शिक्षक भी शामिल थे। प्रतियोगिता में विभिन्न प्रकार के खेलकूद आयोजित की गई। बतौर मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी गौतम कुमार साहू ने प्रतियोगिता में शामिल विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह की प्रतियोगिता कराई जाएगी।

समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी व अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जांच करते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। जन शिकायत निवारण में कुल 7 आवेदन प्राप्त हुए, जो मुख्य रूप से पीएम आवास, रोजगार, भूमि विवाद, दिव्यांग वाहन उपलब्ध कराने के संबंध में, भूमि अतिक्रमण मुक्त कराने संबंधी आवेदन आये। इस दौरान कुछ आवेदकों की समस्याओं का निष्पादन आन द स्पॉट किया गया और शेष आवेदकों के समस्याओं का यथाशीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

प्रशासन ने सड़क किनारे का अतिक्रमण हटाया

सामान समेटते दिखे दुकानदार

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। अंचलाधिकारी और नगर प्रशासन का 24 घंटे का शुक्रवार को अल्टीमेटम समाप्त होने के बाद अतिक्रमण हटाने के लिए सड़क पर बुल्डोजर के साथ अंचल कर्मी और नगर पंचायत कर्मी सड़क पर उतर अतिक्रमण को हटाते दिखे। जैसे ही फुटपाथी दुकानदारों को जानकारी मिली की सड़क पर बुलडोजर उतर चुका है, वैसे ही कुछ दुकानदार अपना-अपना सामान समेटते दिखे। अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरूआत प्रशासन द्वारा थाना चौक से शुरू हुई, जो मुख्य मार्ग के विभिन्न स्थानों

चलाया गया। ज्ञात हो कि जिला मुख्यालय में आए दिन जाम की स्थिति बन जा रही थी, जिसे देखते हुए एसडीओ अजय कुमार रजक ने शहर से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। इसके बाद नगर पंचायत लातेहार और सदर अंचल कार्यालय हरकत में आया। सबसे पहले सड़क किनारे अतिक्रमण करने वाले दुकान के संचालकों को चिन्हित कर उन्हें अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया गया था। दुकान संचालक द्वारा आदेश का पालन नहीं करने पर उनके खिलाफ यह अभियान चलाया गया। अतिक्रमण हटाने के लिए मजिस्ट्रेट की नियुक्ति किया गया था। इस संबंध में जानकारी देते हुए मजिस्ट्रेट सह प्रभारी अंचल निरीक्षण चार्ल्स गिद्द ने कहा कि यह अभियान अभी निरंतर जारी रहेगा।

कर्मियों को समय पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने का निर्देश

गिद्धौर(चतरा)। सिविल सर्जन दिनेश प्रसाद ने शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस क्रम में स्वास्थ्य केंद्र से संबंधित कई अभिलेख की जांच की। स्वास्थ्य केंद्र में दवा का स्टॉक, रजिस्टर, प्रसव रजिस्टर सहित अन्य रजिस्टर की भी जांच की। उपस्थित कर्मियों से पूछताछ किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। कर्मियों को समय पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने का भी निर्देश दिया। साथ ही कार्यों में कोताही बरतने वाले कर्मियों पर कार्रवाई करने की चेतावनी दिया।

हाथियों ने दो पशु को कुचल कर मार डाला

बारियातू। प्रखंड के अमरवाडीह पंचायत अंतर्गत चेडरा ग्राम के गरहवा टांड निवासी बाजो मासोमात पति स्व रामचंद्र उरांव व नागो उरांव पिता स्व रुदू उरांव का बंधा सूअर को हाथियों ने कुचल कर मार डाला। पीड़ित परिवार ने बताया कि लगातार दो दिनों से हाथी आतंक मचा रहा है। कई किसानों का धान खाकर नष्ट कर दिया है। शुक्रवार तीन बजे हाथी आकर चर रहे सूअर को कुचल दिया, जिससे दोनों सूअर की मौत हो गई। दोनों पशुपालको को 30 हजार का नुकसान हुआ है।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना की समीक्षा बैठक संपन्न

लातेहार। शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र ने जानकारी दी कि वर्ष 2024-25 के लक्ष्य 82 आवेदनों के विरुद्ध अब तक 89 आवेदन विभिन्न बैंकों को भेजे गए हैं, जिनमें से 43 आवेदन स्वीकृत और 20 पर ऋण वितरित किया गया है। हालांकि, 31 आवेदन लंबित हैं और 15 को अस्वीकृत किया गया है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी लंबित आवेदनों का निपटारा 21 दिसंबर 2024 तक सुनिश्चित किया जाए। बैठक में महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र राज कुमार पासवान, जिला सहकारिता पदाधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रखंड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक, एलडीएम ने दिए निर्देश

मयूरहंड(चतरा)। प्रखंड सभागार में शुक्रवार को बैंकर्स समिति की बैठक अग्रणी जिला प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बीडीओ मनीष कुमार, बैंक व जेएसएलपीएस के प्रतिनिधि उपस्थित थे। एलडीएम ने उपस्थित सभी बैंक प्रतिनिधियों को किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से लाभान्वित करने का निर्देश दिया, ताकिअधिक किसान केसीसी का लाभ उठाएं। जन सुरक्षा अभियान के तहत कैंप लगाकर अधिक लोगों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 वर्ष के लोगों को 436 रुपया सालाना प्रीमियम में सामान्य मृत्यु पर 2 लाख का, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 18 से 70 वर्ष के लोगों का 12 रुपये सालाना प्रीमियम में दुर्घटना में मौत होने पर 2 लाख का लाभ उठा सकेंगे। बिरहोर टोला में सोमवार को विशेष कैंप लगाकर बिरहोर परिवारों को खाता खोलने,स्कूली बच्चों का खाता खोलने का निर्देश बैंक प्रतिनिधियों को दिया। मौके पर कल्याण पदाधिकारी चंदन कुमार,बीपीओ सतीष कुमार मिश्रा,जेएसएलपीएस पंकज कुमार के अलावा अन्य उपस्थित थे।

ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल में चल रहे चार दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव का समापन

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। प्रखंड के ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल में चल रहे चार दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का समापन शुक्रवार को धूमधाम से हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लातेहार उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह,विद्यालय के अध्यक्ष प्रवीण सिंह,हिंडालको एचआर हेड प्रकाश कुमार, हिंडालको कर्मी संजय राय मौजूद थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों का स्वागत विद्यालय के शिक्षकों ने पुष्प गुच्छ देकर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों के अंदर शारीरिक व मानसिक विकास होता है। बच्चे मेहनत व समय का सदुपयोग कर अपनी मंजिल पा सकते हैं। आज के दौर में विद्यालय प्रबंधन भी आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल कर बच्चों का सर्वांगीण विकास कर सकता है। हिंडाल्को के एचआर हेड प्रकाश कुमार ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। बच्चे अगर अच्छा करते हैं, तो उनके माता-पिता गांव समाज का नाम रोशन होता है। हर अभिभावक का ख्वाहिश होता है कि उनके बच्चे बेहतर करें। इस दिशा में वह सदैव प्रयास भी करते हैं। विद्यालय के चेयरमैन प्रवीन सिंह ने कहा कि बच्चों को मोबाइल टीवी से दूर रखने का एकमात्र रास्ता खेलकूद का मैदान है।

बच्चों को खेल ग्राउंड भेजेंगे तो स्वत मोबाइल व टीवी के प्रति उनकी रुचि कम होगी। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अगर मेहनत करेंगे तो निश्चित तौर पर आगे बढ़ेंगे। विद्यालय की निदेशक कादंबरी सिंह ने बच्चों के उज्जवल भविष्य को लेकर अपनी बातों को साझा किया। कर्नल राजीव कुमार ने बच्चों के समक्ष अपने अनुभवों को साझा किया।

लाभुकों को दूसरी व तीसरी किस्त की राशि का करें भुगतान : बीडीओ

गिद्धौर(चतरा)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को विभिन्न योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल देव ने किया। उन्होंने मनरेगा,अबुआ आवास, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास, 15वीं वित्त आयोग सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की। शत प्रतिशत आधार सीडिंग करने का भी निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास के साथ अबुआ आवास को जल्द पूर्ण करने व निमार्णाधीन आवास को जियो टैग करते हुए लाभुकों को भुगतान करने का निर्देश दिया। पंचायतों में संचालित 15वीं वित्त आयोग की योजनाओं को भी जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। मनरेगा के बीपीओ,रोजगार सेवक क्षेत्र में जाकर योजनाओं की भौतिक सत्यापन करने का भी निर्देश दिया। बैठक में पंचायत सचिव के साथ-साथ मनरेगा कर्मी, आवास विभाग एवं 15 वीं वित्त आयोग के कर्मी उपस्थित थे।

फुटपाथी दुकानादारों का धरना दूसरे दिन भी जारी, कहा-

हमारे साथ न्याय करें प्रशासन

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

अनुमंडल कार्यालय के पास फुटपाथी दुकानदारों का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। आजसू जिलाध्यक्ष अमित पांडेय ने फुटपाथी दुकानदारों के धरना को अपना समर्थन दिया और उनके साथ धरने पर बैठ गए। दुकानदार किरण चंद्रवंशी, महेश प्रसाद, दिनेश प्रसाद ने बताया कि सीओ द्वारा नोटिस देकर उन लोगों को 24 घंटे में दुकान हटाने का निर्देश दिया है। दुकान हट जाने से हम लोगों का रोजगार छीन जाएगा। घर परिवार के लोग सड़क पर आ जायेंगे। दुकानदारों ने बताया कि विभाग द्वारा फुटपाथी दुकान हटाने का मुख्य कारण सड़क दुर्घटना बताया गया है, जबकि हम लोग सड़क से काफी दूर रह कर अपना दुकान चलाते हैं। धरना को अपना समर्थन देने पहुंचे आजसू जिलाध्यक्ष ने कहा कि हम सभी का प्रतिनिधिमंडल ने सीओ से मुलाकात की है। वार्ता साकारात्मक रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को पहले चाहिए की वह फुटपाथी दुकानदारों को रोजी रोटी चलाने के लिए एक स्थान दे।

कार्यालय:- जिला परिषद, लातेहार

विभिन्न सैरातों की बन्दोबस्ती वर्ष 2024–25

सूचना

क्र	सैरात का नाम	थाना	बन्दोबस्ती का तिथि	समय	बन्दोबस्ती की राशि	जमानत की राशि
1	हरैया पशु मेला, श्रावणी मेला एवं शुक्रवारीय हाट बाजार चन्दवा (दिनांक 01.01.2025 से 31.03.2025 तक)	चन्दवा	19/12/2024	11:00 AM	10,75,165	1,07,600
2	बस पड़ाव चन्दवा। ((दिनांक 01.01.2025 से 31.03.2025 तक)	चन्दवा	19/12/2024	11:30 AM	7,04,808	70,500
3	सुलभ शौचालय, चन्दवा। (दिनांक 01.01.2025 से 31.03.2025 तक)	चन्दवा	19/12/2024	12:00 PM	2,045	210
4	प्रखण्ड बालूमाथ अन्तर्गत बस पडाव बालूमाथ में निर्मित सुलभ शौचालय। (दिनांक 01.01.2025 से 31.03.2025 तक)	बालुमाथ	20/12/2024	11:00 AM	115	50
5	बस पड़ाव महुआडांड। (दिनांक 01.01.2025 से 31.03.2025 तक)	महुआडांड	20/12/2024	11:30 AM	1,50,000	15,000
6	बस पड़ाव महुआडांड में शौचालय। (दिनांक 01.01.2025 से 31.03.2025 तक)	महुआडांड	20/12/2024	12:00 PM	5,100	550

नोट :– 1. उक्त तिथि को डाक सम्पन्न नहीं होने पर दिनांक 23/12/2024 को पूर्वाहन् 11:00 बजे तथा यदि इस तिथि को भी डाक सम्पन्न नहीं हुआ तो पुनः दिनांक 24/12/2024 को पूर्वाहन 11:00 बजे बन्दोबस्ती की जाएगी।

2. निलामी की नियम एवं शर्ते कार्यालय के सूचना पट्ट पर कार्यालय अवधि में देखी जा सकती है तथा NIC Latehar के वेबसाईट पर भी उपलब्ध है।

3. निलामी में भाग लेने वाले व्यक्तियों के लिए स्थानीय प्रमाण पत्र/पहचान पत्र/आधार कार्ड की छायाप्रति (कोई एक) जमा करना अनिवार्य होगा। आवश्यकतानुसार मांगे जाने पर मूल प्रति प्रस्तुत करना होगा।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, लातेहार

PR 341932 Rural Development (24-25)_D

15 दिसंबर से शुरू होगी धान अधिप्राप्ति योजना: डीसी

किसानों को मिलेगा 2,300 रुपये प्रति क्विंटल का समर्थन मूल्य, 100 रुपये बोनस

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिए 15 दिसंबर से धान अधिप्राप्ति कार्य शुरू होगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिप्राप्ति केंद्रों का चयन, राइस मिलरों का चयन, उपकरणों की स्थापना और मानव संसाधन की प्रतिनियुक्ति जैसी सभी प्रारंभिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। इस साल किसानों से खरीदे जाने वाले धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,300 रुपये प्रति क्विंटल और बोनस 100 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसानों की सहूलियत के लिए धान बिक्री के बाद 50% राशि का भुगतान तत्काल उनके बैंक खाते में किया जाएगा। अब तक जिले में प्रखंडवार 24 धान अधिप्राप्ति केंद्रों/पैक्स का चयन किया गया है। इसके अलावा, पैक्स की संख्या बढ़ाने के लिए इच्छुक पैक्सों को शामिल करने का निर्देश दिया गया है ताकि अधिक से अधिक धान अधिप्राप्ति की जा सके। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचलाधिकारियों और संबंधित नोडल अधिकारियों को अधिप्राप्ति केंद्रों के संचालन और निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

किसानों को जागरूक करने पर जोर

कुछ किसानों द्वारा खुले बाजार में न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर धान बेचने की सूचनाओं के मद्देनजर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि धान अधिप्राप्ति योजना और निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य की जानकारी किसानों तक पहुंचाई जाए। जिला और प्रखंड स्तर के कृषि, आपूर्ति और सहकारिता अधिकारियों को किसानों को जागरूक करने और प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। धान अधिप्राप्ति योजना के माध्यम से जिले के किसानों को लाभ पहुंचाने और बिचौलियों के प्रभाव को खत्म करने के लिए व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं।

पिंडारकोम में हाथियों का उत्पात जारी

टमाटर, आलू, चना की फसल को किया नष्ट

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ वन क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथियों का उत्पात लगातार देखने को मिल रहा है। गुरुवार की रात्रि हाथियों के झुंड ने पिंडारकोम ग्राम में घुसकर आधा दर्जन से भी अधिक किसानों के खेतों में लगे आलू, टमाटर, चना आदि फसलों को नष्ट कर दिया। किसान के खलिहान में रखे धान को भी खाकर चट कर दिया है। किसान निर्मल यादव ने बताया कि खलिहान में रखा 6 क्विंटल धान, आलू की फसल, संजय यादव का आलू , चना, संतोष यादव आलू, सुभाष यादव का आलू, वकील ठाकुर का टमाटर 2 एकड़ में, आलू, मतलू गंझू के खलिहान में रखा धान 10 क्विंटल, एक सुवर का घर,सुमन देवी का मवेशी का घर ध्वस्त कर दिया। कुछ दिनों पूर्व सकलदीप यादव का चना, आलू, किशु गंझू का अल्बेस्टर का घर तोड़ा दिया था। आशीष गंझू का टमाटर 2 एकड़ में लगा खाकर नष्ट कर दिया। इससे किसानों में मायूसी है। किसान निर्मल यादव ने कहा कि भगवान इस बार साथ दिए अच्छी बरसात कर फसल भी

अच्छा हुआ, लेकिन हाथियों ने फसल को बर्बाद कर दिया। किसानों ने फसल का हुए नुकसान के मुआवजा की मांग की है। हाथी लगातार पास के जंगल में जमे हुए हैं, जिसे यथाशीघ्र दूर घने जंगल में भागने की राजद युवा नेता दीपक यादव ने मांग की है। उन्होंने कहा है कि ग्रामीण भय के साए में जीने को विवश हैं। वन विभाग को मुसीबत पर फोन लगाया जाता है तब वन विभाग आना तो दूर फोन तक नहीं उठाते हैं। उन्होंने जिले के डीसी से किसान एवं ग्रामीणों को इन हाथियों के उत्पात से निजात दिलाने की मांग की। मौके पर भाजपा युवा प्रखंड अध्यक्ष गंगेश्वर यादव , रजत, युवा महासचिव दिलीप यादव सहित ग्रामीण व किसान मौजूद रहे।

कार्यालय, नगर परिषद्, बिश्रामपुर (पलामू)

सैरात बंदोबस्ती आमंत्रण सूचना संख्या :– 27/2024–25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 एवं 2025–26 (01 जनवरी 2024 से 31 मार्च 2026 तक) के लिए निम्नलिखित सैरातों की बंदोबस्ती खुली डाक द्वारा दिनांक 22.12.2024 को पूर्वा0 11.00 बजे से थाना बिश्रामपुर के प्रागंण में की जायेगी।

1. बंदोबस्ती कर्ता का नाम – कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद्, बिश्रामपुर।
2. आवेदन प्राप्ति की तिथि – दिनांक 19.12.2024 से 20.12.2024 तक कार्यालय अवधि में 1000.00 (एक हजार रू0) प्रति आवेदन शुल्क जमा कर प्राप्त कर सकते है।
3. अवोदन जमा करने की तिथि – दिनांक 19.12.2024 से 21.12.2024 तक कार्यालय अवधि में जमा कर सकते है।

डाक बन्दोबस्ती की जाने वाली सैरातों की विवरणी :–

क्र0 सं0	सैरातों का नाम	सरकारी डाक की राशि	प्रतिभूति की राशि	डाक शुल्क (Non Refundable)
01	रेहला हाट (शुक्र बाजार) की बंदोबस्ती	200000.00	20000.00	1000.00
02	पंचमुखी मदिर, बिश्रामपुर हाट (बुधवार एवं रविवार) की बंदोबस्ती	250000.00	25000.00	1000.00

डाक में भाग लेने के इच्छुक डाकवक्ता कार्यालय नगर परिषद्, बिश्रामपुर द्वारा निर्गत आवेदन पत्र के साथ प्रतिभूति एवं डाक शुल्क की राशि ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करेंगे, जो कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद्, बिश्रामपुर के पदनाम से भारतीय स्टेट बैंक, बिश्रामपुर में देय होगा। आवेदन पत्र के साथ प्रतिभूति एवं डाक शुल्क की राशि जमा करने वाले व्यक्ति को ही बंदोबस्ती प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति प्रदान की जायेगी।

आवेदन पत्र एवं नियम शर्तों की विस्तृत जानकारी नगर प्रबंधक, नगर परिषद्, बिश्रामपुर से कार्यालय अवधि में प्राप्त की जा सकती है। डाक के नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पट्ट,/ https://udhd. jharkhand.gov.in /ULB/Bishrampur/Notices.aspx पर देखी जा सकती है।

प्रशासक,
नगर परिषद्, बिश्रामपुर

PR 341964 District(24-25).D

धान अधिप्राप्ति योजना का लाभ उठाएं किसान : डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण

- *2400 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान करेगी सरकार*
- *15 दिसंबर से प्रारंभ होगा धान अधिप्राप्ति का कार्य : उपायुक्त*
- *बिचौलियों को औने-पौने दाम में धान ना बेचकर धान अधिप्राप्ति केंद्रों पर ही जमा करें अपना उपजाया धान*

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने लोहरदगा जिला के सभी किसान भाईयों से अपील करते हुए कहा है कि खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले, झारखंड सरकार के निदेशानुसार खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के तहत धान अधिप्राप्ति का कार्य 15 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हो रहा है। इसके अंतर्गत इस वर्ष किसानों से क्रय किये जाने वाले धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल की दर से एवं बोनस के रूप में 100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा। धान अधिप्राप्ति की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। धान अधिप्राप्ति केंद्रों का चयन, राईस मिलों का चयन, अधिप्राप्ति केंद्रों पर आवश्यक उपकरणों का अधिष्ठापन, अधिप्राप्ति केंद्रों पर मानव बलों की प्रतिनियुक्ति का कार्य किया जा चुका है। जो भी किसान अपना धान विक्रय करना चाहते हैं वे खुले बाजार या बिचौलिये को ना देकर अपना धान सिर्फ अपने क्षेत्र के नजदीकी धान अधिप्राप्ति केंद्र या एफपीओ पर ही विक्रय करें। सभी किसान धान अधिप्राप्ति योजना का भरपूर लाभ उठाएं। धान अधिप्राप्ति केंद्रों पर 15 दिसंबर 2024 से साधारण किस्म का धान न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल एवं बोनस की राशि 100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से राज्य सरकार क्रय करेगी। वहीं ग्रेड ए किस्म की धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2320 रुपए प्रति क्विंटल एवं बोनस की राशि 100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों को राज्य सरकार भुगतान करेगी।

जिले में दो एफपीओ व 21 धान अधिप्राप्ति केंद्र

जिला में धान क्रय के लिए दो किसान उत्पादक समूह (एफपीओ) एवं 21 धान अधिप्राप्ति केंद्र (लैम्पस) का चयन किया गया है। इनमें लोहरदगा सदर प्रखंड में हेसल लैम्पस लि0, निंगनी लैम्पस लि0, मन्हो लैम्पस लि0, कुडू प्रखंड में कोलसिमरी लैम्पस लि0, ककरगढ़ लैम्पस लि0, कुडू लैम्पस लि0, लावागाई लैम्पस लि0, चंदलासो लैम्पस लि0, किस्को प्रखण्ड में किस्को लैम्पस लि0, अरैया लैम्पस लि0, हेसापीड़ी लैम्पस लि0, खरकी लैम्पस लि0, जोड़ा सखुआ एफपीओ, सेन्हा प्रखण्ड में सेन्हा लैम्पस लि0, बुटी लैम्पस लि0, अलौदी लैम्पस लि0, सुखसंपदा एफपीओ, बदला लैम्पस लि0, कैरो प्रखण्ड में सढ़ाबे लैम्पस लि0, हनहट लैम्पस लि0 और भण्डरा प्रखण्ड में भौरो लैम्पस लि0 शामिल हैं। सभी धान अधिप्राप्ति केंद्रों में पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है।

लोहरदगा पहुंचे पूर्व मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव का भव्य स्वागत, कहा कार्यकर्ता ही मेरी पूंजी है

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा के बरवाटोली स्थित विधायक कार्यालय में शुक्रवार को पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक डॉ रामेश्वर उरांव पहुँचे। जहाँ पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से उन्होंने मुलाकात किया। लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से दुबारा जीत पर उन्हें लोगो ने बधाई दिया। सभी वर्ग के लोग, एवं पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। मौके पर पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक डॉ रामेश्वर उराँव ने कहा की यह बड़ी जीत पार्टी कार्यकर्ताओं एवं लोहरदगा की जनता की जीत है। कार्यकर्ता ही मेरी पूँजी हैं जिनके अपार जनसमर्थन से रिकार्ड तोड़ जीत हासिल हुई। मैं इंडिया गठबंधन के सभी लोगों का धन्यवाद देता हूँ। जनता ने दुबारा आशीर्वाद देकर मुझे दुबारा विधायक बनाया है और मैं ईमानदारी से लोहरदगा ज़िला में बेहतर कार्य कर सेवा करूँगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष हाजी सकील अहमद, विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, रीना भगत, कमल केशरी, लालमोहन केसरी, सामूल अंसारी, संदीप गुप्ता, प्रभात भगत, पंकज जायसवाल, फादर जॉन टोप्पो, दीपक जयसवाल, जुगल भगत, अनीश अहमद, विनोद खेरवार,सीमा परवीन, विशाल डुंगडुंग, सम्भु प्रजापति, संजय नायक, अरसद अयूब,असलम अंसारी, नुसरत अंसारी, उल्फत अंसारी, मुनि उराँव, तरमानी उराँव, सुशीला देवी, सरिता देवी, कुणाल वर्मा, एनुल अंसारी, रेहान अख़्तर, दुर्गा उराँव, कैश आलम, आफताब आलम, आसिफ अंसारी, इमरोज अंसारी, राजू उराँव, दया उराँव, अनीता देवी, रंजन उराँव, मनौवर आलम, फारूख हुसैन, मुनीम अंसारी, सुशील उराँव, हरिदास उराँव, फगुआ उराँव,रौनक इकबाल, मनीस कुजूर, नसीम अंसारी, बालमणि उराँव, संतोष भगत, कबीर अंसारी, सुरेश केसरी, सैमुअल लकड़ा, निश्चय वर्मा आदि काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

न्यूज | बॉक्स

लोहरदगा में नाबालिग युवक को तीन साल कारावास की सजा

लोहरदगा। किशोर न्याय बोर्ड लोहरदगा के प्रधान न्यायाधीश जयास्मिता कुजूर की अदालत ने शुक्रवार को न्यायिक सुनवाई के पश्चात 15 वर्षीय नाबालिक आरोपी को तीन साल की सजा का फैसला सुनाया है। आरोपित नाबालिक युवक पर 366 ए एवं 376 के आरोप प्रमाणित होने पर पांच पांच हजार की अतिरिक्त अर्थदंड की सजा मिली है। इस संदर्भ में सहायक लोक अभियोजक चंदन राम गोंझु ने बताया कि, भंडारा थाना कांड संख्या 23/ 2021 में पीड़िता के परिजनों ने नाबालिक आरोपित युवक के विरुद्ध नामजद मामला दर्ज किया था। सहायक लोक अभियोजक चंदन राम गोंझु ने बताया कि, भंडरा थाना क्षेत्र की रहने वाली 12 वर्षीय नाबालिक युवती अपने घर से पुस्तक खरीदने के लिए निकली थी। रास्ते में 15 वर्षीय आरोपित नाबालिक युवक बलपूर्वक उसे अपने साथ लेकर रांची चला गया। रांची के एक होटल में तीन-चार दिनों तक नाबालिक पीड़िता को अपने साथ रखा था। इस दौरान आरोपित युवक कई बार पीड़िता से दुष्कर्म कर सेक्सुअल हरासमेंट किया। मामले की भनक मिलने पर पीड़िता के परिजनों ने भंडरा थाना में मामला दर्ज कराया था।

एलआरडीसी ने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर मूलभूत सुविधाएं का लिया जायजा

सेन्हा-लोहरदगा। पंचायत सेन्हा में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र एवं जीणोद्धार भवन का उप समाहर्ता ने निरीक्षण करते हुए पौष्टिक आहार एवं शिक्षा का लिया जायजा विदित हो कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड पंचायत का दौरा कर उप समाहर्ता ने आंगनबाड़ी केंद्र सेन्हा साहू मुहल्ला स्थित संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का निरक्षण करते हुए जीणोद्धार भवन एवं मॉडल आंगनबाड़ी का जायजा लिया साथ ही पौष्टिक आहार की जानकारी लेते हुए भवन जीणोद्धार कार्य का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी बच्चों से पौष्टिक आहार का जानकारी लिया गया और आवश्यक दिशा निर्देश आंगनबाड़ी केंद्र सेविका को देते हुए बेहतर तरीके से बच्चों के बीच शिक्षा का अलख जगाते हुए बच्चों को पढ़ाई के प्रति जगरुक करने पर जोर दिया गया। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र मॉडल होने पर व्यवस्था का जानकारी लिया गया। इसके अलावे पंचायत भवन सेन्हा के समीप संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का भी जायजा लिया गया।

कैटिगरी वन बालू घाट से संबंधित कार्यशाला का आयोजन

लोहरदगा। जिला परिषद लोहरदगा के सभागार में कैटिगरी वन बालू घाट से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस बैठक में जिला खनन पदाधिकारी लोहरदगा राजाराम प्रसाद, लोहरदगा जिला के कई अंचलाधिकारी सहित कई पंचायतो के मुखिया उपस्थित हुए इस मौके पर जिला खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद ने बालू घाटों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया । साथ ही साथ किस बालू घाट से संबंधित पंचायत की मुखिया के द्वारा आदेश अनुसार बालू की निकासी की जा सकेगी। साथ ही साथ संबंधित अंचलाधिकारी के दिशा निर्देश के आलोक में बालू घाटों से बालू की निकासी होगी किसी भी शर्त में बालू की अवैध कारोबार एवं अवैध निकासी नदियों से नहीं की जा सकेगी। इस मौके पर जिला खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद, कुडू अंचलाधिकारी मधुश्री मिश्रा सहित जिले एवं अंचल के कई पदाधिकारी चिरी पंचायत के मुखिया रामेश्वर लोहरा, सलगी पंचायत के मुखिया सुमित्रा उरांव, बड़की चापि पंचायत के उप मुखिया हेना तिवारी सहित विभिन्न पंचायत के मुखिया उपस्थित थे।

जिप अध्यक्ष से मिली बड़की चापी उपमुखिया

लोहरदगा। बड़की चापि पंचायत की उप मुखिया हेना तिवारी लोहरदगा जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी भगत से मिली। इस मौके पर हेना तिवारी ने जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी भगत से बड़की चापि पंचायत के सर्वांगीण विकास के संबंध में बातचीत की। साथ ही साथ उन्होंने जिला परिषद के माध्यम से बड़की चापि पंचायत में योजना देकर बड़की चापि पंचायत का विकास करने के संबंध में अनुरोध की। इस मौके पर पूर्व जिला परिषद सदस्य विनोद सिंह खेरवार, कांग्रेसी कार्यकर्ता मनीष कुमार शर्मा समेत अन्य उपस्थित थे।

बाइक दुर्घटना में दो घायल, एक रेफर

कुडू - लोहरदगा । कुडू लोहरदगा मुख्य पथ एनएच143 ए कुडू थाना क्षेत्र के कडाक गांव के समीप गुरुवार रात्रि करीब साढ़े सात बजे बाइक दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। जिसमें से एक को रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार लोहरदगा की ओर से लौट रही बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। इसमे बाइक सवार कुडू के जिमा निवासी बुदुआ मुंडा का 22 वर्षीय पुत्र छोटे मुंडा, और नवाटोली निवासी तेंबु उरांव का 21 वर्षीय पुत्र संदीप उराव गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को कुडू सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हेड इंजुरी होने के कारण छोटे मुंडा को रेफर कर दिया गया।

अदालत ने दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल की सुनाई सजा

लोहरदगा। लोहरदगा में एडीजे वन अखिलेश कुमार तिवारी की कोर्ट ने शुक्रवार को दुष्कर्म के आरोपी युवक अशरफ अंसारी को बीस साल की सजा का फैसला सुनाया। इस मामले पर लोक अभियोजक मिनी लकड़ा ने बताया कि, आरोपित युवक किस्को थाना के नवाडीह में गाय के गौशाला में मूक बधिर युवती के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने आरोपी अशरफ अंसारी को पूरे मामले में आरोपी मानते हुए बीस साल की सजा का फैसला सुनाया।

सड़क दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रुप से घायल

भंडरा। चट्टी-नगजुआ मुख्य पथ में ब्राह्मणडीहा गांव के समीप शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। जिसे स्थानीय ग्रामीणों की मदद से भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने घायलों को प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया है।

समाहरणालय, लातेहार

(भू–अर्जन शाखा)

समाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन की अधिसूचना

(देखें नियम 6 का उप–नियम(1))

संख्या– /भू0 अ0दिनांक–

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–4 के प्रावधनों के तहत् सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–217 दिनांक– 07.06.2024 के द्वारा राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक के लिए M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 के द्वारा उक्त परियोजना हेतुS.I.A.(Social Impact Assessment) करने के लिए सहमति दी गई है। एतद् द्वारा राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक हेतु ग्राम–रेंची चादर–I में भूमि का रकबा–**105.50**एकड़ भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करने हेतु अधिसूचना निर्गत की जाती है।

1. परियोजना का नाम :–राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक मौजा–रेंची अंचल–चन्दवा जिला लातेहार
2. ग्राम का नाम :–रेंची चादर–I थाना नं0–248 राजस्व, थाना–चन्दवा पुलिस स्टेशन–चनदवा जिला लातेहार
3. भूमि की विवरणी :–

क्र0 सं0	ग्राम का नाम	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	भूमि का वर्गीकरण	कुल खतियानी क्षेत्र (रकबा)	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	खतियानी रैयत का नाम	पूरा पता सहित वर्तमान रैयत का नाम	भू–अर्जन की जाने वाली भूमि का चौहदी
1	रेंची चादर –I	2	42	टांड़ दो	0.02	0.02	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी–निजग्राम पत्रालय शासन व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निजग्राम पत्रालय शासन व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति–उराँव निजग्राम पत्रालय शासन वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता–कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति– उराँव, निवासी–निजग्राम पत्रालय शासन।	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निजग्राम पत्रालय शासन व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति– उराँव, निवासी–निजग्राम पत्रालय शासन व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी–निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता–कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति– उराँव, निवासी– निजग्राम पत्रालय शासन।	उत्तर– सहदेव उरांव दक्षिण– सहदेव उरांव
2	रेंची चादर –I	2	44	टांड़ दो	1.02	1.02	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला । महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निवासी–निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन।	उत्तर– मोहन उरांव दक्षिण– रास्ता
3	रेंची चादर –I	2	46	टांड़ दो	0.21	0.21	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला । महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला । महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– निज दक्षिण– मोहन उरांव
4	रेंची चादर –I	2	48	टांड़ दो	0.23	0.23	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला । महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला । महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– केलिया उरांव दक्षिण– निज
5	रेंची चादर –I	2	52	टांड़ दो	0.12	0.12	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला । महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला । महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– बुद्ध महतो दक्षिण– करमा उरांव
6	रेंची चादर –I	2	53	टांड़ दो	0.70	0.70	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला । महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला । महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– बुद्ध महतो दक्षिण– केलिया महतो
7	रेंची चादर –I	2	54	टांड़ दो	0.15	0.15	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– बुद्ध महतो दक्षिण– केलिया महतो
8	रेंची चादर –I	2	58	टांड़ दो	1.08	1.08	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– केलिया उरांव दक्षिण– निज
9	रेंची चादर –I	2	71	मकान मय सहन	0.15	0.15	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी, निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला । महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– दक्षिण–
10	रेंची चादर –I	2	72	टांड़ दो	0.36	0.36	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– घनु महतो दक्षिण– रास्ता
11	रेंची चादर –I	2	73	टांड़ दो	0.30	0.30	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
12	रेंची चादर –I	2	74	टांड़ दो	0.28	0.28	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– घनु महतो दक्षिण– घनु महतो
13	रेंची चादर –I	2	75	टांड़ दो	0.16	0.16	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– अलियार महतो दक्षिण– अलियार महतो
14	रेंची चादर –I	2	76	टांड़ दो	0.16	0.16	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– नेमा महतो दक्षिण– घमु महतो
15	रेंची चादर –I	2	77	टांड़ दो	0.32	0.32	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– नेमा महतो दक्षिण– अलियार महतो
17	रेंची चादर –I	2	79	टांड़ दो	0.17	0.17	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– निज दक्षिण– नेमा महतो
18	रेंची चादर –I	2	80	टांड़ दो	0.41	0.41	अलियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	लियार महतो वो धलू महतो, पिता–गुजरा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व नेमा महतो वो राजे महतो वो उमा महतो, पिता–लाला महतो एक अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व फुलो, पति सुखारी महतो दो अंश, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन। व वुद्ध महतो वो बिहारी महतो, पिता कोल्हा महतो दो अंश समान, जाति उराँव, निवासी निजग्राम पत्रालय शासन	उत्तर– निज दक्षिण– घनु महतो

ह0/–
उपायुक्त, लातेहार।

PR 341890 Land Reforms(24-25)D

गुमला में केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर का दौरा

आकांक्षी जिला कार्यक्रम में विकास कार्यों की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

भारत सरकार के बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने शनिवार को गुमला जिले का दौरा किया और आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। यह बैठक चंदाली स्थित समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई, जहां मंत्री ने विभिन्न विभागीय योजनाओं की गहराई से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में गुमला के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो, परियोजना निदेशक रीना हांसदा समेत अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, जल जीवन मिशन और रोजगार सृजन जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

स्वास्थ्य में उत्कृष्ट प्रगति

मंत्री को बताया गया कि जिले में 93% संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कर मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी लाई गई है। सिकल सेल एनीमिया मुक्त अभियान के तहत जिले में व्यापक स्तर पर जांच और जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। साथ ही, नियमित स्वास्थ्य शिविरों से ग्रामीणों तक सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। मंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र में हुई इस प्रगति को प्रेरणादायक बताया।

महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार के प्रयास

बैठक में प्रोजेक्ट किशोरी और रागी मिशन के तहत महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई। स्वयं सहायता समूहों द्वारा सेनेटरी पेड का निर्माण और वितरण, तथा रागी उत्पादों के उत्पादन और प्रसंस्करण से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। मंत्री ने इन प्रयासों की सराहना की और महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में इसे एक अनुकरणीय कदम बताया।

मंत्री ने की सराहना और दिए निर्देश

मंत्री शांतनु ठाकुर ने गुमला की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे देश के अन्य जिलों के लिए प्रेरणादायक मॉडल बताया। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं को और प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए और कहा कि ये प्रयास स्थानीय विकास के साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी एक मिसाल कायम करेंगे।

थाना प्रभारी कंचन प्रजापति को विस चुनाव में उत्कृष्ट कार्य के लिए एसपी ने किया सम्मानित

भरनो (गुमला)। गुमला जिले के भरनो थाना प्रभारी कंचन प्रजापति को विधानसभा चुनाव 2024 में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के लिए गुमला एसपी शम्भू कुमार सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसपी शम्भू कुमार सिंह ने कहा कि थाना प्रभारी कंचन प्रजापति ने चुनाव के दौरान अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी लगन, मेहनत और रुचि के साथ किया। उनके अथक प्रयासों और कुशल नेतृत्व के परिणामस्वरूप चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

एसपी ने कहा की कंचन प्रजापति का कार्य उत्कृष्ट और सराहनीय है। उनके प्रयासों से चुनाव के दौरान विधि-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण बेहतरीन रहा। उनकी कर्तव्यनिष्ठा और प्रतिबद्धता अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणा है। इस सम्मान समारोह में एसपी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अपेक्षा की कि वे भविष्य में भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

बिजली की चपेट में आने से एक बैल की हुई मौत

सिसई (गुमला)। शुक्रवार को बरगांव में बिजली तार की चपेट में आने से एक बैल की मृत्यु हो गई। जानकारी मिली कि बरगांव निवासी आनंद साहू सुबह छः बजे अपने बैल को खेत में काम करने के लिए लेकर जा रहे थे। उसी दौरान जमीन पर गिरे बिजली तार के चपेट में बैल आ गया । और घटनास्थल पर ही उसकी मृत्यु हो गई है। जिससे आनंद साहू बहुत दुखी हैं, वे एक किसान हैं, और उनके कृषि कार्य के लिए बैल ही एक मात्र सहारा था। इस घटना से किसान को लगभग रुपए (35,000) पैंतीस हजार का आंशिक रूप से नुकसान हुआ है। किसान ने इसकी क्षतिपूर्ति के लिए प्रशासन से गुहार लगाई है।

शादी की नीयत से लड़की भगाने का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

गुमला। पुसो पुलिस ने शादी की नीयत से लड़की भगाने के आरोप में लोहरदगा जिले के बेदाल गांव निवासी श्रवण महतो (20) को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। थाना प्रभारी प्रकाश तिर्की ने जानकारी देते हुए बताया कि सुरसा गांव निवासी एक व्यक्ति ने श्रवण महतो पर अपनी बेटी को बहला-फुसलाकर शादी की नीयत से भगाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले की जांच और आरोपी की तलाश के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने श्रवण महतो को उसके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है, जबकि लड़की को परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

एस ड्राइव अभियान के तहत कामडारा पुलिस ने दो वारंटियों को गिरफ्तार किया

गुमला। कामडारा पुलिस ने एस ड्राइव अभियान के तहत दो फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर गुमला जेल भेज दिया। थाना प्रभारी शशि प्रकाश ने बताया कि गिरफ्तार वारंटियों में पहला सैमुअल आईंद (पिता पास्कल आईंद), ग्राम नोनछापर, तुरबूल निवासी है। वह उग्रवादी संगठन पीएलएफआई से जुड़े मर्डर केस का अभियुक्त है और लंबे समय से फरार चल रहा था। दूसरा वारंटी सुभाष साव (पिता कपिल साव), ग्राम टुरुण्डू निवासी है। उसके खिलाफ पत्नी के साथ मारपीट का मामला कोर्ट में चल रहा था, जिसमें उसके विरुद्ध वारंट जारी किया गया था। पुलिस ने दोनों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की।

अमलीया पंचायत में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित

गुमला। भरनो प्रखंड के अमलीया पंचायत स्थित अमलीया कल्याणपुर गांव में प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. अमरेश नारायण सिन्हा के नेतृत्व में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 25 बकरियों और 4 बैलों का खुरहा-चपका, कृमि रोधी, और लिवर से संबंधित बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया गया। इसके अलावा, पशुपालकों को मुफ्त दवाइयां वितरित की गईं और पशुओं में होने वाले रोगों के इलाज और बचाव के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। डॉ. अमरेश नारायण सिन्हा ने बताया कि यह शिविर भरनो प्रखंड के अन्य छह पंचायतों में अलग-अलग दिनों में भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने पशुपालकों से इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इस शिविर का उद्देश्य पशुपालकों को जागरूक करना और पशुओं को बीमारियों से बचाकर उनकी सेहत बेहतर बनाना है।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा जारी में शिक्षकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

गुमला (जारी)। जारी प्रखंड के रा. उत्क्रमित उच्च विद्यालय जारी के सभागार में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की ओर से हिन्दी और अंग्रेजी विषय के शिक्षकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को बच्चों को बेहतर तरीके से पठन-पाठन कराने की तकनीक सिखाना था। इसमें गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धतियों पर विशेष जोर दिया गया। शिक्षकों को आधूरी कहानी को पूरा करने, चित्रों के माध्यम से कहानी सुनाने और अन्य रचनात्मक विधियों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में उपस्थित शिक्षकों ने इस आयोजन को बेहद लाभकारी बताया और इसे अपनी शिक्षण पद्धति में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉक्टर महेन्द्र भगत नहीं रहे, क्षेत्र में शोक की लहर

नवीन मेल संवाददाता। बसिया(गुमला)

हृदयाघात के कारण बसिया के पालकोट मुख्यालय स्थित जनता क्लिनिक के लब्धप्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ.महेन्द्र भगत के मौत की सूचना है। इस क्षेत्र में डॉ.भगत की पहचान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता की भी थी और भाजपा ने उन्हें विगत 2019 में कोलेबिरा विधानसभा चुनाव क्षेत्र से अपना उम्मीदवार भी बनाया था। मिली जानकारी के अनुसार डॉ.भगत पूरी तरह से स्वस्थ थे और गुरुवार को भी नियमित तौर पर मरीजों को देखने का काम किया। शाम के समय वे अपने एक रिश्तेदार के यहां से किसी के अंतिम संस्कार में भाग लेकर पालकोट स्थित अपने आवास लौटे और खाना खाकर सोने चले गए। इस सामान्य सी गतिविधि के बीच रात साढ़े नौ बजे के आसपास में उनकी तबियत बिगड़ गई और देखते देखते उनके मौत की सूचना बाहर आई। कयास लगाया जा रहा है कि हृदय गति रूक जाने से अचानक उनकी मौत हो गई है। डॉ.भगत की मौत से पूरा क्षेत्र स्तब्ध होकर रह गया है और पालकोट व उसके आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई है।

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी की राज्य स्तरीय बैठक 15 दिसंबर को रांची में आयोजित

गुमला। संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी की राज्य स्तरीय बैठक 15 दिसंबर 2024 को रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित होगी। इस बैठक में गुमला जिले से प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य भी भाग लेंगे। बैठक का आयोजन सुबह 11 बजे से शुरू होगा। बैठक में राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात, नई सरकार के गठन के बाद उत्पन्न जन समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

पूरे प्रखंड में 20 से 30 दिसंबर तक तुलसी पूजन महोत्सव एक पखवाड़ा के रूप में मनाया जायेगा

सिसई (गुमला)। शुक्रवार को हिंदू जागरण समिति के प्रदेश परावर्तन प्रमुख संजय वर्मा जी के पिल्खीमोड़ स्थित आवास में हिंदू जागरण समिति के द्वारा तुलसी पूजन को लेकर एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। साथ ही हिंदु जागरण समिति सिसई के सदस्यों का चयन किया गया। इस बैठक में मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश संयोजक ऋषिनाथ शाहदेव एवं झारखंड प्रदेश सदस्य बानी कुमार राय शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से सिसई प्रखण्ड के सभी पंचायतों में तुलसी पूजन, धमार्नंतरण व मतांतरण की रोकथाम, तथा बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार, और सभी हिंदुओं को एकजुट होकर रहने को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गयी। सबसे पहले हिंदू जागरण समिति के झारखंड प्रदेश परावर्तन प्रमुख ने कहा कि सिसई प्रखण्ड के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत बनाने हेतु तुलसी पूजन के लिए बैठक करते हुए। प्रत्येक ग्राम को मजबूत किया जायेगा। और उन्होंने कहा कि आगामी 25 दिसंबर को तुलसी दिवस है। इस अवसर पर हिंदू जागरण समिति के द्वारा पूरे सिसई प्रखण्ड में 20 दिसंबर से लेकर 30 दिसंबर तक तुलसी पूजन महोत्सव एक पखवाड़ा के रूप में मनाया जायेगा। एवं दो जनवरी को इसका समापन किया जायेगा। झारखंड प्रदेश सदस्य बानी कुमार राय ने धमार्नंतरण के प्रति लोगों को किया जागरूक बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए। उन्होंने कहा कि हम सभी शक्ल से भारतीय हैं, लेकिन अक्ल से भारतीय नहीं हैं। क्योंकि आज शिक्षा के माध्यम से लोगों को धमार्नंतरित मतानंतरित किया जा रहा है। इसके लिए हर क्षेत्र में मिशनरीज विद्यालय खोले गए हैं। अगर अभी हमलोग नहीं संभले तो आने वाले समय में हमलोगों के समक्ष विकराल समस्या आनेवाला है। झारखंड प्रदेश संयोजक ऋषिनाथ शाहदेव जी ने सनातन धर्म को साजिश के तहत तोड़ने और बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार पर लोगों को अवगत कराते हुए कहा कि आज आये दिन हमारे धर्म के ऊपर प्रतिघात किया जा रहा है। 24 और 25 दिसंबर को हमारे सनातन धर्म में तुलसी पूजा का दिन है, लेकिन शिक्षानीति के कारण या षड्यंत्र के तहत मिशनरिओं के द्वारा क्रिसमस डे के रूप में मनाते हैं।

नवनिर्वाचित विधायक ने निकाला विजय जुलूस

आमजन का जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता। बसिया(गुमला)

विधानसभा चुनाव में भारी मतों से विजयी होने का उत्साह आज बसिया के सड़कों में बखूबी दर्ज किया गया। इस उत्साह के कारण झामुमो-कांग्रेस समर्थकों के द्वारा यहाँ नवनिर्वाचित विधायक जिग्गा सुसारन होरो की उपस्थिति में दमदार विजय जुलूस का आयोजन किया गया। यह जुलूस बसिया देबीगूड़ी चौक से शुरू होकर मेन रोड होते हुए कोनबीर नवाटोली स्थित मिशन मैदान पर जाकर समाप्त हुआ। इस दौरान विधायक श्री होरो ने एक तरफ जहां आम लोगों का अभिवादन स्वीकार किया वहीं दूसरी तरफ स्वतंत्रता सेनानी स्व.खुदी साहु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सदानों को अपने पक्ष में करने का जमकर प्रदर्शन भी किया। इस जुलूस में उनके समर्थक डीजे साउंड और आतिशबाजी के साथ झुमते नजर आए। इस दौरान सुसज्जित खुले वाहन से विधायक जिग्गा सुसारन होरो ने सिसई विधानसभा क्षेत्र में प्रचंड जीत और झारखंड में गठबंधन सरकार बनने की सभी को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। आयोजित कार्यक्रम में सुकरात उराँव, उमेश नाग, अलीम खान, जयंत दास, बिश्वाशी कुजूर, संजय कुजूर, जीवन मशीह, यमुना प्रसाद, एमलेन कुल्लू ,जसिंता बारला, अमित बघवार, जब्बार खान, अंकित चौधरी, अमित तिवारी, काजू साहु, दिनेश साहु बिकास साहु, जेडी नायक, मुंतजिर खान, गौरी शंकर चौधरी, सुनीता तोपनो सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस-झामुमो के कार्यकर्ता व समर्थकों की उपस्थिति दर्ज की गई।

सिलम पंचायत में कृषि जागरूकता रैली सह सभा का हुआ आयोजन

गुमला। रायडीह प्रखंड अंतर्गत सिलम पंचायत में कृषि जागरूकता रैली सह सभा का आयोजन पंचायत मुखिया वीरेंद्र उरांव के नेतृत्व में किया गया। रैली पंचायत कार्यालय परिसर से शुरू होकर मुख्य सड़क होते हुए सिलम बाजार तक पहुँची, जहां यह सभा में परिवर्तित हो गई। रैली के दौरान सैकड़ों किसानों ने उत्साहपूर्वक नारे लगाए, जैसे हम सभी ने ठाना है, सिलम पंचायत में हरित क्रांति लाना है और गाय-बकरी चराना है, सालभर खेती करना है। सभा में किसानों को संबोधित करते हुए समाजसेवी और पूर्व पंचायत समिति सदस्य खुशमन नायक ने कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला और किसानों को नियमित खेती करने और पशुपालन को बढ़ावा देने की प्रेरणा दी। मुखिया वीरेंद्र उरांव ने कहा कि पारिवारिक जीवन को सुखी और संपन्न बनाने के लिए पंचायत के सभी किसानों को संगठित होकर खेती करनी चाहिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हरखमण बड़ाइक, संजय मिंज, हरि मोहन बैगा, अगस्टिन एक्का, भरत प्रधान, और कई अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच संचालन संजीव कुमार उरांव ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मांगू उरांव ने दिया। इस आयोजन में सिलम पंचायत के राजस्व ग्राम सिलम, कुलमुंडा, पाकर टोली और लुदाम कोठा टोली के सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

विदाई समारोह का हुआ आयोजन

गुमला। राजकीय कन्या बालिका मध्य विद्यालय, पालकोट की शिक्षिका बेर्नादत मघिया के सेवा निवृत्ति के अवसर पर पालकोट प्रखंड के शिक्षकों और शिक्षिकाओं ने विदाई समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) बिजय उरांव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बीडीओ बिजय उरांव ने शिक्षिका बेर्नादत मघिया को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनके नये जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा की शिक्षा का प्रकाश हमेशा बांटते रहें और समाज को प्रेरित करें। उन्होंने अपनी विशेष शैली में कहा की हम ओस के बूंद हैं, सागर से मिलने के लिए सागर खुद हमारे पास आएगा। विदाई समारोह में तापकारा और झिकिरीमा के मुखिया ने भी शिक्षिका की सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

वार्ड 21 में जर्जर सड़क और दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या ने बढ़ाई नागरिकों की चिंता

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 21 में डीएसपी रोड से केदार बगान मोड़ तक की सड़क की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। इस सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे आवागमन में भारी परेशानियां उत्पन्न हो रही हैं। रोजाना सैकड़ों स्कूली वाहन इसी मार्ग से होकर नेट्रोडेम स्कूल पहुंचते हैं, जो वार्ड के बच्चों के लिए मुख्य संपर्क पथ है।

हाल ही में एक स्कूली वाहन सड़क पर हुए गड्ढे में फंसने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक बच्ची का हाथ भी टूट गया। इस घटना के बाद आक्रोशित महिलाओं ने सड़क को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने नगर परिषद के प्रशासक को ज्ञापन सौंपकर सड़क की शीघ्र मरम्मत और खुली नाली पर स्लैब लगाने की मांग की है।

वार्ड की निवर्तमान पार्षद शैल मिश्रा का कहना है कि इस सड़क की खस्ता हालत और खुली नाली नागरिकों के लिए खतरे का सबब बन गई है। उन्होंने बताया कि इस सड़क से निकलने वाले वाहन कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। हाल ही में हुई दुर्घटना ने इस समस्या को और उजागर कर दिया है।

नगर परिषद के प्रशासक ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही सड़क की मरम्मत का आश्वासन दिया है। लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र मरम्मत कार्य नहीं हुआ, तो सड़क पर और भी दुर्घटनाएं हो सकती हैं, जिससे लोगों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है।

इस समस्या के समाधान के लिए स्थानीय लोगों ने जल्द ही ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि सड़क की खस्ता हालत और खुले नाली के कारण होने वाले हादसों को रोका जा सके। नगर परिषद को इसे प्राथमिकता के आधार पर जल्द सुधारने की जरूरत है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गढ़वा

पत्रांक – गढ़वा/ शुद्धि पत्र दिनांक –

दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित Advertisement P.R. No- 340342, Received on 26.11.2024 (WRD/MID/GARHWA /03F2/2024-25) पुरानपानी मध्यम सिंचाई योजना का जीर्णोद्वार कार्य ग्राम– खजुरी, पंचायत– परसवार, प्रखण्ड– बड़गड़, गढ़वा का ई0 निविदा आमंत्रित की गयी है, जिसमें दिनांक 22.12.2024 को रविवारीय अवकाश पड़ जाने के कारण आंशिक संशोधन करते हुए ई0 निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं निविदा शुल्क और EMD ऑनलाईन जमा करने की अन्तिम तिथि 22.12.2024 के स्थान पर 23.12.2024 तथा ई0–निविदा खुलने की तिथि 23.12.2024 के स्थान पर 24.12.2024 पढ़ा जाय, अन्य शर्तें पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गढ़वा

PR 341973 (Minor Irrigation)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गढ़वा

शुद्धि पत्र

पत्रांक – गढ़वा/दिनांक –

दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित Advertisement P.R. No- 340340, Received on 26.11.2024 (WRD/MID/GARHWA/04F2/2024-25) बलहा मध्यम सिंचाई योजना का जीर्णोद्वार कार्य ग्राम– कोरवाडीह, पंचायत– कोरवाडीह, प्रखण्ड– गढ़वा, जिला– गढ़वा का ई0 निविदा आमंत्रित की गयी है, जिसमें दिनांक 22.12.2024 को रविवारीय अवकाश पड़ जाने के कारण आंशिक संशोधन करते हुए ई0 निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं निविदा शुल्क और EMD ऑनलाईन जमा करने की अन्तिम तिथि 22.12.2024 के स्थान पर 23.12.2024 तथा ई0–निविदा खुलने की तिथि 23.12.2024 के स्थान पर 24.12.2024 पढ़ा जाय, अन्य शर्तें पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गढ़वा

PR 341970 Minor Irrigation(24-25).D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (जिला कृषि कार्यालय, लातेहार)

किसान भाईयों के लिए आवश्यक सूचना

सरकार के प्रभारी सचिव, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड, राँची का पत्रांक–2900 दिनांक 12.12.2024 के आलोक में खरीफ विपणन मौसम 2024–25 में 15 दिसम्बर, 2024 से धान अधिप्राप्ति का कार्य प्रारंभ होना है। इस वर्ष किसानों को क्रय किये जाने वाले धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य रूपये 2300/– प्रति क्वींटल की दर से एवं बोनस रूपये 100/– प्रति क्वींटल की दर से भुगतान किया जाना है।

अतः जिले के सभी किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि आप अपना पंजीकरण प्रज्ञा केन्द्र के माध्यम से करा सकते हैं एवं धान बिक्री हेतु अपने–अपने ग्राम/पंचायत में अवस्थित धान अधिप्राप्ति केन्द्र (लैम्पस/पैक्स) में दिनांक 15 दिसम्बर, 2024 से बिक्रय कर सकते हैं।

निवेदक
जिला कृषि पदाधिकारी
लातेहार

PR 341947 (Agriculture)24-25*D

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू
(समाज कल्याण शाखा)
Email ID - dswopalamau@gmail.com

गर्म पोशाक (पैजामा) क्रय हेतु अति अल्पकालीन निविदा सूचना

उपायुक्त–सह–अध्यक्ष, DMFT, पलामू के आदेशानुसार पलामू जिला अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत 03–06 वर्ष तक के बच्चों के लिए गर्म पोशाक (पैजामा) का क्रय/आपूर्ति हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदादाता द्वारा Double Envelop System पद्धति के अनुरूप मुहरबन्द लिफाफे में तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पलामू के कार्यालय में दिनांक 23.12.2024 को अपराह्न 01:00 बजे तक प्राप्त की जायेगी। प्राप्त निविदा को दिनांक 23.12.2024 को ही अपराह्न 03:00 बजे गठित जिला क्रय समिति/निविदा निस्तारण समिति द्वारा समाहरणालय सभागार (ब्लॉक–ए) में निविदादाता अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा, जिसमें निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि गर्म पोशाक (पैजामा) के नमूने के साथ भाग लेंगे।

निविदा की शेष शर्ते जिले के अधिकारिक वेबसाईट–www.palamu.nic.in एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त,
पलामू

PR 341920 District (24-25)_D

विधान सभा आम चुनाव 2024
कार्यालयः- जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त, पलामू
(व्यय लेखा जाँच कोषांग)

प्रेस विज्ञप्ति

विधान सभा आम चुनाव 2024, निमित्त विधान सभा क्षेत्र 75–पाँकी, 76–डालटनगंज 77–विश्रामपुर, 78–छतरपुर एवं 79– हुसैनाबाद के अन्तर्गत सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि निर्वाचन व्यय लेखा पंजी को अंतिम रूप से भरकर समर्पित करने के लिए अभ्यर्थी/प्राधिकृत अभिकर्ताओं को संक्षिप्त व्यय विवरणी को विहित प्रपत्र में भरने हेतु एक दिवसीय फैसिलिटेशन कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण तथा लेखा समाधान (Account Reconcilliation meeting) बैठक हेतु तिथि एवं स्थान निम्नवत् निर्धारित किया जाता है–

प्रशिक्षण एवं फैसिलिटेशन कार्यक्रम	दिनांक 16.12.2024 समय 10:00 AM से 05:00 PM तक	राज्य–कर संयुक्त आयुक्त का कार्यालय
लेखा समाधान बैठक	दिनांक 19.12.2024 समय 11:00 बजे पूर्वाह्न	समाहरणालय सभागार, पलामू

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह– उपायुक्त, पलामू

PR 341899 Palamu(24-25)#D

संपादकीय

कोयला व पेट्रोलियम आधारित ऊर्जा के विकल्प को बढ़ावा

ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा दक्षता के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की पहल के तहत शुक्रवार से राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह शुरू हो रहा है, जो 20 दिसंबर तक चलेगा। बिजली उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ने और बिजली आपूर्ति गुणवत्ता में सुधार के साथ, भारत में बिजली की मांग पिछले एक दशक में 2.3 गुना बढ़ चुकी है और आगे बढ़ ही रही है। इस वर्ष गर्मी में कई राज्यों में विद्युत वितरण ढांचे की विफलता के चलते बिजली कटौती देखी गई, जिससे नए थर्मल पावर प्लांट्स की मांग पैदा हुई है। ऐसे में ऊर्जा दक्षता या बिजली की प्रत्येक यूनिट से अधिकतम कार्य करना, अक्षय ऊर्जा से बिजली उत्पादन करने जितना ही महत्वपूर्ण है, ताकि ग्लोबल वार्मिंग और इससे बिजली की मांग में वृद्धि का दुष्चक्र तोड़ा जा सके।आज भारत एक रुपये के सकल घरेलू उत्पाद के सृजन में दस साल पहले की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत कम ऊर्जा इस्तेमाल करता है। इस सुधार में सबसे बड़ा योगदानकर्ता औद्योगिक क्षेत्र है, जो ह्यपरफॉर्म, अचीव एंड ट्रेडह्ल (पीएटी) योजना के माध्यम से काम करता है। उपकरणों के लिए न्यूनतम ऊर्जा खपत मानक और उजाला कार्यक्रम से एलईडी बल्ब आने से बहुत बदलाव हुए हैं। ये कार्यक्रम भविष्य में भी बिजली की खपत में कमी लाते रहेंगे। ऊर्जा दक्षता को विश्वसनीय व लाभकारी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है? पहला, एक ऊर्जा-कुशल अर्थव्यवस्था को बिजली खपत बढ़ाने का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि बिजली सर्वाधिक कुशल ऊर्जा स्रोत है। हम जितना अधिक बिजली इस्तेमाल की तरफ बढ़ते हैं, हमारी विकासशील अर्थव्यवस्था उतनी ही ज्यादा ऊर्जा कुशल बनती है। सीईईडब्ल्यू का विश्लेषण बताता है कि 2070 में नेट-जीरो उत्सर्जन वाली भारतीय अर्थव्यवस्था में बिजली की खपत दोगुनी होगी। इसलिए, सरकारों को ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए खाना पकाने, आवागमन और औद्योगिक प्रक्रियाओं में ऊर्जा उपयोग का एकीकृत नजरिया अपनाना चाहिए और उन्हें पारंपरिक ईंधनों से बिजली की तरफ ले जाना चाहिए। यहां राज्य सरकारों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि बिजली वितरण, औद्योगिक विकास, शहरी नियोजन, परिवहन, रियल एस्टेट और अन्य कई क्षेत्रों का प्रशासन उनके पास है। इस लिहाज से राजस्थान की ड्राफ्ट एनर्जी पॉलिसी 2050 और मुंबई का क्लाइमेट एक्शन प्लान अच्छा उदाहरण पेश करते हैं, जिनमें ऊर्जा-उपयोग के लिए एक दीर्घकालिक रास्ता तैयार किया गया है। दूसरा, स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों में निवेश आकर्षित करने के लिए बिजली मूल्य निर्धारण में सुधार होना चाहिए। बिजली शुल्क को लागत-आधारित बनाना होगा, जिसमें योग्य उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष सब्सिडी देने की व्यवस्था हो। वित्त वर्ष 2023 में सरकारों ने बिजली उपयोग के लिए गैर-लक्षित सब्सिडी में लगभग 1.6 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। ऐसी गैर-लक्षित सब्सिडी नुकसानदेह है, क्योंकि इसमें जरूरतमंद उपभोक्ताओं की तुलना में बड़े उपभोक्ताओं को ज्यादा सब्सिडी मिलती है। तीसरा, उपभोक्ताओं को न केवल अपनी बिजली खपत, बल्कि उस खपत और बिल को उपयुक्त बनाने वाले बेहतर उपायों की जानकारी होना भी जरूरी है। बीईई का आकलन है कि एसी चलाने के तापमान यानी एसी सेट पॉइंट टेंपरेचर में प्रत्येक एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी उसके मासिक बिल में छह प्रतिशत कमी ला सकती है। अगर एसी के ट्रिगर टेंपरेचर (जब एसी ऑन करने की जरूरत महसूस होती है) को सिर्फ दो डिग्री सेल्सियस बढ़ा दिया जाए, तो 2031 तक बिजली खपत में लगभग 25 प्रतिशत कमी आ सकती है।

मातृभाषा से अन्य भाषा तक भारतीयता की विशिष्ट पहचान को पुनर्जीवित करना

धर्मेन्द्र प्रधान

भारतीय भाषा उत्सव, हमारी विविध भाषाई विरासत को मनाने और 11 दिसम्बर को श्रद्धेय महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर 4 से 11 दिसम्बर तक मनाया जा रहा है। एक सप्ताह का उत्सव वर्तमान में सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में चल रहा है। 'भाषाओं के माध्यम से एकता' इस वर्ष के समारोह का मुख्य विषय है, जो भारत की सभ्यता की विशिष्ट पहचान है। अभी कुछ महीने पहले, 3 अक्टूबर, 2024 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पाँच भाषाओं - मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा देकर एक तरह का इतिहास रच दिया, इस प्रकार तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया जैसी पहले से मान्यता प्राप्त छह अन्य शास्त्रीय भाषाओं के दायरे का विस्तार किया। भारत की उत्कृष्ट भाषाई विरासत की गहन स्वीकृति के रूप में, यह घोषणा उन सभी लोगों के लिए अत्यंत गौरव की बात है जिनकी ये भाषाएं मातृभाषा है।

भारत की विविध भाषाएँ भारतीयता की अभिव्यक्ति हैं और ये हमारी भारतीय ज्ञान प्रणाली का अभिन्न अंग हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार, सभी भारतीय भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ हैं और वे भारतीयता की आत्मा हैं और इसलिए सम्मान की पात्र हैं। भाषाई विविधता राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लक्ष्य को साकार करने में मदद करती है। इसलिए, प्रत्येक व्यक्ति को भाषाई गौरव को सम्मान की निशानी के रूप में धारण करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर भी इसका उदाहरण दिया जब उन्होंने जोर देकर कहा, मैं संयुक्त राष्ट्र में भी गर्व के साथ भारत की भाषाएँ बोलता हूँ। अगर श्रोताओं को तालियाँ बजाने में थोड़ा समय लगे, तो लगे। यह कथन भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है और भाषाई गौरव के मूल्य को उजागर करता है।

भारत एक ऐसी भूमि है जहाँ न केवल अनेक भाषाएँ हैं, बल्कि एक दूसरे का सम्मान भी करती हैं। यह एक से अधिक भाषा के उत्कृष्ट इस्तेमाल का सटीक उदाहरण है। हमारी भाषाई विविधता एक समृद्ध, जटिल ताने-बाने का निर्माण करती है, जो हमारी राष्ट्रीय पहचान को एक साथ बुनती है और साथ ही देश की एकता को विविधता के बीच पोषित करती है। औपनिवेशिक

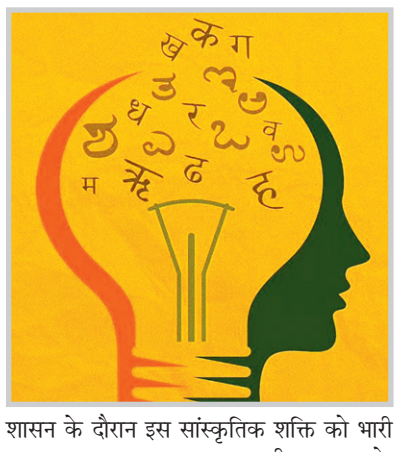

शासन के दौरान इस सांस्कृतिक शक्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ा। 2 फरवरी 1835 को, थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसे ₹मैकालेज मिनट ऑन इंडियन एजुकेशन₹ के रूप में जाना जाता है, जिसमें देशी भाषाओं पर अंग्रेजी को प्राथमिकता दी गई थी, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश हितों के प्रति वफादार भारतीयों का एक वर्ग बनाना था, जो पीढ़ियों को उनकी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों से अलग कर रहा था। तब से, उपनिवेशवाद का दीर्घकालिक प्रभाव काफी लंबे समय तक रहा, जिसने हमारे सांस्कृतिक और भाषाई गौरव को गंभीर चोट पहुंचाई है।

भारत में भाषाई जनसांख्यिकी समृद्ध और विविध है, जिसमें से अस्सी प्रतिशत आबादी खुद को गैर-अंग्रेजी, मूल भाषा बोलने वालों के रूप में पहचानती है। गहन शिक्षा के मूल में मातृभाषा है। हमारी भाषाएं केवल संचार के उपकरण नहीं हैं - वे इतिहास, परंपराओं और लोककथाओं के भंडार हैं, जो पीढ़ियों के सामूहिक ज्ञान को संरक्षित करती हैं और एक अद्वितीय विश्वदृष्टि प्रदान करती हैं। रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता से भरपूर बच्चे तब फलते-फूलते हैं जब उनकी शिक्षा उनकी मूल भाषा में शुरू होती है। अपनी मातृभाषा में एक प्राइमर घर से कक्षा तक एक निर्बाध पुल का निर्माण करता है, उन्हें 'मातृ' भाषा से 'अन्य' भाषा तक का मार्गदर्शन - बोलने से लेखन, शब्दावली से शब्दार्थ और भाषा से विषय की समझ में परिवर्तन करता है। जैसा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने मार्मिक रूप से कहा था, एक बच्चा पाठ्यपुस्तकों से नहीं, बल्कि अपनी माँ से बोलना सीखता है। मातृभाषा में शिक्षा बुनियादी समझ से लेकर जटिल विचार तक स्वाभाविक प्रगति को बढ़ावा देती है।

भारत की भाषाई विविधता बौद्धिक और सांस्कृतिक संपदा का खजाना है। कश्मीर की बर्फ से ढकी चोटियों से लेकर कन्याकुमारी के धूप से सराबोर तटों तक और कच्छ के बंजर विस्तार से लेकर कोहिमा की हरी-भरी पहाड़ियों तक, हमारी भाषाएँ हमारे लोगों को अंदर से जोड़ती हैं। बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाना न केवल उनकी विरासत से जुड़ाव को बनाए रखता है बल्कि उन्हें भविष्य के लिए तैयार भी करता है। मातृभाषा में एक मजबूत नींव रखकर, हम बच्चों को अधिक आसानी और समझ के साथ अन्य भाषाओं और विषयों में महारत हासिल करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने इस दृष्टिकोण को पूरी तरह अपनाया है। अपनी भाषाई विरासत को पुनः प्राप्त करने की कोशिश करते हुए, एनईपी ने मातृभाषा को प्रारंभिक शिक्षा के केन्द्र में रखा है, यह स्वीकार करते हुए कि भाषा केवल सीखने का एक साधन नहीं है, बल्कि पहचान को आकार देने, आत्मविश्वास का निर्माण करने और संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देने का एक मुख्य घटक है। एनईपी 2020 बेहतर शिक्षण परिणामों के लिए विभिन्न भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण और अध?ययन सामग्री तक समान पहुंच को आवश्यक बनाता है। यह शिक्षा के साथ प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से देश की विविध भाषाई विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के संदर्भ में, संयोजन पर विशेष जोर देता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के भाषा संगम कार्यक्रम और मशीन अनुवाद केन्द्र से लेकर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा कई भारतीय भाषाओं में तकनीकी पुस्तकों सहित पुस्तकों के अनुवाद ऐप आधारित अनुवाद से लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारतीय भाषा समिति द्वारा अस्मिता - अनुवाद और अकादमिक लेखन के माध्यम से भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री का संवर्धन - पहल तक, शिक्षा को समावेशी बनाने के लिए भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने के लिए अच्छी तरह से प्रयास किए गए हैं।

इसके अलावा, 79 भारतीय भाषाओं में प्राइमर तैयार करने की सरकार की अभूतपूर्व पहल एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि ग्रामीण, आदिवासी और दूरदराज के इलाकों में शुरूआती वर्षों के दौरान बच्चों को उनकी मातृभाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। ये प्राइमर, अन्य शैक्षिक सामग्रियों के साथ, सिर्फ. संसाधन से कहीं ज्यादा हैं - ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और आजीवन सीखने के प्रवेश द्वार हैं। भाषा हमारे विचारों को आकार देती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करती है और हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती है। एनईपी 2020 एक नए युग की शुरूआत है, जहाँ बच्चे अपनी मातृभाषा में सीख सकते हैं और धीरे-धीरे अन्य भाषाओं में महारत हासिल कर सकते हैं।

देश की बात

भाजपा का टेसू और देश का भविष्य

राकेश अचल

शीर्षक पढ़कर न हासिये और न भ्रमित होइए। बात भाजपा के टेसू की ही कर रहा हूँ। टेसू एक लोक नायक है, बाद में अपने कथित अड़ियलपन कोई वजह से कहावत बन गया। आजकल हर राजनीतिक दल में एक न एक टेसू है, लेकिन इनमें भाजपा के टेसू जैसा अड़ियल टेसू किसी और दल का नहीं है। भाजपा अपने पुरषार्थ, किस्मत या जुगाड़ से तीसरी बार सत्ता में है। भाजपा की सरकार लंगड़ी है लेकिन उसका अपना टेसू जैसा पहले अड़ता था,वैसे ही आज भी अड़ा है। भाजपा आजकल किसी की परवाह नहीं करती । न संसद की ,न विपक्ष की,न अदालत की और न अपने सहयोगी दलों की। भाजपा को परवाह है तो अपने खुले-छिपे एजेंडे की। भाजपा देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहती है इसलिए उसने पूजास्थलों की यथास्थिति को कायम रखने वाले कानून को बदलने का निश्चय कर लिया है ,ताकि देश में स्थित मुस्लिम समाज की छह लाख मस्जिदों और दरगाहों को खोदकर उनके नीचे दबे कथित मंदिरों को बाहर निकाला जा सके। आपको बता दें कि प्लेसेज आफ वर्शिप एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अनेक जनहित याचिकाएं लंबित हैं ,लेकिन सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा है कि जब तक इस मामले पर केंद्र सरकार का जवाब दाखिल नहीं हो जाता, तब तक इस पर सुनवाई नहीं होगी। मजे की बात ये है कि कोर्ट के नोटिस के बावजूद केंद्र सरकार ने अब तक जवाब दाखिल नहीं किया है, सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि जवाब जल्द दाखिल किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगली सुनवाई तक नई याचिका दायर की जा सकती है , उन्हें रजिस्टर भी नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की उस मांग को ठुकरा दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश की अलग-अलग अदालतों में इससे जुड़े जो मामले चल रहे है उनकी सुनवाई पर रोक लगाई जाए। मामले की अगली सुनवाई 17 फरवरी 2025 को होगी। इस मामले की सुनवाई विभिन्न अदालतों में दायर कई मुकदमों की पृष्ठभूमि में होगी, जिनमें वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद और संभल में शाही जामा मस्जिद से जुड़े मुकदमे शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने केंद्र को जवाब दाखिल करने के लिए 4 हफ्ते का समय दिया और कहा कि केंद्र के जवाब दाखिल करने के बाद जिन्हें जवाब दाखिल करना हो वे 4 हफ्ते में जवाब दाखिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम केंद्र के जवाब के बिना फैसला नहीं कर पाएंगे, और हम केंद्र सरकार का इस मामले में पक्ष जानना चाहते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने ने यह भी कहा कि विभिन्न कोर्ट जो ऐसे मामलों में सुनवाई कर रही हैं वे सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई तक कोई भी अंतिम आदेश जारी नहीं करेंगी और न ही सर्वे पर कोई आदेश देंगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आपकी बात

बंगलादेश को प्राप्त टेक्स्टाइल के ऑर्डर निरस्त, भारत को मिलना शुरू

इंजी. राजेश पाठक
311, डीके सुरभि, गोमती कॉलोनी, नेहरू नगर, भोपाल, म.प्र।

बताते हैं इस समय पाकिस्तान में एक पुराना विडिओ फिर से जमके वायरल हो रहा है। और इसमें बताया गया है कि भारत दुनिया की कैसे सीईओ फैक्ट्री बनकर उभरा है। और, जिसके टॉप 10 भारतीय मूल के सीईओ की कॉम्पनियों की कुल कीमत 6.5 ट्रीलियन डालर की हो चुकी है। भारत ने जहां ऐसी होनहार प्रतिभायें तैयार की हैं, तो वहीं पाकिस्तान ने स्वयं को बबार्दी के मार्ग में धकेलते हुए हफीज सईद से लेकर तमाम दहशतगर्द खड़े कर दुनिया भर में भेज दिए। लेकिन पाकिस्तान के बाद अब उन्हीं जिहादियों की करतूत के परिणाम को भुगतने के दिनों के निकट अब बंगलादेश भी आ ही पहुंचा है। बेक्सिम्को बंगलादेश की सबसे बड़ी कांग्लोमरेट कंपनी मानी जाती है, जो कि केवल टेक्सटाइल ही नहीं अन्य उत्पादों का भी आयात-निर्यात का संचालन करती है। देश में मची उथल-पुथल के चलते इसके अंतर्गत आने वाली विशेषकर टेक्सटाइल की 170 छोटी-बड़ी कंपनीयाँ भारी संकट में जा फसीं हैं। विकल्प के अभाव में कुछ की नीलामी होनी है; ज्यादतर बंद कर दी जायेंगी, और शेष सरकार अपने हांथों में ले लेगी। इस संकट ने टेक्सटाइल से जुड़े तमाम देशों के आर्डर को बड़े पैमाने पर भारत स्थित तिरपुर (तमिलनाडू), लुधियाना, सूरत, जयपुर, नोएडा के टेक्सटाइल हब की दिशा में मौड़ दिया है। तिरपुर नगर कोयम्बटूर से 50 कि.मी दूर स्थित है। यहाँ के टेक्सटाइल कारखाने अमेरिका और ब्रिटेन से प्राप्त आर्डर से पट गएँ हैं। भारत की बड़ी कपड़ा मिल जैसे अरविन्द, बॉम्बे डाईंग, नितिन स्पिनर्स, जिंदल वर्ल्डवाइड, वर्धमान टेक्सटाइल्स और रेमंड के पास आज श्रमिक और समय दोनों कम पड़ गएँ हैं, जबकि बंगलादेश से आने वाले आर्डर हैं कि रुकने का नाम नहीं ले रहे। रेमंड अकेले को 200 करोड़ रूपए से अधिक की व्यापार में वृद्धि देखने को मिली है।

उत्तरप्रदेश में तो पहले से अलग ही 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश के साथ टेक्स्टईल के क्षेत्र में वृद्धि देखने को मिल रही थी। लेकिन अब बांग्लादेश की स्थिति के बाद बड़ी संभावना के साथ 1,162 एकड़ में फैले लखनऊ-हरदोई रोड के निकट निर्मित टेक्स्टिल पार्क में बड़े ब्रांडों ने अपनी पहुँच तेज कर दी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

फेसबुक वॉल से

X से

आज का दोहा

धरा वही, पानी वही, वही हवा है साब।
क्या बदला है जो हुई, इतनी फिजां खराब।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/ व्हाट्सएप 82925 53444। -संपादक

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता जरूरी

योगेश कुमार गोयल

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन विशेष थीम के साथ किया जाता है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस की इस वर्ष की थीम है ह्यस्थायित्व को बढ़ावा देना: हर वाट मायने रखता है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था।

दरअसल, दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाइट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आईएसआई चिन्हित विद्युत

उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, एसी, हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है। वहीं, तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है।

प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बबार्दी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बोधि वृक्ष

जो अत्यधिक कामुकता के स्तर पर जीवन बिताते हैं वे मार्ग से भटक जाते हैं और सन्तुष्टीकारक वैवाहिक सम्बन्ध को प्राप्त करने में असफल रहते हैं। आत्मसंयम के द्वारा, जिसमें कामुकता एक नियन्त्रक भावना नहीं होती, अपितु केवल प्रेम के निमित्त ही होती है, वह पति और पत्नी ही जान सकते हैं कि सच्चा प्रेम क्या है।

अशर्त प्रेम : मानव संबंधों में सुधार लाना

श्री श्री परमहंस योगानंद

स्त्री और पुरुष के बीच वैवाहिक सम्बन्धों में यौन सम्बन्ध का अपना स्थान होता है। परन्तु यदि उस सम्बन्ध में यह प्रमुख घटक बन जाए, तो प्रेम द्वार में से बाहर उड़ जाता है और पूरी तरह से अदृश्य हो जाता है; और स्वामित्व, अत्यधिक अनौपचारिकता और मित्रता एवं पारस्परिक समझ का दुरुपयोग एवं अभाव इसका स्थान ले लेते हैं। यद्यपि कामुक आकर्षण उन अवस्थाओं में से एक है जिनमें प्रेम की उत्पति होती है, तो भी कामुकता स्वयं में प्रेम नहीं है। कामुकता और प्रेम उतने ही दूर हैं जितने चन्द्र और सूर्य। जब पारस्परिक सम्बन्ध में केवल सच्चे प्रेम का रूपान्तरणकारी गुण सर्वोपरि होता है, केवल तभी कामुकता प्रेम को अभिव्यक्त करने का साधन बनती है। जो अत्यधिक कामुकता के स्तर पर जीवन बिताते हैं वे मार्ग से भटक जाते हैं और सन्तुष्टीकारक वैवाहिक सम्बन्ध को प्राप्त करने में असफल रहते हैं। आत्मसंयम के द्वारा, जिसमें कामुकता एक नियन्त्रक भावना नहीं होती, अपितु केवल प्रेम के निमित्त ही होती है, वह पति और पत्नी ही जान सकते हैं कि सच्चा प्रेम क्या है। दुर्भाग्यवश, इस आधुनिक संसार में, यौन अनुभव को अत्यधिक महत्त्व देकर प्रेम को प्रायः नष्ट कर दिया जाता है। जो लोग अपने दाम्पत्य जीवन में, स्वाभाविक रूप सेन कि बाध्य होकर - सन्तुलन का अभ्यास करते हैं, वे दाम्पत्य सम्बन्धों में अन्य चिरस्थायी गुणों का विकास करते हैं: जैसे मैत्री, सहचारिता, परस्पर समझदारी, परस्पर प्रेम। **(क्रमशः)**

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. **RNI.** 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : **news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com**
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

प्रयागराज पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, 167 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया

महाकुंभ एकता का ऐसा महायज्ञ होगा जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी : पीएम

बोले प्रधानमंत्री

- हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है
- प्रयागराज की प्रशंसा वेद की ऋचाओं में है

एजेंसी। प्रयागराज (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने कहा कि यहां दिन-रात काम कर रहे कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का अभिनंदन करता हूं। विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी, लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ, एक नया महानगर बसाने का महाभियान प्रयागराज की धरती पर नया इतिहास रचा जा रहा है।

पीएम मोदी ने महाकुंभ को लेकर कहा कि यह एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ 2025 के लिए शुक्रवार को प्रयागराज में 5,500 करोड़ की 167 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें प्रयागराज में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 10 नए रोड ओवर ब्रिज या फ्लाईओवर, स्थायी घाट और रिवरफ्रंट सड़क जैसी विभिन्न रेल और सड़क परियोजनाएं शामिल हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, यह एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। मैं इस आयोजन की भव्य और दिव्य सफलता की आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है। पीएम मोदी ने कहा कि यह गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, जो महात्म्य है, उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप ये प्रयाग है। उन्होंने कहा कि प्रयाग वह है, जहां पग-पग पर पवित्र स्थान हैं, जहां पग-पग पर पुण्य क्षेत्र हैं। केवल तीन पवित्र नदियों का ही संगम नहीं है। प्रयाग के बारे में कहा गया है : माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई। अर्थात जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं, सभी दैवीय शक्तियां, सभी तीर्थ, सभी ऋषि, महाऋषि प्रयाग में आ जाते हैं। यह वह स्थान है जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते।

पीएम मोदी ने कहा कि प्रयागराज वह स्थान है, जिसकी प्रशंसा वेद की ऋचाओं में की गई है। महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। यह एक ऐसा आयोजन है, जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। उन्होंने कहा कि यह चेतना स्वतः जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने-कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है। गांवों, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। सामुहिकता की ऐसी शक्ति, ऐसा समागम शायद ही कहीं ओर देखने को मिले। यहां आकर संत-महंत, ऋषि-मुनि, ज्ञानी-विद्वान, सामान्य मानव सब एक हो जाते हैं, सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, संप्रदायों का टकराव मिट जाता है। करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं।

अक्षय वट पर पूजा-अर्चना के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने की परिक्रमा

एजेंसी। महाकुंभ नगर (आईएएनएस)

उत्तर प्रदेश में महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन, वैश्विक कल्याण, विश्व शांति, भारत के अरुणोदय व तीर्थराज प्रयागराज आकर पुण्य की डुबकी लगाने वाले करोड़ों भक्तों, सनातन शक्तियों के सामर्थ्य व अक्षय पुण्य की वृद्धि के उद्देश्य से पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अक्षयवट का दर्शन कर पूजन-अर्चन किया। संगम नोज पर यजमान की भूमिका में अभिषेक करने के उपरांत उन्होंने अक्षय वट के दर्शन किए। महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन के लिए बतौर यजमान भूमिका निभाते हुए पीएम मोदी ने अक्षय वट पर शीश नवाया, संकल्प लेकर अभिषेक किया और समस्त तीर्थों का आह्वान करते हुए सकल मंगलकामनाओं की पूर्ति के लिए आस्था का दीप जलाया। इसके उपरांत उन्होंने अक्षय वट की प्रदक्षिणा की और समस्त विश्व के कल्याण की कामना की। पीएम मोदी ने न केवल इस परम पावन तीर्थ पर पूजा-अर्चना की, बल्कि कॉरिडोर को लेकर हुए कार्यों का आवलोकन भी किया। उन्होंने विशेष तौर पर महाकुंभ के अवसर पर दर्शन करने आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने को लेकर हुए प्रयासों की जानकारी ली और समस्त प्रक्रियाओं की विवेचना की।

ज्ञात हो कि अक्षय वट को तीर्थराज प्रयागराज के रक्षक श्रीहरि विष्णु के वेणी माधव का साक्षात स्वरूप माना जाता है। अक्षय वट को कॉरिडोर रूप में महाकुंभ-2025 के पूर्व सुव्यवस्थित करने का कार्य पीएम मोदी के विजन और सीएम योगी के कुशल क्रियान्वयन में किया गया है।

शुक्रवार को पीएम मोदी ने अक्षय वट का पूजा-अर्चना करने के साथ ही भारत के अक्षय पुण्य की वृद्धि और विश्वगुरू के तौर पर उद्भव को अक्षुण्ण बनाने की कामना की। पीएम मोदी के साथ ही अक्षय वट पूजा-अर्चना प्रक्रिया में सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी उपस्थित रहीं।

क्या है अक्षय वट

अक्षय वट को लेकर ऐसी मान्यता है कि इसकी जड़ों में सृष्टि निमार्ता ब्रह्मा, मध्य भाग में वेणी माधव स्वरूप श्रीहरि विष्णु तथा अग्र भाग में महादेव शिव-शंकर का वास है। इनकी पूजा के साथ ही समुद्र मंथन से प्राप्त 14 रत्नों में कल्पवृक्ष के अंश के रूप में भी अक्षय वट की मान्यता है। पुराणों में प्राप्त उल्लेख के अनुसार, सर्व सिद्धि प्रदान करने वाली आध्यात्मिक शक्ति के केंद्र के तौर पर प्रसिद्ध अक्षय वट ने मुगल काल व अंग्रेजों के शासन में पराभव का दंश झेला, मगर इसके बावजूद वह अक्षुण्ण बना रहा और आज सनातन धर्म के ध्वजवाहक के तौर पर सकल विश्व में अपनी पहचान को पुख्ता कर रहा है। अक्षय वट के बारे में यह भी प्रसिद्ध है कि प्रभु श्रीराम ने लंका विजय के उपरांत अयोध्या लौटने से पूर्व पुष्पक विमान से आते हुए अक्षय वट के दर्शन किए थे। उनके साथ माता सीता और भ्राता लक्ष्मण भी थे और अक्षय वट पर इन तीनों के ही विग्रह का पूजन होता है।

संविधान में सरकार बदलने की भी ताकत है : प्रियंका वाड्रा

एजेंसी। नई दिल्ली (आईएएनएस)

कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को लोकसभा में अपना संबोधन दिया। यह लोकसभा में प्रियंका गांधी का पहला संबोधन था। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने संबोधन की शुरुआत संविधान से करते हुए कहा कि संविधान ही हमारी आवाज है। संविधान ने हमें चर्चा का हक दिया है। संविधान ने आम आदमी को सरकार बदलने की भी ताकत दी है। वाद-विवाद संवाद की पुरानी परंपरा है। संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि इंसाफ और उम्मीद की ज्योति भी है। हमारा संविधान न्याय की गारंटी देता है। संविधान हमारा कवच है। पिछले 10 सालों में इस सुरक्षा कवच को तोड़ने का प्रयास किया गया है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। प्रियंका गांधी ने कहा, हमारा स्वतंत्रता संग्राम अपने आप में अनूठा था।

● लोकसभा को प्रियंका ने पहली बार किया संबोधित

आजादी की लड़ाई भी लोकतांत्रिक थी। जिसमें समाज के हर वर्ग ने हिस्सा लिया था। इस लड़ाई ने देश को एक आवाज दी। यह आवाज हमारे साहस की आवाज थी। इसी की गूंज ने हमारे संविधान को लिखने में अहम भूमिका निभाई। हम सभी लोगों को यह बात समझनी होगी कि संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं है। बाबा अंबेडकर, मौलाना आजाद, जवाहरलाल नेहरू और तमाम नेताओं ने संविधान को बनाने में तमाम साल लगा दिए। हमारा संविधान ने हर भारतीय को एक नई पहचान दी है।

लोकसभा में संविधान पर बहस की हुई शुरुआत

हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं : राजनाथ

एजेंसी। नई दिल्ली (आईएएनएस)

संसद के शीतकालीन सत्र का शुक्रवार को 14वां दिन है। लोकसभा में संविधान पर चर्चा शुरू हो गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में संविधान पर बहस की शुरुआत की। यह बहस संविधान को अपनाए जाने की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है।

इस दौरान रक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक विशेष पार्टी द्वारा संविधान निर्माण के काम को हमेशा हाईजैक करने की कोशिश की गई है। मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूं, कि हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है। भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा, भारत के मूल्यों के अनुरूप बनाया गया दस्तावेज है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हम भारत के लोगों ने, 26 नवंबर 1949 के दिन संविधान को अपनाया, अधिनियमित किया और राष्ट्र को समर्पित किया था। यह वह दिन था, जब भारत के लोग 'प्रजा' से 'नागरिक' बने थे। ऐसे नागरिक जिनके अपने मौलिक अधिकार थे और उनके पास एक भारतीय नागरिक होने का गौरव था। ऐसे लोग अपनी सरकार चुन सकते थे और सरकारों को बदल सकते थे। अब देश में राजा-रानी का शासन नहीं था। राजतंत्र और ब्रिटिश तंत्र नहीं था, बल्कि जनता का शासन था और लोकतंत्र था। संविधान को अंगीकार करने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, इस सदन और समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं। साथ ही, भारत की आजादी और भारत के संविधान निर्माण से जुड़े, सभी महानुभावों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं और उन सभी को शीश झुकाकर नमन करता हूं। भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, एक विशेष पार्टी द्वारा संविधान निर्माण के काम को हमेशा हाईजैक करने की कोशिश की गई है। मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूं, कि हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है। भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा, भारत के मूल्यों के अनुरूप बनाया गया दस्तावेज है। पश्चिमी सभ्यता में नाइट वॉचमैन स्टेट का कांसेप्ट है। इसका अर्थ है कि सरकार का दायित्व लोगों को सुरक्षा प्रदान करने तक ही सीमित रहे। किंतु हमारे देश में राजधर्म की बात कही गई है। हमारे यहां राजा भी राजधर्म से बंधा हुआ है। उसकी शक्तियां लोगों के कल्याण के लिए है। समाज के कमजोर वर्ग के लिए है। हमारा संविधान नागरिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा संविधान प्रगतिशील है, समावेशी है, परिवर्तनकारी है। यह हमारा देश है जहां एक गरीब परिवार में पैदा हुआ व्यक्ति भी देश का प्रधानमंत्री बन सकता है और वह देश का राष्ट्रपति भी बन सकता है।

बिहार के छपरा में ट्रक से भिड़ी कार, 2 लोगों की मौत, 2 घायल

एजेंसी। छपरा (आईएएनएस)

बिहार में छपरा के एनएच-531 पर ट्रक और कार की बीच जबरदस्त भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि, दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक की पहचान आरा के बीएमपी जवान कौशल प्रसाद के रूप में हुई है। वह सिवान में कार्यरत थे। वहीं, दूसरे व्यक्ति की पहचान सारण जिला निवासी राकेश कुमार के रूप में हुई है। घायलों की पहचान आंदर के पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अमितेश और उनके सहयोगी गुड्डू कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, आंदर स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अमितेश, दो पुलिसकर्मियों और चालक के साथ सोनपुर मेला से अपनी होंडा सिटी कार में लौट रहे थे। इसी दौरान छपरा-सीवान मुख्य मार्ग पर दाउदपुर थाना क्षेत्र के बेलदारी गांव के पास एक होटल के पास कार और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सभी कार सवार घायल हो गए। घटना की सूचना के बाद दाउदपुर थानाध्यक्ष नवलेश, एएसआई रंजीत कुमार और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए एकमा स्वास्थ्य केंद्र भेजा। वहां चिकित्सकों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छपरा सदर अस्पताल रेफर किया गया।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली में यूजीसी की कार्यशाला को किया संबोधित, कहा

महिलाओं को सशक्त बनाने का एक भारतीय मॉडल बनाया जाना चाहिए

एजेंसी। नई दिल्ली (हि.स.)

● महिलाओं के सशक्तीकरण से ही समाज और राष्ट्र सशक्त बनेगा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने का एक भारतीय मॉडल बनाया जाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि महिलाएं सभी निर्णय लेने वाली संरचनाओं और जीवन विकल्पों में शामिल हों। उन्होंने कहा कि महिलाओं की समानता और सशक्तीकरण ही समाज और राष्ट्र को सशक्त बना सकता है।

धर्मेंद्र प्रधान नई दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 'नारी नेतृत्व : विकासशील भारत @ 2047 के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता को आकार देना' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की ओर बढ़ रहे हैं, नारी शक्ति अधिक निर्णय लेने वाली भूमिकाएं निभाएगी।

प्रधान ने कहा कि कार्यशाला एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षा के हर स्तर पर महिलाओं के सशक्तीकरण पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य यह दिखाना है कि कैसे महिलाएं उच्च शिक्षा में शैक्षिक मानकों को उठा रही हैं और साथ ही उन्हें नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार और प्रेरित भी कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति ताकत, लचीलापन और आशा का प्रतीक है और महिलाओं के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना भारतीय सभ्यता का एक अंतर्निहित मूल्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने किस तरह से महिलाओं के विकास से महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की ओर एक परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए आगे बढ़कर नेतृत्व किया है।

मंत्री ने कहा कि उभरती हुई नई विश्व व्यवस्था ज्ञान से प्रेरित होगी और महिलाएं कृत्रिम रुकावटों को तोड़ रही हैं, लैंगिक भूमिकाओं को चुनौती दे रही हैं और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) सहित सभी क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अवसर स्थापित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि कार्यशाला में विचार-विमर्श, संवाद और अनुभव साझा करने से इसके लिए एक रोडमैप मिलेगा।

इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ सुकांत मजूमदार भी उपस्थित थे। शिक्षा मंत्रालय के सचिव संजय कुमार, यूजीसी के अध्यक्ष प्रो एम. जगदीश कुमार, डीआरडीओ में एयरोनॉटिकल सिस्टम की महानिदेशक डॉ राजलक्ष्मी मेनन, यूजीसी के उपाध्यक्ष प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव, आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो रंगन बनर्जी और देश भर से आए गण्यमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा
सहिजना मोड़, गढ़वा (झारखण्ड) पिन नं0 822114 ◘ Email : eedwsd.garhwa1@gmail.com

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–DWSD/GAR-RM-06 / 2024–25
दिनांक–13.12.2024

1- विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, रांची
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा
3- परिमाण विपत्र (BOQ) प्राप्ति की तिथि :– 17-12.2024 को 12-30 बजे अपराह्न से
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 22.12.2024 को 03-30 बजे अपराह्न तक
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 22-12.2024 को 04.30 बजे अपराह्न में
6. परिमाण विपत्र (BOQ) प्राप्ति का स्थान :– विभागीय वेबसाइट dwsd.jharkhand.gov.in/Office of the Executive Engineer, D.W.&S. Division, Garhwa से प्राप्त किया जाना है।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा। (2) अधीक्षण अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, मेदिनीनगर।
8. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा।
9. कार्य का नाम :– नलकूपों के साधारण मरम्मति कर चालू करने का कार्य (स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति प्रमंडल स्तर से की जायेगी)

10. कार्य का विवरण :–

क0	प्रखण्ड का नाम	ग्रुप संख्या	नलकूपों की सं0 (अनुमानित)	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य की अवधि
1	गढ़वा, डंडा, रंका, रमकंडा एवं चिनियाँ	GAR/RM-01	150 Nos.	1,45,909.00	3000.00	5000.00	03 Months
2	नगर उंटारी, रमना एव विशुनपुरा, भवनाथपुर, केतार, खरौन्धी, धुरकी एवं सगमा	GAR/RM-03	150 Nos.	1,45,909.00	3000.00	5000.00	03 Months
3	मेराल, डंडई, कांडी, बरडीहा, मझिऑव, भंडरिया एव बड़गड	GAR/RM-02	200 Nos	1,94,545.00	4000.00	5000.00	03 Months

नोट– (i) निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय होगा।
(ii) निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in तथा कार्यालय के सूचना पटट से प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा।

PR 341976 (Water Resource) 24-25 (D)

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम।

ज्ञापांक ..... दिनांक .....

कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या UDHD/MMC/19/2024-25

मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत निगम द्वारा लगाये गये LED लाईट की मरम्मति हेतु विधुत सामग्री क्रय की आवश्यकता है। इच्छुक निर्माणकर्त्ता/कम्पनी द्वारा अधिकृत एजेन्सी मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय में निविदा/कोटेशन दिनांक **27.12.2024** को 1.00 बजे अपराह्न तक जमा करना होगा। कोटेशन के साथ निविदा आमंत्रण शूल्क मो0 5,000/- रू0 एवं सुरक्षित जमा राशि मो0 60,000/- रू0 बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक संलग्न करना अनिवार्य होगा। बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक नगर आयुक्त, मेदिनीनगर नगर निगम के पदनाम से देय होगा। निविदा शूल्क की राशि वापस नहीं की जाएगी। निविदा/कोटेशन दिनांक **28.12.2024 को 2:00** बजे **अपराह्न** नगर निगम कार्यालय में निविदा समिति के समक्ष खोली जाएगी। कोटेशन समर्पित करने वाले कोटेशनदाता अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि कोटेशन खोलने के समय उपस्थित रह सकते है। निविदा संबंधित नियम एवं शर्तें कार्यालय सूचना पट पर कार्यालय अवधि में देखी जा सकती है। LED लाईट की सामग्री क्रय किये जाने से संबंधित विस्तृत विवरणी निम्नवत् है :–

SL NO	NAME OF ITEM	Quantity	SL NO	NAME OF ITEM	Quantity
1	LED STREET LIGHT 120 W PHILIPS / SURYA/ HAVELLS/BAJAJ	01 Pcs.	13	2 CORE ALUMINIUM WIRE (2.5 sqmm)	01 mtr.
2	LED STREET LIGHT 90 W PHILIPS / SURYA/ HAVELLS/BAJAJ	01 Pcs.	14	2 CORE ALUMINIUM WIRE (6 sqmm)	01 mtr.
3	32 mm dia(inner Dia of pole arm)x 2 mtr long GI pipe (medium class)pole arm bracket for mounting of LED street lighting fitting on pole including bending the pipe to required shape (90-105 degree),2 nos. 40mmx3mm flat iron clamp withs nuts, bolt & washer, GI coating the flat iron with primer and finished paint as per relevant standard specifications.	01 set	15	2 CORE ALUMINIUM WIRE (10sqmm)	01 mtr.
4	LED DRIVER (35 w)	01 Pcs.	16	SWITCH (6 AMP) WITH GANG BOX	01 Pcs.
5	LED DRIVER (50 w)	01 Pcs.	17	PVC TAPE	01 Pcs.
6	LED DRIVER (70 w)	01 Pcs.	18	ROPE LIGHT	01 mtr.
7	LED DRIVER (110 w)	01 Pcs.	19	ROPE LIGHT CONNECTOR	01 Pcs.
8	LED DRIVER (120 w)	01 Pcs.	20	HAND GLOVES(ELECTRICAL WORK)	01 Pcs.
9	PCB 70 w	01 Pcs.	21	PLIER	01 Pcs.
10	PCB 120 w	01 Pcs.	22	SCREW DRIVER	01 Pcs.
11	1 CORE COPPER WIRE (1.5 sqmm)	01 mtr.	23	TESTER	01 Pcs.
12	1 CORE COPPER WIRE (1 sqmm)	01 mtr.			

NOTE :- Only E-Tender will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in & Notice Board office of the Medininagar Municipal Corporation

ह0/–
नगर आयुक्त –सह प्रशासक
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 341952 (District) 24-25 (D)

तीसरा टेस्ट कल से, गाबा में पिछला मैच तीन विकेट से जीता था भारत

एजेंसी । नई दिल्ली

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट कल से ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। 5 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। पहला मैच भारत ने 295 रन और दूसरा मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीता था। ब्रिस्बेन में दोनों टीमों के बीच अब तक 7 मैच खेले गए, भारत को यहां केवल 1 में जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया ने 5 मैच जीते, जबकि एक ड्रॉ रहा। मैच डिटेल्स तारीख- 14 दिसंबर जगह- द गाबा स्टेडियम, ब्रिस्बेन समय- टॉस- 5:20 AM, मैच स्टार्ट- 5:50 AM। पंत ने यहां खेली थी नाबाद 89 रन की पारी पिछली बार द गाबा में हुए ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच टेस्ट को टीम इंडिया ने 3 विकेट से जीता था। इससे पहले, ब्रिस्बेन का द गाबा स्टेडियम 2020 तक ऑस्ट्रेलिया का किला था। होम टीम को यहां 1988 से किसी भी टेस्ट में हार नहीं मिली थी। 2021 में फिर भारत ने यहां 3 विकेट से टेस्ट जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। इस मैच में विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने नाबाद 89 रन की पारी खेली थी। शुभमन गिल ने 91 और चेतेश्वर पुजारा ने 56 रन बनाए थे। बुमराह सीरीज के टॉप विकेट टेकर दूसरे टेस्ट में भारत का पूरा बैटिंग लाइन-अप ही फेल रहा था। पहले टेस्ट की दूसरी इनिंग में विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल ने शतक जमाया था। जायसवाल सीरीज में टीम के टॉप स्कोरर हैं। भारतीय उप कप्तान जसप्रीत बुमराह ने सीरीज में 12 विकेट लिए हैं। वे सीरीज के टॉप विकेट टेकर हैं।

हेड सीरीज के टॉप स्कोरर ऑस्ट्रेलिया के लिए एडिलेड टेस्ट में शतक लगाने वाले ट्रैविस हेड सीरीज के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने पर्थ टेस्ट की दूसरी इनिंग में शानदार 89 रन बनाए थे। बॉलिंग डिपार्टमेंट में मिचेल स्टार्क ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 11 विकेट लिए हैं। पिच रिपोर्ट तीसरे टेस्ट में गाबा की पिच को लेकर क्यूरेटर डेविड सैंडरस्की ने कहा, साल के अलग-अलग समय में यंहा की पिच अलग-अलग तरह से व्यवहार करती है। सीजन के अंत में पिच थोड़ी सी ज्यादा टूट जाती है, जबकि सीजन की शुरुआत में यह ताजा होती है। हालांकि, हम ऐसी पिच तैयार कर रहे हैं, जिसमें पेस और बाउंस हो। इसी तरह की पिच के लिए गाबा को जाना जाता है। हम इस साल भी पिछले सालों की तरह एक पारंपरिक गाबा पिच तैयार कर रहे हैं। टॉस का रोल ब्रिस्बेन में टॉस जीतने वाली टीम पहले गें द बाजी कर सकती है।

फाइल फोटो

टेस्ट के पांचों दिन बारिश के आसार

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

- **भारत :** रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा/आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान) और मोहम्मद सिराज।
- **ऑस्ट्रेलिया :** पैट कमिंस (कप्तान), नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और जोश हेजलवुड।

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज पहुंच चुकी है काफी रोमांचक मोड़ पर

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज काफी रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुकी है। दो टेस्ट मैचों के बाद सीरीज 1-1 की बराबरी पर है और सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच 14 दिसंबर से ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर खेला जाना है। यह वही मैदान है, जिस पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर आखिरी टेस्ट मैच तीन विकेट से जीतकर सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया था। ब्रिसबेन को ऑस्ट्रेलिया का अभेद किला माना जाता है, क्योंकि यहां ऑस्ट्रेलिया ने 1988 के बाद से 2020 तक कोई भी टेस्ट मैच नहीं गंवाया था। जनवरी 2021 में भारत ने जब इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को हराया था, तब दुनिया भर में इस जीत की बात हुई थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मैच ब्रिसबेन में खेला जाना है और ऐसे में भारत में मैच कब शुरू होगा, कौन सा सेशन कितने बजे तक चलेगा और स्टंप्स कितने बजे होगा, चलिए आपको सबकुछ बताते हैं।

गाबा टेस्ट में भारतीय प्लेइंग XI में हो सकते हैं 2 बदलाव, रोहित करेंगे पारी का आगाज!

इंडिया वर्सेस ऑस्ट्रेलिया 5 मैच की बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन में खेला जाना है। एडिलेड टेस्ट हारकर यह सीरीज 1-1 की बराबरी पर खड़ी है। दोनों टीमों की नजरें गाबा टेस्ट को जीतकर सीरीज में बढ़त हासिल करने पर होगी। ऑस्ट्रेलिया ने तो तीसरे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग XI का ऐलान कर दिया है। मेजबान टीम में एकमात्र बदलाव जोश हेजलवुड के रूप में हुआ है जो स्कॉट बोलैंड की जगह आए हैं। अब भारतीय फैंस की नजरें टीम इंडिया की प्लेइंग XI पर है। केएल राहुल ने पर्थ टेस्ट में रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में शानदार प्रदर्शन किया था, जिस वजह से भारतीय कप्तान ने एडिलेड टेस्ट में वापसी करते हुए अपने ओपनिंग स्पॉट का त्याग किया था। हालांकि वह नंबर-6 पर कुछ कमाल नहीं कर पाए और दोनों पारियों में मिलाकर मात्र 9 रन ही जोड़ पाए। ऐसे में अब कयास लगाए जा रहे हैं कि हिटमैन गाबा टेस्ट में अपने नियमित ओपनिंग पोजिशन पर ही खेलते दिखाएंगे।

कृषि महाविद्यालय की दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद में भागीदारी जरूरी : डॉ बीके अग्रवाल

नवीन मेल संवाददाता । रांची

खेलकूद में भाग लेने से केवल शारीरिक विकास ही नहीं बल्कि बौद्धिक, मानसिक एवं भावनात्मक विकास भी होता है एवं वह युवा जीवन में आने वाली भावी चुनौतियां का बेहतर ढंग से सामना करने में समर्थ बनता है। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय का निदेशक छात्र कल्याण डॉ बीके अग्रवाल ने शुक्रवार को रांची कृषि महाविद्यालय की दोदिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए उक्त विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद में भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं में जो खेल भावना, अनुशासन एवं समन्वय भाव खेलकूद के दौरान रहता है वह सालों भर और प्रत्येक गतिविधि में रहना चाहिए। विद्यार्थी सुबह से मैदान में दिखेंगे तो खेलकूद संबंधी सारी सुविधाएं मुहैया की जाएंगी। कम से कम 25-30 प्रतिशत विद्यार्थियों को जरूर खेलकूद में भाग लेना चाहिए। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ शंभूनाथ कर्मकार ने कहा कि कॉलेज का प्लेग्राउंड सालों भर साफ सुथरा एवं मेंटेंड रहना चाहिए तथा यहां लाइट की भी समुचित व्यवस्था रहनी चाहिए ताकि शाम में भी विद्यार्थी खेल सकें। कृषि महाविद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी डॉ नीरज कुमार ने निदेशक छात्र कल्याण से आग्रह किया कि अनुबंध के आधार पर एक कोच की नियुक्ति यथाशीघ्र की जाए जो विद्यार्थियों को नियमानुसार प्रैक्टिस करा सके। संचालन डॉ अरुण कुमार तिवारी ने किया। इस अवसर पर पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के मृदा एवं जल संरक्षण विभाग के अध्यक्ष तथा प्लास्टिक इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी परियोजना के परियोजना समन्वयक डॉ राकेश शारदा, बीएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ पीके सिंह, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के एसोसिएट डीन प्रो डीके रुसिया तथा बीएयू के क्रीडा. समन्वयक डॉ एमके बर्णवाल भी उपस्थित थे। आयोजन समिति के डॉ मिण्टू जॉब, डॉ शशि किरण तिर्की, डॉ शिवम मिश्र, राकेश कुमार महतो, हर्ष कुमार, प्रीति ज्योत्सना तिर्की तथा प्रीति कुमारी मुर्मू की सक्रिय भूमिका रही। आज छात्र और छात्राओं के वर्ग में विभिन्न प्रकार की दौड़ कूद प्रतियोगिताएं हुईं। शनिवार को समापन समारोह में कुलपति डॉ एससी दुबे विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगे।

जस्टिस जूनियर की टीम ने 20 रन से जीत दर्ज की

रांची। सरला देवी बिरला अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट जस्टिस जूनियर बनाम यंग मोनार्क के बीच खेला गया। जस्टिस जूनियर की टीम ने 22.1 ओवर में 10 विकेट पर 138 रन बनाया। जय ने 39 रन बनाया। वहीं लावण्या ने चार विकेट लेकर 40 रन व लकी ने दो विकेट लेकर 21 रन दिया। यंग मोनार्क की टीम ने 22 ओवर में 10 विकेट पर 118 रन बनाया। सक्षम ने सर्वाधिक 18 रन बनाया। वहीं नैतिक ने तीन विकेट लेकर 29 रन, जय ने दो विकेट लेकर 38 रन, कृष्णा ने 2 विकेट लेकर 13 रन व जैद ने 2 विकेट लेकर 7 रन बनाया। जस्टिस जूनियर की टीम ने 20 रन से जीत दर्ज की।

झारखंड की बेटियों ने लहराया जीत का परचम

मेजबान मप्र को हराकर झारखंड की अंडर 14 बालिका टीम बनी चैंपियन

- हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल में मध्य प्रदेश को 2-0 से हराया

नवीन मेल संवाददाता । रांची

68वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 2024-25 अंतर्गत अंडर 14 बालिका वर्ग हॉकी प्रतियोगिता में झारखंड की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। मध्य प्रदेश के मंदसौर में 9 से 13 दिसंबर तक आयोजित अंडर 14 बालिका वर्ग राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में झारखंड की बालिका टीम ने मेजबान मध्य प्रदेश को 2-0 से पराजित कर चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया है। झारखंड की ओर से सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, सिमडेगा की छात्रा राजमुनि कुमारी ने खिताबी मुकाबले में पहला गोल किया। वहीं, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, बरियातू की छात्रा सुगन सांगा ने दूसरा गोल कर जीत झारखंड की झोली में डाल दी। इस टीम में आरती बड़ाइक कोच और एम्मा बारा टीम मैनेजर की भूमिका में है। झारखंड की शानदार जीत पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री रामदास सोरेन, विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग समेत खेल प्रभाग के अन्य पदाधिकारियों ने पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

रातू सीसी की टीम ने 6 विकेट से जीता टूर्नामेंट

रांची। लिटिल विंग्स स्कूल बी डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट टाटीसिलवे ग्राउंड में जेएसए (ए) बनाम रातू सीसी के बीच खेला गया। जेएसए (ए) ने 29.4 ओवर में 10 विकेट पर 147 रन बनाया। होमी ने 29, अमिताभ ने 76 रन बनाया। सुजीत ने तीन विकेट लेकर 33 रन दिया। आदित्य ने 4 विकेट लेकर 29 रन दिया। वहीं रातू सीसी की टीम ने 25.5 ओवर में चार विकेट पर 148 रन बनाया। मयंक ने 30, सुजीत ने 73 व आदित्य ने 24 रन बनाया। कुणाल ने 2 विकेट लेकर 36 रन दिया। रातू सीसी की टीम ने 6 विकेट से जीत दर्ज किया।

16वीं झारखंड स्टेट फेंसिंग चैंपियनशिप का हुआ शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता । रांची

16 वीं झारखंड स्टेट फेंसिंग चैंपियनशिप का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। रांची के दलादली स्थित आइडियल इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सह विद्यालय की डायरेक्टर सम्बुल आलम, फेंसिंग राज्य संघ के महासचिव जय कुमार सिन्हा, विशिष्ठ अतिथि स्कूल की प्रिंसिपल मंजू बग्गा, विद्यालय के प्रबंधक प्रणय कुमार और डॉ आशुतोष कुमार ने संयुक्त रूप से किया. उद्घाटन कार्यक्रम में स्कूल के छात्राओं ने संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए. साथ ही स्कूल के बच्चों के सामने फेंसिंग का प्रदर्शनी मुकाबला भी खेला गया. बता दें इस प्रतियोगिता में राज्य भर के विभिन्न जिलों से 150 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. 15 दिसंबर को सेमीफाइनल और फाइनल प्रतियोगिता होगी और पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा. महासचिव जय कुमार सिन्हा ने कहा कि इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता से चुने गए सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा. उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य रुप से राज्य संघ के कोषाध्यक्ष करमबीर उरांव, स्कूल प्रबंधक प्रणय कुमार, चीफ रेफरी रामाशीष सिंह सभी सक्रिय टेक्निकल पदाधिकारी और रेफरी मौजूद थे।

खेल का परिणाम

- **सब्रे गर्ल्स (अंडर 10)**
- सिखा उरांव - रांची, दिव्यांका कुमारी - रांची, मुस्कान छेत्री - रांची, मधुलता - रांची
- **सब्रे बॉयज (अंडर 10)**
- रेयांश सिंह - रांची, हर्ष शर्मा - रामगढ़, प्रियांश उरांव - रांची, आर्ष तिर्की - रांची
- **ईपी बॉयज (अंडर 10)**
- अर्पण टोप्पो - रांची, ओम कुमार साहू - रांची, समर उरांव - रांची, कुणाल कुमार - रांची
- **फॉइल गर्ल्स (अंडर 10)**
- अदिति कुमारी - रामगढ़, दीपिका राज - रांची, नियति भगत - रांची

दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की फोर्ब्स सूची जारी

निर्मला सीतारमण और दो भारतीय महिलाएं शामिल

अमेरिकी बिजनेस मैगजीन फोर्ब्स ने वर्ष 2024 के लिए दुनिया की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची जारी की है। फोर्ब्स की 21वीं सूची में तीन भारतीय महिलाओं के नाम हैं, जिनमें निर्मला सीतारमण, रोशनी नादर मल्होत्रा और किरण मजूमदार-शॉ शामिल हैं। सूची में उद्योग, मनोरंजन, राजनीतिक, समाज सेवा और नीति नियंताओं के नाम शामिल हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। फोर्ब्स अमेरिकी बिजनेस मैगजीन है। यह व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता, नेतृत्व और जीवनशैली विषयों पर ध्यान केंद्रित करती है। यह प्रत्रिका दुनियाभर के उद्योग, मनोरंजन, राजनीतिक, समाज सेवा और नीति नियंताओं के कार्य के आधार पर उनका मूल्यांकन और रैंकिंग प्रदान करती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 28वें स्थान पर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण फोर्ब्स की इस सूची में 28वें स्थान पर हैं। सीतारमण ने मई 2019 में केंद्रीय वित्त मंत्री का पद संभाला था और उसके बाद से लगातार इस अहम पद पर बनी हुई हैं। निर्मला सीतारमण पर भारत के तेज आर्थिक विकास को बनाए रखने की जिम्मेदारी है और उनके नेतृत्व में भारत पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। सीतारमण महिला सशक्तिकरण को लेकर मुखर रही हैं। वह राजनीति में आने से पहले ब्रिटेन की एग्रीकल्चर इंजीनियर्स एसोसिएशन और बीबीसी वर्ल्ड के साथ जुड़ी रहीं।

किरन मजूमदार शॉ 82वें स्थान पर

किरन मजूमदार शॉ को फोर्ब्स की दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की 21वीं सूची में 82वां स्थान दिया गया है। किरन मजूमदार बायोटेक कंपनी बायोकॉन की संस्थापक और चेयरपर्सन हैं। बायोकॉन की अमेरिका, एशिया के विभिन्न बाजारों समेत दुनियाभर में पहुंच है।

रोशनी नदार मल्होत्रा को 81वां स्थान

दिग्गज भारतीय बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज की चेयरपर्सन और एचसीएल कॉरपोरेशन की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोशनी नदार मल्होत्रा को फोर्ब्स ने दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की इस सूची में 81वां स्थान दिया है। रोशनी नदार 12 अरब डॉलर की कंपनी के रणनीतिक फैसले लेती हैं। वह शिव नदार फाउंडेशन की भी ट्रस्टी हैं। इसके जरिए वह शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही हैं। रोशनी नदार ने द हैबीटेट्स ट्रस्ट की स्थापना की, जो प्राकृतिक संरक्षण के लिए काम करती है।

केंद्रीय मंत्री ने दिव्यांग नागरिकों को सक्षम बनाने का किया आह्वान

दिव्यांगों को कौशल प्रदान कर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए उद्योग : गोयल

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उद्योगों को दिव्यांग नागरिकों को कौशल प्रदान करने, प्रशिक्षित करने और रोजगार के अवसर प्रदान करने के तरीके विकसित करने चाहिए। केंद्रीय मंत्री गोयल ने नई दिल्ली में बीएमएल मुंजाल पुरस्कार 2024 में अपने संबोधन के दौरान यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश को कौशल प्रदान करने और दिव्यांग नागरिकों को सक्षम बनाने के आह्वान को दोहराते हुए उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से ब्रेल में कौशल विकास उपलब्ध करवाने को कहा। गोयल ने मुंबई में एसईईपीजेड का उदाहरण देते हुए कहा, कुछ ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है, जो दिव्यांग नागरिकों को स्वतंत्र बनने में मदद करें, जैसे एसईईपीजेड, जहां रत्न एवं आभूषण क्षेत्र द्वारा 1,500 दृष्टिबाधित बच्चों को उसी उद्योग में नौकरियों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने सुझाव दिया कि उद्योग जगत के लीडर दिव्यांगों की ताकत की पहचान करें और उन्हें रोजगार के योग्य बनाएं। उन्होंने आगे कहा, शिकायत केंद्र और ग्राहक सहायता केंद्र ऐसे क्षेत्र हैं, जहां दिव्यांगजन काम कर सकते हैं, यहां तक कि वे खेल में भी काम के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। हम दिव्यांगजनों को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए खेल महोत्सवों को भी बढ़ावा दे सकते हैं।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने हीरो ग्रुप के शुरुआती दिनों से लेकर अब तक के सफर पर आधारित 'द मेकिंग ऑफ हीरो' नामक पुस्तक का भी जिक्र किया। उन्होंने ऑटोमोबाइल विनिर्माण में भारत को विश्व मंच पर ले जाने के लिए कंपनी के प्रयासों पर प्रकाश डाला। पुस्तक को ब्रेल में भी जारी करने के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, यह प्रयास दिव्यांगजनों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगा। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री गोयल ने यह भी उम्मीद जताई कि पुस्तक कई उद्यमियों को रोजगार सृजक बनने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि 1.4 अरब लोगों की सामूहिक प्रतिबद्धता भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और ऐसा तब होगा जब वे बड़ी आकांक्षाएं रखेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम के आयोजकों से विकसित भारत की यात्रा में पुरस्कार समारोह में स्टार्टअप और युवा संगठनों को शामिल करने का भी आग्रह किया।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स में 843 अंक की बढ़त रही

मुंबई। भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी करीब 2,000 अंकों की शानदार रिकवरी के बाद उछाल के साथ बंद हुए हैं। निफ्टी के इंफ्रा, एफएमसीजी और कंजप्शन शेयरों में जबरदस्त खरीदारी के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में यह उछाल देखा गया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 843.16 अंक या 1.04 प्रतिशत चढ़ने के बाद 82,133.12 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 219.60 अंक या 0.89 प्रतिशत चढ़ने के बाद 24,768.30 पर बंद हुआ। घरेलू बाजार ने दिन के निचले स्तर से तेजी से वापसी की और सूचकांक हैवीवेट शेयरों के नेतृत्व में कंसोलिडेशन से बाहर निकल गया। खाद्य मुद्रास्फीति में धीरे-धीरे कमी और एफएमसीजी कंपनियों द्वारा मूल्य वृद्धि, साथ ही मूल्यांकन में हाल ही में सुधार ने इस क्षेत्र को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की।

कैंसर डायग्नोस्टिक टेस्ट मार्केट 2033 तक दो प्रतिशत सीएजीआर बढ़ेगा

ग्लोबलडाटा ने भारत को लेकर जारी की रिपोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

शुक्रवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आंकोलॉजी टेस्ट मार्केट (कैंसर डायग्नोस्टिक टेस्ट मार्केट) 2033 तक लगभग 2 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। डाटा और एनालिटिक्स कंपनी ग्लोबलडाटा की रिपोर्ट के अनुसार, देश में कैंसर के मामलों में वृद्धि मुख्य रूप से जीवनशैली में बदलाव, पर्यावरणीय कारकों और बढ़ती उम्र की आबादी के कारण देखी जा रही है। भारत में कैंसर एक सामाजिक और स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा बड़ा बोझ है, जिससे एडवांस आंकोलॉजी निदान और उपचार सेवाओं की मांग बढ़ रही है। हर साल एक मिलियन से अधिक नए मामलों का निदान किया जाता है और हर साल लगभग 9,00,000 मौतें दर्ज की जाती हैं।रिसर्च से पता चलता है कि 2024 में, भारत एशिया-प्रशांत (एपीएसी) आंकोलॉजी टेस्ट मार्केट का 3 प्रतिशत से अधिक हिस्सा होगा। लेकिन, इनोवेटिव समाधान विकसित करने और कटिंग-एज रिसर्च का समर्थन करने के प्रयासों में तेजी लाकर, देश अपनी आबादी और वैश्विक समुदायों दोनों की स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को तेजी से संबोधित करने की आकांक्षा रखता है।

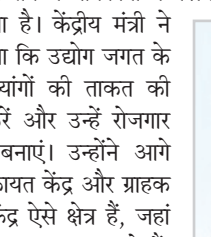

जोमैटो को मिला 803 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस

मुंबई । फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनी जोमैटो को वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) डिपार्टमेंट से 803 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है। कंपनी द्वारा स्टॉक एक्सचेंज पर दी गई जानकारी में कहा गया कि यह नोटिस सीजीएसटी और सेंट्रल एक्साइज के ज्वाइंट कमीश्नर, ठाणे की ओर से दिया गया है। इस टैक्स नोटिस में जीएसटी डिमांड और ब्याज एवं जुर्माना शामिल है। कंपनी द्वारा जारी बयान में आगे कहा गया कि यह टैक्स डिमांड नोटिस डिलीवरी चार्जेज पर जीएसटी न भुगतान करने करने को लेकर है। 803 करोड़ रुपये की कुल राशि में 401.7 करोड़ रुपये की जीएसटी डिमांड और इतनी ही राशि की ब्याज एवं जुर्माना शामिल हैं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुक्रवार को देवघर आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। साथ में झामुमो विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन भी मौजूद रहीं। (फोटो: आईएएनएस)

मोरहाबादी की चौपाल में राज्य की राजनीति पर हुई चर्चा, लोगों ने कहा

सीएम ने झारखंड के सर्वांगीण विकास करने का बना लिया है मन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मोरहाबादी की चौपाल में शुक्रवार को चर्चा हुई कि राज्य में चुनाव के बाद बनी झारखंड मुक्ति मोर्चा की मजबूत सरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बनी है। सभी ने सरकार एवं विपक्ष को बधाई दी। पिछले तीन-चार दिनों से प्रकाशित मुख्यमंत्री, स्पीकर व विपक्ष की घोषणाओं से यह दर्शाता है कि इस बार सभी ने मन बना लिया है, झारखंड राज्य के सर्वांगीण विकास करने का। इस सकारात्मकता के लिए सभी को धन्यवाद दिया गया। सर्वांगीण विकास के लिए मुख्यमंत्री एवं उनकी सरकार योजनाएं बनाएंगे, चर्चा हुई कि योजनाओं का

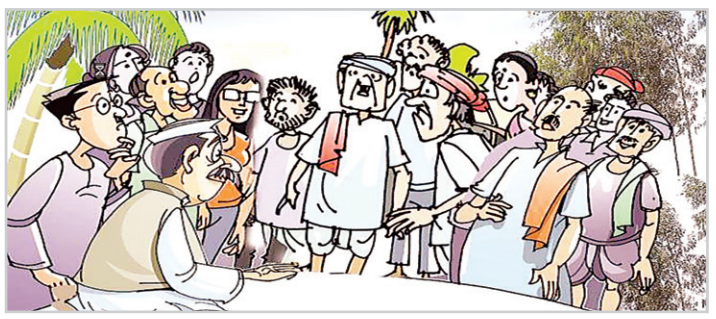

क्रियान्वयन सही ढंग से समय पर हो। झारखंड ऐसा राज्य है जहां सभी तरह के खनिज ही नहीं बल्कि प्राकृतिक सुंदरता से भरा हुआ भी है, यहां के आदिवासी भाई-बहन मेहनती और ईमानदार हैं, आदिवासियों के अलावा और जो आबादी है वह बहुत पुरानी है और उन्होंने भी राज्य विकास का भरपूर काम किया है। झारखंड राज्य का विकास सबके एकजुट होने से बहुत तेजी से हो जाएगा। विकास के मुख्य बिंदु होने चाहिए कि मजदूरी या नौकरी के लिए, उच्च शिक्षा, चिकित्सा व्यापार उद्योग के लिए झारखंडवासियों को दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़े। बल्कि दूसरी राज्यों से लोग पर्यटन, उद्योग धंधों के लिए यहां आए। इससे राज्य का विकास होगा, अपने आप यहां की बेरोजगारी दूर होगी, राजस्व बढ़ेगा। उन्नत कृषि के लिए ट्रेनिंग दी जाए और अच्छी किस्मत की बीज दिए जाएं, उनके उत्पाद को सही दाम मिले, इसकी व्यवस्था हो। राज्य में कानून व्यवस्था बढ़िया बने। पिछले 1 साल से निर्माण कार्य भी ठंडा पड़ा हुआ है, वह भी सिर्फ बालू के अभाव में। इस कारण बहुत सी योजनाओं में विलंब हो रहा है, मजदूरों को काम नहीं मिल पा रहा है। इस बिंदु पर भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। अभी तक की घोषणाओं से ऐसा लगता है कि इस बार काम होगा और राज्य का बड़ी तेजी से विकास होगा। सरकार को चाहिए कि झारखंड राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञों की सलाह और जनता कि सहभागिता भी योजना बनाते वक्त ली जाए।

एक सदस्य ने बहुत अच्छी बात कही कि चुनाव के समय पक्ष-विपक्ष ने दो-दो हाथ कर लिए। अब विपक्ष को चाहिए कि राज्य के विकास के लिए अपने दोनों हाथ सरकार से मिला लें। सकारात्मक सुझाव देते हुए राज्य के विकास में जुट जाएं। इन्हीं विचारों और शुभकामना के साथ आज चर्चा समाप्त हुई।

चमरा लिंडा ने की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, कहा

रोजगार व आय वृद्धि के लिए दीर्घस्थायी कार्यक्रम हो तैयार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा ने शुक्रवार को कल्याण कॉम्प्लेक्स पहुंचे। मंत्री ने आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा के साथ विभाग द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली सभी योजनाओं की जानकारी ली। वहीं उनके अद्यतन कार्य प्रगति की भी समीक्षा की। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि आदिवासी संस्कृति की उच्च परंपराओं पर आधारित कल्याण की योजनाएं बनायी जाए। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को उच्च मानक स्तर पर पहुंचाना हमारा ध्येय होना चाहिए। ग्रामीण कल्याण अस्पताल, आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र और पहाड़िया स्वास्थ्य केंद्रों में सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए पहल की जाए।

आदिवासी संस्कृति की उच्च परंपराओं पर आधारित कल्याण की योजनाएं बनाई जाएं

कार्यों में तेजी लाकर सभी निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करें

चमरा लिंडा ने प्रगतिरत सभी कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया। वहीं आदिवासी कल्याण आयुक्त से कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के कुशल नेतृत्व में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग सहित सभी वर्ग-समुदाय के जनमानस का सर्वांगीण विकास तथा कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। चमरा लिंडा ने कहा कि राज्य सरकार ने आदिवासी कल्याण से सम्बंधित सभी क्षेत्र के विकास पर फोकस किया है। वहीं कार्यों में तेजी लाकर सभी निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का पूर्ण लाभ पहुंचाकर पात्र लाभार्थियों को विकास की राह में आगे बढ़ाने की सोच के साथ सभी कार्यों को ससमय पूरा करें।

एसटी/एससी और पिछड़ा वर्ग के लिए चल रही प्रत्येक योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और पारदर्शिता को सबसे अहम प्राथमिकता देकर कार्य किए जाएं। एसटी/एससी और पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए रोजगार और आय वृद्धि के लिए दीर्घस्थायी कार्यक्रम तैयार किए जाएं।

राज्यपाल से मिले प्रधान महालेखाकार सहित कई लोग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को प्रधान महालेखाकार (अंकेक्षण) इंदु अग्रवाल ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। वार्ता के क्रम में राज्यपाल को उनके द्वारा राज्य के विभिन्न लोक उपक्रमों के लंबित अंकेक्षण से अवगत कराया।

इसके अलावा जीआर एंड डेजिंग्स के निदेशक कुमार विवेक के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर शिष्टमंडल ने राज्यपाल को 20-22 दिसंबर तक आड्रे हाउस में आयोजित फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह हेतु आमंत्रित किया।

वहीं भक्तिवेदांत विद्याभवन गुरुकुल के परियोजना निदेशक असीम कृष्ण दास के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को आगामी गीता महोत्सव कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया।

पूर्व नगर पार्षद विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने राज्यपाल से भेंट किया। शिष्टमंडल ने राज्यपाल से राज्य में शीघ्र नगर निकाय चुनाव कराने हेतु पहल करने का आग्रह किया।

सेठ ने संसद के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अपने प्राणों की आहुति देकर संसद भवन की रक्षा करने वालों को देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर 2001 को आतंकवादियों ने हमारे लोकतंत्र के मंदिर पर हमला किया था परंतु हमारे शूरवीरों ने अपने शौर्य और साहस से उन्हें मुंहतोड़ जवाब देकर मार गिराया।

कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव व उप नेता राजेश कच्छप का हुआ अभिनंदन

कांग्रेस ने जिस लड़ाई को पूरे देश में छेड़ा है, उसे स्थापित करना है : प्रदीप यादव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव व उप नेता राजेश कच्छप का कांग्रेस भवन में अभिनंदन किया गया। मौके पर कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव व उपनेता राजेश कच्छप ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रदीप यादव ने कहा कि जिम्मेवारियां सभी बड़ी होती हैं। प्रयास करेंगे कि अपने काम में शत- प्रतिशत खरा उतरे। कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में जिस लड़ाई को पूरे देश में छेड़ा है उसे मजबूती से स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में ऐसी सरकार बैठी है जो जन विरोधी व गरीब विरोधी है। उसे कुर्सी से बेदखल करना है। हम प्रयास करेंगे कि अपनी बातों को मजबूती रखें। उन्होंने कहा कि तमाम विधायकों से और आला नेताओं के साथ मिलकर रोड मैप तैयार करेंगे और निश्चित रूप में सफलता हासिल करेंगे।

अपनी जिम्मेदारियों पर खरा उतरेंगे : राजेश कच्छप

उप नेता राजेश कच्छप ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता को सरकार और पार्टी के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उस पर खरा उतरूंगा। सरकार, कांग्रेस पार्टी, विभाग और कार्यकर्ता के बीच समन्वय स्थापित करेंगे। सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं कांग्रेस पार्टी के माध्यम से कार्यकर्ताओं के मान सम्मान बढ़ाते हुए धरातल पर उतारेंगे। इसकी जिम्मेदारी पार्टी ने सोच समझ कर दिया है।

अनुभवी नेता को विधायकों की कमान सौंपी गई : राजेश

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुरने कहा कि आला कमान ने काफी अनुभवी नेता को विधायकों की कमान सौंप कर संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय बनाने का प्रयास किया है। उनके साथ सहयोगी के तौर पर राजेश कच्छप का मनोनयन निश्चित रूप से कार्यकर्ताओं के मान सम्मान को बढ़ाने वाला निर्णय है। अभिनंदन करने वालों में प्रमुख रूप से मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुजनी, सहित अनेक लोग शामिल थे।

चोरी की बाइक रखने के जुर्म में दो दोषियों को नौ माह की सजा

रांची। 14 वर्ष पुराने चोरी की मोटरसाइकिल रखने को लेकर दर्ज मामले में सुनवाई करते हुए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की अदालत ने दो आरोपी मोहम्मद इमरान और मोहम्मद अल्ताफ उर्फ पिंटू को दोषी ठहराते हुए 9-9 माह की सजा दी है। इस घटना को लेकर मोटरसाइकिल मालिक विजय नायर ने 19 जनवरी 2010 को लालपुर थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई थी। अनुसंधान के दौरान लालपुर पुलिस ने खेत मोहल्ला हिंदपीढ़ी निवासी मोहम्मद इमरान और मोहम्मद अल्ताफ को मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी मोटरसाइकिल को चुराकर उसका नंबर बदलकर इस्तेमाल कर रहा था। मामले में जांच की कार्रवाई मई 2010 में ही पूरी हो गई थी। लेकिन, आरोपी अल्ताफ फरार था। उसे 6 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद अदालत ने मामले में फैसला सुनाया।

34वें राष्ट्रीय खेल घोटाले में बंधु तिर्की की बढ़ेंगी मुश्किलें

सीबीआई कोर्ट ने 15 के खिलाफ लिया संज्ञान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 34वें राष्ट्रीय खेल घोटाले में तत्कालीन खेल मंत्री बंधु तिर्की, आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष आरके आनंद और कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक समेत 15 आरोपियों के खिलाफ सीबीआई कोर्ट ने संज्ञान ले लिया है। सीबीआई ने जांच पूरी कर मार्च में 28 करोड़ 38 लाख की अनियमितता में बिना अभियोजन स्वीकृति के चार्जशीट दाखिल की थी, जिस कारण कोर्ट चार्जशीट पर संज्ञान नहीं ले सका था। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने चार्जशीट दाखिल होने के नौ महीने बाद संज्ञान लिया है। अदालत ने निगरानी से जुड़े सभी मामलों को इसमें शामिल कर लिया है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ समन जारी किया है। इनकी उपस्थिति की तारीख 15 जनवरी तय की है।

ओबीसी वर्ग का राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान : डॉ रवींद्र

- *59 लाख से अधिक लोगों को सदस्य बनाएगी भाजपा : कर्मवीर सिंह*
- *सदस्यता अभियान नए लोगो को जोड़ने और नया नेतृत्व उभारने का माध्यम है : राकेश प्रसाद*
- *5 लाख सदस्य बनाएगी भाजपा ओबीसी मोर्चा : डॉ अमरदीप यादव*

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा पिछड़ा जाति मोर्चा झारखंड प्रदेश की संगठन पर्व सदस्यता अभियान हेतु एक कार्यशाला हरमू स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमरदीप यादव ने किया। भाजपा प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने कार्यकर्ताओं से कहा कि ओबीसी वर्ग के प्रबुद्धजनों को भी भाजपा का सदस्य बनाना है, एक बड़ी आबादी इस वर्ग की है जो राष्ट्र के विकास में अहम भूमिका अदा करती है। झारखंड से लोकतंत्र विरोधी, राष्ट्र विरोधी, विकास विरोधी ताकतों से लड़ने के लिए भाजपा संगठन को निरंतर गति देने हेतु नए सदस्यों को जोड़ना आवश्यक है। भाजपा केवल चुनाव के लिए नहीं है बल्कि समाज के हर वर्ग को राष्ट्र की प्रगति में भागीदार बनाने के लिए संकल्पित है।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी विचारों की संवाहक और कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। इसलिए सदस्यता अभियान संवैचारिक लोगों की संख्या बढ़ाने का माध्यम है।

15-16 दिसंबर को जिला कार्यशाला और 18-19 दिसंबर को सभी 515 कार्यशाला है। 22 दिसंबर 2024 से सदस्यता अभियान विधिवत शुरूआत होगी। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री सह झारखंड निर्माता स्व अटल बिहारी वाजपेयी जयंती पर प्रत्येक बूथ पर कम से कम 100 सदस्य बनाना है। उसके बाद सक्रिय सदस्य बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। भाजपा को 59 लाख से अधिक सदस्य बनाना है जिसमे ओबीसी मोर्चा को 5 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है।

सदस्यता अभियान के संयोजक भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा कि यह मात्र एक अभियान नहीं बल्कि संगठन महापर्व है। जिसे कार्यकर्ता अन्य पर्व की तरह पूरे उत्साह और पारिवारिक वातावरण में मनाती है। ओबीसी वर्ग का साथ भारतीय जनता पार्टी को सदा मिलता रहा है। इसलिए मोर्चा की जिम्मेदारी है कि वे इस अभियान में समान विचारधारा के लोगों को पार्टी से जोड़ने का अभियान चलाए।

डॉ अमरदीप यादव ने कहा कि ओबीसी मोर्चा अपने स्थापना काल से संगठन और चुनाव कार्यों में पूरी निष्ठा से मेहनत किया, विगत विधानसभा चुनाव में भी ओबीसी मोर्चा नेअपनी जिम्मेदारी निभाई। आगे भी पार्टी द्वारा दिया गया सदस्यता लक्ष्य को पूरा करने में पूरी ईमानदारी के साथ कार्य करेगी। वर्तमान में झारखंड सरकार नगर निकाय चुनाव में ओबीसी को आरक्षण है नहीं देना चाहती इसलिए चुनाव टाल रही है, ओबीसी मोर्चा इसके लिए चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

भाजपा प्रदेश आईटी सेल के संयोजक राहुल अवस्थी ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन को प्रोजेक्टर के माध्यम से सदस्यता अभियान के ऑनलाइन और ऑफलाइन की तकनीकी विषयों को बताया। जिसमे 8800002024 पर मिस्ड कॉल करके सदस्य और सक्रिय सदस्य बनने की प्रक्रिया को समझाया।

मंच संचालन प्रदेश महामंत्री ईश्वर चंद्र प्रजापति और धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश मंत्री सुमित कुमार ठाकुर ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापुरुषों की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं वंदे मातरम गीत के साथ हुआ।

झारखंड में उग्रवादी फिर से उठाने लगे हैं सिर : डॉ राय

भाजपा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ रविंद्र कुमार राय ने प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता कर हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा। डॉ राय ने कहा कि बड़े परिश्रम से भाजपा सरकार ने राज्य में उग्रवाद पर नकेल कसा था। उग्रवादी संगठन राज्य पर कार्रवाई के कारण या तो उनलोगों ने आत्म समर्पण किया,या केंद्रीय सुरक्षा बलों की गोलियों के शिकार हुए। उनके दुरूह कैंप ध्वस्त किए गए थे। पहाड़ों जंगलों को छोड़ वे राज्य से बाहर अन्यत्र जाने को मजबूर हुए थे। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, चतरा आदि में घटी घटनाओं ने यह अहसास करा दिया है कि राज्य फिर से जंगलराज की चपेट में आ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के पूर्व बिहार के समय में उग्रवादी झारखंड क्षेत्र में अपनी शरण लेते थे। राज्य के सांसद, विधायक, पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे सहित आम आदमी की हत्या, खुलेआम लेवी वसूली, लगातार बंदी का आह्वान, उद्योग कर्मियों, व्यवसायियों से मोटी रकम की वसूली एक सामान्य बात हो गई थी। लेकिन केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार ने इसपर कड़ाई से निपटने के सार्थक प्रयास किए थे,और उसके अच्छे परिणाम भी निकले। लेकिन आज फिर वैसे दृश्य का ट्रेलर दिखाई पड़ने लगा है। कहा कि राज्य की ग्रामीण जनता आत्म रक्षार्थ शस्त्र उठाने को मजबूर है। लोग ऐसे उग्रवादियों का सेन्दरा करने को मजबूर हैं। लोग रात रात भर फिर से जाग कर अपने जानमाल की सुरक्षा कर रहे।

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में अलका तिवारी हुईं शामिल

नवीन मेल संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। दिल्ली में आयोजित होने वाले चौथे मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ शुक्रवार से हुआ। मुख्य सचिवों का यह सम्मेलन, सहकारी संवाद को मजबूत करने, विकास एवं प्रगति हासिल करने की दिशा में केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने की दृष्टि से आयोजित किया जाता है। झारखंड सरकार की तरफ से इस सम्मेलन में झारखंड सरकार की अध्यक्षता, मुख्य सचिव झारखंड सरकार अलका तिवारी, प्रधान सचिव योजना मस्त राम मीना, सचिव ग्रामीण विकास के श्रीनिवासन एवं सचिव उद्योग विभाग जीतेन्द्र कुमार सिंह आदि विशेष पदाधिकारियों ने की।

बता दें कि यह सम्मेलन केंद्र एवं राज्य सरकारों के साझा विकास एजेंडा के सुसंगत प्रारूप तैयार करने के लिए किया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य उद्धामिता को बढ़ावा देना, कौशल परक रोजगार सृजन कराना और अधिक जन मानस को लाभांश का दोहन कराना है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य देश के प्रधानमंत्री, नीति आयोग, केंद्रीय मंत्रालय के साथ-साथ, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश के प्रमुख प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों के मध्य विचार विमर्श के आधार पर श्रेष्ठ कार्य प्रणाली को स्थापित करना है। इस वर्ष इस सम्मेलन में व्यापक विषय विनिर्माण, सेवा, ग्रामीण गैर-कृषि, शहरी विकास, नवीनिकरण ऊर्जा, मिशन कर्मयोगी पर विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा इसके अलावा कृषि में आत्म निर्भरता, खाद तेल एवं दालें, वृद्धि आबादी की देख भाल,अक्षय ऊर्जा और भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर भी विचार विमर्श किया जाएगा।

भारी हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही 16 दिसंबर तक स्थगित

नई दिल्ली। संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा की कार्यवाही 16 दिसंबर तक स्थगित कर दी गई है। राज्यसभा में शुक्रवार को अविश्वास प्रस्ताव पर जमकर हंगामा देखने को मिला।

राज्यसभा में सभापति धनखड़ और खड़गे के बीच जमकर बहस हुई। सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, मैं किसान का बेटा हूं, झुकता नहीं हूं। विपक्ष ने संविधान की धज्जियां उड़ाई हैं। मैंने बहुत कुछ बर्दाश्त किया है। मैं मल्लिकार्जुन खरगे जी की इज्जत करता हूं। मैंने कभी सम्मान देने में कोई कमी नहीं रखी। मैं देश के लिए मर जाऊंगा, मिट जाऊंगा। आप मुझसे मिलने का वक्त तो निकालें मैं आपसे जरूर मिलूंगा। वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आप किसान के बेटे हैं, तो मैं मजदूर का बेटा हूं। आप विपक्षी सांसदों का अपमान करते हैं। सदन चलाना सभापति की जिम्मेदारी है। आप सदन परंपरा के साथ चलाएं। हम आपकी तारीफ सुनने के लिए सदन में नहीं आए हैं। इस बीच संविधान को लेकर लोकसभा में चर्चा जारी है।

प्रियंका गांधी की स्पीच 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया': नकवी

नई दिल्ली। प्रियंका गांधी के संबोधन के बाद सियासी बयानबाजियां जारी है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने प्रियंका गांधी के भाषण पर तंज कसा। उन्होंने कहा, स्पीच या तो नोबेल पुरस्कार लेने की तरह थी या फिर बाउंसर जैसा कुछ था। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने आईएएनएस से बात करते हुए प्रियंका गांधी द्वारा संविधान में बदलाव की संभावना जताने पर कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि बहुत शोर मचाया गया था कि प्रियंका गांधी की स्पीच आने वाली है, लेकिन इसका परिणाम 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया' जैसा हुआ। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि वही पार्टी और नेता संविधान को बेदर्दी और बेशर्मी से बार-बार संशोधित करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 106 बार संविधान में बदलाव किया है और इन बदलावों के दौरान कभी न कभी संविधान की मूल भावना पर भी हमले किए गए हैं। नकवी ने कहा कि प्रियंका गांधी अगर संविधान की बात कर रही हैं, तो उन्हें अपनी पार्टी के इतिहास में झांककर देखना चाहिए।

दिल्ली में सरकारी स्कूल के बच्चे पेरिस से फ्रेंच भाषा का कोर्स कर लौटे वापस

नई दिल्ली । दिल्ली के सरकारी स्कूल के 30 बच्चे पेरिस गए थे और वहां पर उन्होंने फ्रेंच भाषा में एडवांस कोर्स कंप्लीट किया। जब वह वापस दिल्ली लौटे तो उनसे शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री आतिशी और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मुलाकात की और बच्चों की हौसला अफजाई की। दिल्ली सरकार की तरफ से जानकारी साझा की गई है कि आज मुख्यमंत्री आतिशी और मनीष सिसोदिया ने पेरिस जाकर फ्रेंच भाषा का एडवांस कोर्स करके लौटे दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स से मुलाकात की है। दिल्ली सरकार गवर्नमेंट स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को सभी मौके दे रही है, जिससे वह बेहतरीन शिक्षा प्राप्त करके अपने माता-पिता और देश का नाम रोशन कर सकें।

बाइडेन ने चार भारतवंशियों को दिया क्षमादान

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी विदाई से कुछ समय पहले गुरुवार को लगभग 1,500 आरोपितों की सजा कम की और 39 लोगों को माफी दी। उन्होंने इस दौरान चार भारतीय-अमेरिकियों को भी क्षमादान भी दिया। राष्ट्रपति बाइडेन की इस उदारता से चार भारतवंशियों डॉ. मीरा सचदेव (63), बाबूभाई पटेल, कृष्णा मोटे (54) और विक्रम दत्ता (63) और उनके परिवारों को राहत मिली है। इतनी बड़ी संख्या में एक दिन में क्षमादान देने की हाल के दिनों की यह इकलौती घटना है। बाइडेन ने एक्स हैंडल पर लिखा, 'आज मैं अहिंसक अपराधों वाले 39 लोगों को माफ कर रहा हूं, जिन्होंने पश्चाताप और पुनर्वास का प्रदर्शन किया है। मैं लगभग 1,500 अन्य लोगों की सजा कम कर रहा हूं।' बाइडेन ने अपनी टिप्पणी के साथ व्हाइट हाउस की रिलीज भी साझा की। उन्होंने कहा कि अमेरिका का निर्माण दूसरे अवसरों पर हुआ था। ये क्षमा और परिवर्तन इसी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

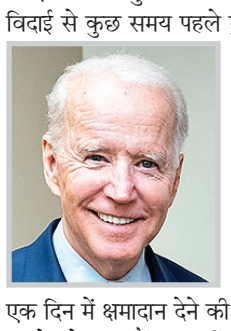

श्रीलंका के राष्ट्रपति 15 से भारत यात्रा पर

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके तीन दिवसीय भारत यात्रा पर आ रहे हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद यह उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को नियमित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। दिसानायके 15 से 17 दिसंबर तक तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत आएंगे। अपनी यात्रा के दौरान दिसानायके भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उनका बौद्ध गया जाने का भी कार्यक्रम है।

विदेशी नागरिकों को ठगने वाले कॉल सेंटर का हुआ पदार्फाश

नौ महिलाओं समेत 76 लोग हुए गिरफ्तार

एजेंसी । नोएडा

नोएडा पुलिस ने विदेशी नागरिकों के साथ अमेजन पार्सल, टैक सपोर्ट और पे-डे लोन प्रक्रिया के नाम पर फर्जी मैसेज लिंक एवं कॉल के माध्यम से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गैंग का पदार्फाश करते हुए 9 महिलाओं समेत 76 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर-63 पुलिस और सीआरटी टीम नोएडा ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए इंस्टा सॉल्यूशन नाम से कॉल सेंटर संचालित कर विदेशी नागरिकों से ठगी करने वाले गैंग का पदार्फाश करते हुए उनके कब्जे से 58 लैपटॉप, 1 एप्पल मैक बुक, 45 लैपटॉप चार्जर, 2 राउटर, 45 हेडफोन, 24 मोबाइल फोन व अन्य सामान बरामद किए हैं। डीसीपी सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना सेक्टर-63 पुलिस और सीआरटी टीम नोएडा ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए लोकल इंटेलीजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर इंस्टा सॉल्यूशन नाम से कॉल सेंटर संचालित कर विदेशी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी करने वाले कॉल सेंटर में छापेमारी कर 76 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया है कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया है कि ये लोग साथ मिलकर विदेशो में बैठे लोगों को अमेजन सपोर्ट, माइक्रोसॉफ्ट, टेक सपोर्ट एवं पे-डे के नाम पर ठगी करते हैं। इस कॉल सेंटर को कुरूनाल रे, सौरभ, सादिक, साजिद अली द्वारा मिलकर चलाया जा रहा था। ये लोग स्काइप ऐप के माध्यम से ग्राहकों का व्यक्तिगत डाटा खरीदते हैं, जिसका पेमेंट यूएसडीटी में यूएस के लोगों को करते हैं, जो डिजिटल करेंसी में होता है। उसके बाद यूएस में जिन लोगों के कंप्यूटरों में सीएक्स भेजा जाता है, तो उनके कंप्यूटर में खराबी आने के कारण उसकी स्क्रीन नीले रंग की हो जाती है इसके बाद स्क्रीन पर एक नंबर दिखाई देता है। इस नंबर पर पीड़ित कॉल करता है, तो वह कॉल इनके सिस्टम पर आती है, जिस पर ये लोग अपने आप को माइक्रोसॉफ्ट का अधिकारी बताकर उनकी समस्या का समाधान करने के लिए 99 डॉलर या इससे अधिक का पेमेंट मांगते हैं। पेमेंट के बाद पीड़ित को एक कमांड बताते है, जिससे उसका कंप्यूटर ठीक हो जाता है। इसी प्रक्रिया में ये लोग व्यक्ति को धोखा देकर पैसे लेने के लिए बात करते हैं। इस गैंग के आरोपियों ने बताया है कि अमेजन प्रॉसेस में ये स्काइप ऐप से डाटा लेते हैं। इसमें यूएस के नागरिकों की जानकारी होती है और उसका किसी ना किसी साइट पर लोन का आवेदन होता है। इसका फायदा उठाकर हमारे द्वारा हमारे फोन से उनके लोन के संबंध में एक मैसेज भेजा जाता है। मैसेज में नाम व मोबाइल नंबर आवश्यकतानुसार चेंज करते है। जिस व्यक्ति को लोन की जरूरत होती है, वह या तो हमें यस का मैसेज भेजता है या हमारे द्वारा दिए गए नंबर पर कॉल करता है।

स्काइप ऐप के माध्यम से खरीदते हैं ग्राहकों का व्यक्तिगत डाटा

अमेजन प्रॉसेस में भी ये लोग स्काइप के माध्यम से प्राप्त डाटा जुटाकर विदेशी ग्राहकों को एक वॉयस नोट भेजते हैं, जिसमें ग्राहकों को बताया जाता है कि आपका पार्सल रेडी टू डिलीवर है। यदि आपके द्वारा ये पार्सल नहीं मंगाया गया है, तो आपका अकाउंट चोरी हो गया है। इसके बाद ग्राहक डर जाता है। फिर ये ग्राहक से उसका नया अमेजन अकाउंट बनाने के नाम पर डॉलर की मांग कर लेते है। ये लोग अधिकतर विदेशी नागरिकों को अपना शिकार बनाते थे, ताकि कोई शिकायत न कर सके। डीसीपी ने बताया है कि मुख्य आरोपी कुरूनाल रे, सादिक, सौरभ राजपूत पहले भी इसी प्रकार की ठगी करने के कारण गुजरात पुलिस द्वारा जेल भेजे जा चुके हैं।

भारत ने हासिल की एयर-टू-एयर मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक

एसएफडीआर का अंतिम परीक्षण सफल

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने अब हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शुक्रवार को ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) का अंतिम परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित यह तकनीक भारत को लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल विकसित करने में मदद करेगी। डीआरडीओ के मुताबिक सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रणोदन आधारित मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा है। ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से किए गए परीक्षण में इस्तेमाल की गई जटिल मिसाइल प्रणाली ने सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। आईटीआर में तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंट्स ने इस प्रणाली के सफल प्रदर्शन को पुष्ट किया। एसएफडीआर को हैदराबाद की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला ने डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं जैसे हैदराबाद की अनुसंधान केंद्र इमारत और पुणे की उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित किया गया है। एसएफडीआर का विकास वर्ष 2013 में शुरू हुआ और वास्तविक प्रदर्शन शुरू करने के लिए पांच साल की समय सीमा तय की गई थी।

मिसाइल का ग्राउंड आधारित परीक्षण 2017 में शुरू हुआ था। सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट का पहला परीक्षण 30 मई, 2018 को किया गया था। इस परीक्षण के जरिये भारत ने पहली बार नोजल-कम बूस्टर का प्रदर्शन किया। दूसरा परीक्षण 8 फरवरी, 2019 को हुआ, जिसमें मिसाइल ने लक्ष्य के मुताबिक वांछित गति से आखिरकार जमीन को छू लिया। इसके बाद 08 अप्रैल, 2022 को हुए बूस्टर तकनीक का सफल परीक्षण किया गया। अब अंतिम परीक्षण में भारत ने एयर-टू-एयर मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है।

लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल विकसित करने में मिलेगी मदद

भारत बना लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित करने वाला पहला देश

रक्षा वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि भारत लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित करने वाला पहला देश है, जो ध्वनि की गति से आठ गुना अधिक गति से यात्रा कर सकती है। यह वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी में एक गेम-चेंजर है, जो किसी अन्य देश के पास नहीं है। डीआरडीओ ने हाल ही में देश की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया, जो लगभग 3 किमी प्रति सेकंड की गति से 1,500 किमी से अधिक दूरी तक पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जा सकती है। भारत के पास अब हाइपरसोनिक मिसाइल है, जो गति, सीमा, सटीकता और पता लगाने की क्षमता के मामले में गेम-चेंजर है, जिससे सशस्त्र बलों को बढ़त हासिल होगी।

आरजी कर मामले में संदीप और अभिजीत को जमानत

एजेंसी । कोलकाता

आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और टाला थाने के पूर्व ओसी अभिजीत मंडल को जमानत मिल गई। सीबीआई शुक्रवार को सप्लिमेंट्री चार्जशीट पेश करने में असमर्थता जताई, जिसके बाद दोनों को जमानत मिल गई। दोनों पर दुष्कर्म और हत्या के मामले में सबूत नष्ट करने का आरोप है। हालांकि, जमानत मिलने के बावजूद संदीप घोष की अभी जेल से रिहाई नहीं होगी, क्योंकि आरजी कर अस्पताल के आर्थिक भ्रष्टाचार मामले में उन्हें पहले ही गिरफ्तार किया गया था और उस मामले में अभी जमानत नहीं मिली है। दूसरी ओर, अभिजीत मंडल के खिलाफ कोई अन्य मामला नहीं है, जिससे वह जेल से बाहर आ सकते हैं। शुक्रवार को सीबीआई अदालत में आरजी कर मामले की सुनवाई हुई। सीबीआई ने अदालत को बताया कि संदीप और अभिजीत की गिरफ्तारी के 90 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन वे सप्लिमेंट्री चार्जशीट दाखिल नहीं कर सके हैं। इसके बाद दोनों को जमानत मिल गई।

● चार्जशीट पेश नहीं कर पाई सीबीआई

बीपीएससी की प्रीलिम्स परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

एजेंसी । पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन शुक्रवार को बिहार के 912 केंद्रों पर किया गया। इस केंद्रों में प्रदेश की राजधानी पटना में 60 परीक्षा केंद्र शामिल थे। इस परीक्षा में 4.80 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जानकारी के अनुसार, परीक्षा के दौरान कोई भी गड़बड़ी की घटना नहीं हुई, अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त माहौल की सराहना की। परीक्षा पूरी तरह से बिना किसी गड़बड़ी के हुई।

परीक्षा के दौरान पटना के मिलर हाई स्कूल परीक्षा केंद्र में आईएएनएस ने कुछ परीक्षार्थियों से बातचीत की, जिन्होंने अपना अनुभव साझा किया। उत्तर प्रदेश की मेहनाज अंसारी ने आईएएनएस को बताया कि यह मेरा तीसरा प्रयास था। पेपर ज्यादा कठिन नहीं था और मुझे हिस्ट्री और करंट अफेयर्स का सेक्शन सबसे अच्छा लगा। हालांकि, साइंस का सेक्शन थोड़ा मुश्किल था। बीपीएससी द्वारा किए गए इंतजाम अच्छे थे और मुझे पूरी प्रक्रिया से संतोष है। वहीं, प्रगति ने बताया कि यह मेरा दूसरा प्रयास था। इस बार पेपर अच्छा था, विशेषकर साइंस सेक्शन। बीपीएससी ने परीक्षा केंद्रों पर अच्छी व्यवस्था की थी। बिहार के कैमूर जिले की बरसीदा राशिद ने कहा कि पेपर बहुत अच्छा था और हिस्ट्री सेक्शन विशेष रूप से मददगार रहा। बीपीएससी की तैयारियां बहुत अच्छी थीं। अनुराग केसरी ने बताया कि यह मेरा दूसरा प्रयास था। पेपर में करंट अफेयर्स के सवाल अच्छे थे। अगर कोई दो महीने भी अच्छी तरह से तैयारी करता तो अच्छे अंक ला सकता था। बीपीएससी की तैयारी तो ठीक थी, लेकिन अंदर की व्यवस्थाओं के बारे में आयोग ही जानता है। अभिषेक कुमार ने भी संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पेपर हमारे लिए बिल्कुल ठीक था।

कोलकाता में कूड़े के ढेर में मिला महिला का कटा सिर

कोलकाता। कोलकाता के गोल्ड ग्रीन इलाके में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब लोगों ने कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में एक महिला का कटा हुआ सिर देखा। सुबह की सैर करने वाले लोगों ने जब कटा हुआ सिर देखा, तो उन्होंने तुरंत स्थानीय पुलिस स्टेशन को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और महिला का कटा हुआ सिर अपने साथ ले गई। हालांकि, महिला का शव या उसके शरीर का अंग आसपास कहीं से बरामद नहीं हो सका। पुलिस के सूत्रों ने बताया कि यह आशंका है कि महिला के शरीर को कई हिस्सों में काटकर अलग-अलग जगहों पर फेंका गया हो ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके और जांच में देरी हो सके। शहर के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले महिला की पहचान करने और यह जानने के लिए जांच की जा रही है कि उसके साथ वास्तव में क्या हुआ। इसके बाद इस तरह के जघन्य अपराध के पीछे जिम्मेदार लोगों का पता लगाया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में हुई मुठभेड़, दो वदीर्धारी नक्सली हुए ढेर

एजेंसी । बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत नेंड्रा के जंगल में शुक्रवार को पुलिस ने एक मुठभेड़ में दो नक्सलियों को ढेर कर दिया है। पुलिस ने घटनास्थल पर दोनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने शव के पास से हथियार भी जब्त किए हैं।

पुलिस को सूचना मिली थी कि बासागुड़ा थाना क्षेत्र के नेंड्रा के जंगल में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी है। इस पर इलाके में कोबरा 210, सीआरपीएफ 168 बटालियन की यंग प्लाटून, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के जवानों की संयुक्त टीम नेंड्रा के जंगल सुबह 7.30 बजे पहुंच कर सर्च अभियान चलाया। सुरक्षाबलों के जवानों को अपनी ओर आता देखकर नेंड्रा के जंगल में मौजूद नक्सलियों ने गोलियां बरसानी शुरू कर दी। इसके जवाब में जवानों ने नक्सलियों का मुंहतोड़ जवाब देकर फायरिंग की। इस मुठभेड़ में दो वदीर्धारी नक्सली मारे गए हैं। मुठभेड़ में मारे गये दोनों वदीर्धारी पुरुषों के शव बरामद कर लिए हैं। बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं। घटनास्थल से दो नग 12 बोर सिंगल शाट गन, एक नग देसी गन, कोर्डेक्स वायर, टिफिन बम, प्रिंटर, नक्सली वर्दी, साहित्य एवं अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया गया है।

● हथियार और नक्सली सामग्री बरामद

राष्ट्रपति भवन में आज नहीं होगी गार्डों की अदला-बदली

नई दिल्ली। प्रेसिडेंट्स पोलो कप प्रदर्शनी मैच के कारण शनिवार को राष्ट्रपति भवन के रस्मी गार्डों की अदला-बदली (चेंज ऑफ गार्ड) का समारोह नहीं होगा। आमतौर पर राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में प्रत्येक शनिवार को यह समारोह आयोजित होता है। राष्ट्रपति भवन की ओर से शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति भवन के प्रेसिडेंट्स बॉडीगार्ड परेड ग्राउंड में 14 दिसंबर को निर्धारित राष्ट्रपति पोलो प्रदर्शनी मैच के कारण कल गार्ड परिवर्तन समारोह नहीं होगा।

मुंबई में भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई। मुंबई में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल आरबीआई की वेबसाइट पर मिला है। इसके बाद मुंबई के एमआरए पुलिस स्टेशम में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

कनाडाई मीडिया भारत के खिलाफ चला रहा दुष्प्रचार अभियान

वीजा देना हमारा संप्रभु अधिकार : विदेश मंत्रालय

● कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा हमारे लिए महत्वपूर्ण

● वैंकुवर में वाणिज्य दूतावास इस मामले में पीड़ितों को हर संभव मदद दे रहा है

एजेंसी । नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने कनाडा के कुछ लोगों को भारतीय वीजा नहीं दिए जाने से जुड़ी रिपोर्ट पर कहा है कि यह किसी भी देश का संप्रभु अधिकार है। साथ ही, मीडिया रिपोर्ट को दुष्प्रचार का हिस्सा बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि हमने कई मौकों पर मीडिया में ऐसी रिपोर्टें देखी हैं। यह कनाडाई मीडिया की ओर से भारत के खिलाफ चलाए जा रहे दुष्प्रचार अभियान का एक और उदाहरण है। यह बदनाम करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि वीजा के विषय पर निर्णय लेने का किसी भी देश का संप्रभु अधिकार है। किसे वीजा देना है, यह एक आंतरिक मामला है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए। यह तय करना हमारा वैध अधिकार है कि वीजा दिया जाए या नहीं। खासकर, हमारे खिलाफ बोलने और हमें बदनाम करने की कोशिश करने वालों को।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने पिछले सप्ताह कनाडा में भारतीय छात्रों की हिंसा में हुई मौतों पर कहा कि भारत उन्हें हर संभव मदद प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि हिंसक अपराधों में तीन भारतीय छात्रों की हत्या कर दी गई है। हम कनाडा में हमारे नागरिकों पर हुई इन भयानक त्रासदियों से दुखी हैं। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। ओटावा में हमारा उच्चायोग और टोरंटो और वैंकुवर में वाणिज्य दूतावास इस मामले में पीड़ितों को हर संभव मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय मिशन इन घटनाओं की गहन जांच के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। कनाडा में भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से छात्रों की सुरक्षा और कल्याण हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। घृणा अपराध और आपराधिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए हमने अपने नागरिकों और भारतीय छात्रों के लिए अत्यधिक सावधानी बरतने और बिगड़ते सुरक्षा माहौल को देखते हुए सतर्क रहने के लिए एक सलाह भी जारी की है।

मथुरा में गोवंश के अवशेष मिलने पर हंगामा, रोड जाम

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में शुक्रवार को गोवंश के अवशेष मिलने पर गौ सेवकों और हिंदूवादियों का आक्रोश भड़क उठा और गो सेवकों द्वारा मथुरा-वृंदावन रोड जाम कर दिया। जाम के चलते सैकड़ों वाहन चालकों सहित पैदल राहगीरों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। पुलिस अफसर लोगों को समझाते रहे। जब लोग जाम हटाने को तैयार नहीं हुए, तो पुलिस ने उन पर हल्का बल प्रयोग कर दिया। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मथुरा स्थित पीएमबी पॉलिटेक्निक के समीप जंगल का इलाका है। वहां पर कुछ गोवंश मृत अवस्था में मिले थे। इस मामले को कुछ लोगों ने अनावश्यक तूल देने का प्रयास किया।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल के खिलाफ दूसरा महाभियोग प्रस्ताव नेशनल असेंबली में पेश

सियोल। दक्षिण कोरिया की नेशनल असेंबली में शुक्रवार को राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ दूसरा महाभियोग प्रस्ताव पेश किया गया। इस पर आगामी पूर्ण सत्र में मतदान होगा। येओल को इससे पहले मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा पर भी महाभियोग प्रस्ताव का सामना करना पड़ा। इस पर रविवार को हुए मतदान में वह विपक्ष को शिकस्त देने में सफल रहे। द कोरिया टाइम्स की खबर के अनुसार, मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया (डीपीके) ने इस प्रस्ताव पर आगामी पूर्ण सत्र में शाम 5:00 बजे मतदान कराने की योजना बनाई है। कानून के अनुसार, महाभियोग प्रस्ताव को पूर्ण सत्र में रिपोर्ट किए जाने के 24 से 72 घंटों के बीच मतदान के लिए रखा जाना चाहिए।

चिन्मय की पैरवी करेंगे स्थानीय वकील सुमित आचार्य

ढाका। बांग्लादेश में गिरफ्तार हिंदू संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को अभी तक जमानत नहीं मिल पाई है। ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के लिए अंतरिम सरकार की दुनियाभर में आलोचना हो रही है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समाज के लिए सुकून भरी यह खबर है कि चट्टोग्राम मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम की अदालत में उनकी जमानत याचिका पर पैरवी के लिए स्थानीय वकील सुमित आचार्य तैयार हो गए हैं। वह अदालत में हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील रवींद्र घोष के साथ इस केस को लड़ेंगे।